आखिर क्यों नहीं थम रहा ओवरलोड का परिचालन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट, डे मार्केट पौआखाली रूट से होकर ओवरलोड ट्रकों, डंपरो का परिचालन करवा कर इंट्री माफिया रोज सरकारी राजस्व को लाखों का चूना लगा रहे हैं। गौरतलब हो कि लगातार बंगाल से बिहार में इंट्री का खेल चल रहा है जो की ओवरलोड का हब अभी चक्करमारी चेक पोस्ट बना हुआ है जो बिहार और बंगाल को जोड़ती है और यह चेक पोस्ट बंगाल में स्थित है मौका देखते ही इंट्री माफिया के गुर्गे सक्रिय होकर चक्करमारी चेकपोस्ट से धरल्ले से ओवरलोड डंपर, ट्रक का परिचालन बिहार में करवाना शुरू कर देते हैं इसके लिए इंट्री माफिया पहले सिग्नल का इंतजार करते हैं और सिग्नल मिलते ही बंगाल बिहार इंट्री का खेल शुरू हो जाता है। इंट्री का खेल जिले भर में किस तरह से होता है यह बताने की जरूरत नहीं है यह तो जग जाहिर है लेकिन कई रूट इसका जीता जागता उदाहरण है।

जैसे कि ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट, डे मार्केट पौआखाली रूट पर धरल्ले से ओवरलोड डंपर, ट्रक का परिचालन होता है। सूत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार डायमंड कोड के बाद अब काबा ओवरलोड के इंट्री का खेल जिले भर में धरल्ले से चला रहा है। गलगलिया की अन्तराजजीय सीमा बंगाल से सटे चक्करमारी में इंट्री के काम मे अब काबा ग्रुप की भी इंट्री हो गयी है। इस ग्रुप ने अपना मोर्चा संभालते हुए कोयला समेत कई प्रकार के ओवरलोड वाहनों को गलगलिया से लेकर अररिया तक पहुंचाने का बीढ़ा उठाया है। बताया जाता है कि इस काम को अंजाम देने वाला एक व्यक्ति कटिहार छोड़कर सिल्लीगुड़ी आ गया है और बजाप्ते ऑफिस खोलकर कोयला समेत अन्य ओवरलोड वाहनों की इंट्री कराने लगा है। सूत्र तो यह भी बताते हैं कि इस काम मे कई सफेदपोश शामिल हैं। जो काबा के नाम की इंट्री कर ओवरलोड वाहनों को बिहार प्रवेश कराकर धड़ल्ले से उनके गंतव्य तक पहुंचा रहा है। प्रतिदिन सुबह से लेकर रात तक बड़े ओवरलोड वाहनों को एनएच 327 ई पर या एनएच–27 पर देखा जा सकता है। ये ओवरलोड वाहन नवनिर्मित हाईवे को भी नुकसान पहुंचाने लगें हैं। जगह जगह नवनिर्मित हाईवे टूटने लगा है। साथ ही साथ परिवहन और प्रदूषण नियमों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही है। सूत्र बताते हैं कि इनके गुर्गे गलगलिया सीमा से लेकर ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट, पौआखाली, बहादुरगंज एलआरपी व कोचाधामन किशनगंज के बॉर्डर तक सक्रिय हो गए है जो सिग्नल मिलते ही ओवरलोड वाहनों को बंगाल की सीमा से लेकर अररिया तक पहुंचा रहे हैं। गौर करे कि नवंबर माह से सभी ईंट भट्ठों में ईंट बनाने का कार्य शुरू हो जाता है। जिसमें कोयले की भारी मात्रा में खपत होती है। कोयला असम राज्य के अलावे अन्यत्र इलाको से आता है। जिसे बिहार के सीमांचल इलाको में पहुंचाने का काम अब काबा ग्रुप कर रहा है।

गौरतलब हो कि पूर्व जिलाधिकारी किशनगंज तुषार सिंगला ने असम और बंगाल से आने वाले अवैध कोयला के ट्रकों के जांच के लिए टीम का गठन किया था, ठाकुरगंज के गलगलिया चेक पोस्ट में 24×7 पदाधिकारी मौजूद रहेंगे और कोयला के ट्रक का जांच करेंगे। जिलाधिकारी के इस आदेश ने कोयला माफियाओं का नींद उड़ा दिया था। लेकिन अफसोस की बात है कि उनके जाते ही सभी आदेश हवा हवाई हो गए। अब यह आलम है कि ओवरलोड वाहनों का जखीरा जिले भर में तांडव मचा रहा है। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (MV Act) भारत में सड़क पर वाहनों के संचालन (Operations Of Vehicles) को नियंत्रित करने वाला एक महत्वपूर्ण कानून है। इसमें कई धाराएं शामिल हैं, जो वाहनों की सुरक्षा, लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन और यातायात नियमों से संबंधित हैं। एमभी एक्ट 1994/1 के मुताबिक वाहन का वजन छोड़कर 10 चक्का पर 18 टन, 12 चक्का पर 25 टन, 14 चक्का पर 30 टन, 18 चक्का पर 34 टन, 22 चक्का पर 55 टन किया जा सकता है। इससे अधिक परिवहन नियम के विरूद्ध माना जायेगा जिस पर जुर्माना कुछ इस प्रकार लगेंगे। जो तय किये गए भार से अधिक प्रति एक टन पर दो हजार रुपए तथा 20 हजार रुपए तय की गई जुर्माना लगेगा। प्रत्येक टन पर दो हजार रुपए जुर्माना रखा गया है।●

'बच्चे अपनी आंखों से प्यार करें' की थीम पर मनाया गया विश्व दृष्टि दिवस

● धर्मेन्द्र सिंह

अंधापन और दृष्टि बाधिता की ओर ध्यान आकर्षित करने के उद्धेश्य से प्रतिवर्ष अक्टूबर के दूसरे गुरुवार को विश्व दृष्टि दिवस मनाया जाता है। आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गए हैं। मोबाइल फोन, कंप्यूटर व टीवी आदि के बिना काम नहीं चलता, यानी ये हमारी लाइफ को सुविधाजनक बना रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर इनके कारण नेत्र रोग या आंखों की समस्या से पीड़ित लोगों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। अपूर्ण आंकड़ों के मुताबिक, विश्व भर में कम से कम 1 अरब लोग निकट या दूर दृष्टि दोष के शिकार हैं। इसके अलावा बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक काफी लोग चश्मे का इस्तेमाल करते हैं। वहीं लोगों को नेत्र रोगों और आंखों की देखभाल के प्रति जागरूक करने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिहीनता रोकथाम एजेंसी की पहल पर, वर्ष 2000 के बाद हर साल अक्टूबर महीने के दूसरे गुरुवार को विश्व दृष्टि दिवस मनाया जाने लगा है। इस वर्ष यह दिवस 10 अक्टूबर को जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में जागरूकता के लिए मनाया गया। सिविल सर्जन डा. राजेश कुमार ने बताया कि विश्व दृष्टि दिवस बचने योग्य अंधेपन और दृष्टि नुकसान के वैश्विक मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने के लिए व्यक्तियों, समुदायों को प्रोत्साहित करने वाले संगठनों को एक विशेष मंच प्रदान करता है। बच्चों की आंखें संवेदनशील होती हैं। बच्चों में दृष्टिदोष के कारण उनका महत्वपूर्ण जीवनकाल प्रभावित होता है। इसके साथ ही बच्चों की आंखों में दर्द, लालिमा या भेंगापन होना जैसी समस्या भी होती है। ऐसी किसी समस्या को नजरअंदाज करना सही नहीं है। सिविल सर्जन डा. राजेश कुमार ने बताया की बच्चों में आंखों की समस्या का पता तब चलता है जब विशेषकर वे पढ़ने लिखने लगते हैं। ऐसे में स्कूल में एडमिशन कराने के समय बच्चों की आंखों की जांच जरूर करानी चाहिए। छह माह या एक साल में बच्चों की आंखों की जांच अवश्य करायी जानी चाहिए। बच्चों से समय समय पर पूछते रहें कि क्या वह पढ़ने लिखने या चलने फिरने, नजदीक या दूर की वस्तुओं को देखने आदि किसी परेशानी का सामना तो नहीं कर रहे हैं। आंखों में दर्द या ऐसी किसी प्रकार की समस्या की जानकारी लेते रहें। नजर कमजोर होने पर बच्चे करीब से टेलीविजन, मोबाइल या कंप्यूटर देखना चाहते हैं। कक्षा में बोर्ड पर लिखवायी जाने वाले अक्षरों की पहचान नहीं कर पाते और अक्सर वे अपने कॉपी पर कुछ भी नहीं लिख पाते हैं। किताबों को बहुत अधिक करीब से देखना बच्चों की आंखों की काली पुतली में सफेद रंग दिखाना, किसी वस्तु को देखते समय अपना सिर या चेहरा मोड़ना, आंखें मलना या पलक बहुत अधिक झपकाना, आंखों में खुजली होना आदि होने पर चिकित्सक से जरूर परामर्श लें। गैर संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. उर्मिला कुमारी ने बताया कि आंखों के लिए विटामिन ए बेहद जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक विटामिन ए बच्चों की आंखों की रोशनी तथा उनके शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विटामिन ए प्राप्त करने के प्राकृतिक तरीकों को अपनाने के साथ स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जाने वाली विटामिन ए की खुराक भी दी जानी चाहिए। विटामिन ए की खुराक बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है। बच्चों के खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी एवं ताजी सब्जियां और पीली एवं नारंगी रंग के फल आदि शामिल करें। पालक और गाजर में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है। सिविल सर्जन ने बताया कि कंप्यूटर, टेलीविजन व मोबाइल का इस्तेमाल जरूरत से ज्यादा नहीं करना तथा प्रतिदिन छह से आठ गिलास पानी पीना चाहिए। पानी आंखों में नमी और ताजगी बनाये रखता है। रात को पूरी नींद लें। रोजाना की दिनचर्या निर्धारित करें। झुककर या लेटकर नहीं पढ़ें। हमेशा टेबल कुर्सी का इस्तेमाल करना चाहिए। पढ़ने के आधे घंटे के दौरान पांच मिनट के लिए ब्रेक लें। किताबों से एक फीट दूर रह कर पढ़ें।●

किशनगंज सांसद को जान से मारने की धमकी

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद मो. डा. जावेद आजाद को जान से मारने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 12 अक्टूबर को धमकी भरा पोस्ट किया गया है। इस मामले में अब सांसद के निजी सचिव ने दिल्ली स्थित पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में 15 अक्टूबर को इस संबंध में आवेदन दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (X) पर किए गए पोस्ट में लिखा गया है, 'मोहम्मद जावेद तू अल-कायदा का आतंकी है। तुम्हारे जैसे आतंकियों के लिए गिरिराज भईया ठीक बोलते हैं। इस देश में जितने भी दाढ़ी-टोपी और हिजाब वाला मदरसा छाप आतंकी है उनके लिए इस देश में कोई जगह नहीं है। एक-एक को ठिकाना लगाया जाएगा। काम शुरू है तुम्हारा भी नंबर आएगा।' पोस्ट के अंत में लिखा गया है, 'विश्व हिंदू परिषद'।●

जम्मू-कश्मीर में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

● धर्मेन्द्र सिंह

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल बुधवार को किशनगंज पहुंचे। यहां पर उन्होंने एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान जम्मू-कश्मीर और हरियाणा चुनाव में भाजपा की जीत को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। साथ ही कहा कि हमारी पार्टी को जम्मू-कश्मीर में पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। लेकिन, जितना भी वोट मिला वह ऐतिहासिक है। कभी

पार्टी को तीन या चार प्रतिशत वोट मिला करता था। इस बार भारतीय जनता पार्टी का वोट शेयर सभी पार्टियों से अधिक है। उससे यह साबित जरूर हो गया है कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 का हटाना जायज है। तभी तो वहां की जनता पीएम नरेंद्र मोदी के काम पर दिल खोल कर वोट दिया है। उन्होंने कहा कि अब जम्मू कश्मीर की जनता एक विधान, एक निशान और एक संविधान पर भरोसा करने लगी है। जम्मू-कश्मीर में भय मुक्त शांतिपूर्ण तरीके से निष्पक्ष मतदान को पूरी दुनिया ने देखा है। मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को तीसरी बार जीत मिली है। यह बतलाता है कि विपक्ष की फूट डालो नीति नहीं चल सकी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वहां की सरकार के विकास पर भरोसा किया है। वहां की जनता और किसानों ने विपक्षी पार्टियों को करारा जवाब दे दिया है। यह संदेश पूरे देश में जाएगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही सर्वमान्य नेता हैं।●

सेक्सटॉर्शन गैंग का हुआ भंडाफोड़

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले में यूवाओ को प्रेम जाल में फंसा कर आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उनसे लाखो रुपए की ठगी करने का सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के मुताबिक इलाके में सेक्स टोर्शन गैंग सक्रिय है जिसमे शामिल महिला सदस्य युवकों को अपने जाल में फंसाकर लाखो रुपए की उगाही किया करता है। मामले का खुलासा तब हुआ जब एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर बताया गया की जिले में सेक्सटोर्शन गैंग चल रहा है और कई नामी गिरामी लोगो को जाल में फंसाकर लाखो की वसूली की गई है। वीडियो वायरल होने के बाद जब मामले की पड़ताल की गई तो चौकाने वाला खुलासा हुआ है। बताया जाता है की गैंग में शामिल दो महिला सदस्यो के द्वारा भोले भाले लोगो को प्रेम जाल में फंसाकर कमरे में ले जाया जाता है। जहां कुछ देर बाद गैंग में शामिल पुरुष सदस्य पहुंचते है और उनके द्वारा युवक से मारपीट की जाती है फिर उनका वीडियो बना लिया जाता है। आपत्तिजनक वीडियो बनाने के बाद वीडियो को वायरल करने की धमकी दी जाती है और युवकों से तीन से चार लाख रुपए तक की वसूली गैंग के द्वारा की जाती है। एक पीड़ित युवक के द्वारा जेबा, नाजमीन, असगर, नकी, मो. फरहान के खिलाफ सदर थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज करवाया गया है। पीड़ित युवक ने अपने लिखित आवेदन में बताया है कि वो हज और उमराह के लिए नमाजियों को मक्का मदीना भेजने का काम करता है और बीते दिनों उसके मोबाइल पर कॉल करके गैंग के सदस्यो ने उसे सदर थानाक्षेत्र के सिंघिया में बुलाया गया जहां एक घर में ले जाया गया। उस घर में एक लड़की पहले से नग्न अवस्था में थी, लड़की के साथ उसका वीडियो बनाया गया और फिर मारपीट करके वीडियो वायरल करने के नाम पर 2 लाख 85 हजार रुपए लिया गया। गौर करे कि नकी कोचधामन प्रखंड के मोधो पंचायत के मुखिया कारी मशकूर का भाई है। जबकि फरहान पंचायत समिति सदस्य बताया जाता है। सूत्रों की माने तो इस गैंग के द्वारा अभी तक सैकड़ो लोगो को निशाना बनाया जा चुका है। गैंग में कई रसूख दारो के नाम भी सामने आए है हालाकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस तरह का मामला उजागर होने के बाद लोगो मे हड़कंप मच गया हैं। जिला पुलिस कप्तान सागर कुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा की एक पीड़ित के द्वारा थाना में आवेदन दिया गया है जिसके बाद सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को जांच का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा की मामले में जो भी दोषी होंगे उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा की इस तरह के आपत्ति जनक वीडियो को वायरल करना कानूनी अपराध है इसे सोशल मीडिया पर शेयर नही करे।●

स्मार्ट मीटर के खिलाफ राजद का हल्ला बोल

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले में प्रीपेड स्मार्ट मीटर एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। 02 अक्टूबर से इसको लेकर राष्ट्रीय जनता दल जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में धरना प्रदर्शन आयोजित कर आंदोलन शुरू कर दिया है। इसी क्रम में किशनगंज प्रखंड कार्यालय परिसर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में 02 अक्टूबर को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष दानिश इकबाल ने की। उन्होंने कहा कि जिले में जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने और स्मार्ट मीटर के नाम पर गरीबों और आम जनों से हो रही लूट के खिलाफ सभी प्रखंड मुख्यालयों पर धरना दिया गया। जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम जनों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि आखिर मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में क्यों नहीं स्मार्ट मीटर लगाया गया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह से गरीबों का खून चूसने के लिए लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को इसका विरोध करना जरूरी हो गया है। धरना के बाद अंचलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा गया।●

मैं हिंदुओं को जगाने आया हूं और जगाकर ही जाऊंगा: गिरिराज सिंह

● धर्मेन्द्र सिंह

भाजपा के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह हिंदू स्वाभिमान यात्रा के तहत कई जिलों का दौरा कर चुके हैं और अब उनकी यह यात्रा समापन की ओर है। भागलपुर से शुरू हुई यह यात्रा का पूर्णिया, अररिया होते हुए अंतिम पड़ाव किशनगंज पहुंची है। गिरिराज सिंह का यहां गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वहीं गिरिराज सिंह ने किशनगंज पहुंचकर कई विस्फोटक बयान दिए हैं। उन्होंने शहर के गांधी चौक में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि किशनगंज बिहार और भारत का अंग है। क्या इसे बांग्लादेश बनाना चाहते हो। लेकिन अब ये चलने वाला नहीं है, हिंदुओं को क्या समझ रखा है। मैं हिंदुओं को जगाने आया हूं, और जगाकर ही जाऊंगा। मैंने ये यात्रा सोच समझकर निकाली है। उन्होने कहा कि हमारा धन और धरती खतरे में है। सोची समझी रणनीति के तहत लव जिहाद और अब शिक्षा जिहाद भी चल रहा है। हमें डराने की कोशिश करते हैं। कभी किसी हिंदू ने एक ताजिया पर पत्थर नहीं फेंका। हम पांच जिलों में घूम कर आए है, किसी जिले में दंगा फसाद हुआ। गिरिराज ने कहा कि जब हम धर्म की रक्षा करेंगे, तभी धर्म हमारी रक्षा करता है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि ये अंग्रेजों का शासन नहीं है। हिंदुओं को चुप रहना आता है। भारत एक सेक्युलर देश है, जिसे हम निभा रहे है। इसलिए हमें कमजोर मत समझो, हमें गिनती मत सिखाओ। संगठित रहोगे, तभी सुरक्षित रहोगे, सभी लोग अपने घरों में पूजा जरूर करें। इस दौरान सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें गिरिराज सिंह, आचार्य दीपांकर जी महाराज समेत सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। जय श्रीराम के जयकारे से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। गौर करे कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीमांचल शब्द पर ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि यह सीमांचल नहीं मिथिलांचल है। अपनी यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि यह हिन्दू स्वाभिमान यात्रा है। इसमें हिन्दुओं को संगठित रखना और एक रखना उनका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि दंगा करने वालों को रोकने के लिए मैं यहां आया हूं। इससे पहले किशनगंज की सीमा में जब गिरिराज सिंह प्रवेश किए तो समर्थकों का जोश देखकर बोले कि हम सभी कमजोर कौम से आते हैं। अब हम अपने धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए चुप नहीं बैठ सकते। जिसके बाद नारेबाजी शुरू हो गयी।●

केंद्रीय मंत्री ने कालू चौक काली मंदिर में की पूजा अर्चना

किशनगंज हिंदू स्वाभिमान यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने किशनगंज शहर के खगड़ा कालू चौक स्थित काली मंदिर में पूजा अर्चना की।केंद्रीय मंत्री सर्किट हाउस से निकलकर सबसे पहले खगड़ा में कालू चौक स्थित काली मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर को भी देखा। केंद्रीय मंत्री ने मंदिर में विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। इसके बाद वे सर्किट हाउस की ओर रवाना हो गए।कुछ देर बाद वे भूतनाथ गौशाला के लिए रवाना हुए। इस दौरान उनके काफिले के आगे कई लोग जय श्रीराम का नारा लगाते हुए आगे निकल रहे थे। केंद्रीय मंत्री के आगमन पर कई लोग उत्साहित थे। वहीं सर्किट हाउस व कार्यक्रम स्थल भूतनाथ गौशाला शिव मंदिर परिसर में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चौक चौराहों में भी पुलिस की प्रतिनियुक्ति की गई है। एसडीएम लतीफुर रहमान अंसारी, एसडीपीओ गौतम कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी अदिति सिन्हा, सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार सर्किट हाउस से लेकर भूतनाथ गौशाला शिव मंदिर परिसर, केलटेक्स चौक, धर्मगंज चौक, गांधी चौक आदि स्टेनर व्यवस्था का जायजा ले रहे थे।भूतनाथ गौशाला में बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। आधे दर्जन से ज्यादा थानाध्यक्ष को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया था। दो दर्जन से ज्यादा महिला पुलिस की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी।

प्रॉपर्टी डीलर अपहरण कांड में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

● डी. एन. शुक्ला

पश्चिम चम्पारण के मुफसिल थाना क्षेत्र के चरगाहा गांव से यूवक को बरामद करने साथ ही अपहरणकांड में शामिल दो अपराधियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अपराधियों के पास से पुलिस ने चार मोबाईल फोन एक कट्टा और 3 जिंदा कारतूस बरामद किया है। धराए अपराधियों में मुफसिल थाना क्षेत्र के चरगाहा गांव निवासी पप्पु पटेल और लौरिया के प्रिंस कुमार शामिल है। अपहृत युवक की पहचान शिकारपुर थाना क्षेत्र के सतवरिया गांव निवासी आदित्य मेहता के रूप में की गई है। घटना 13 अक्टूबर की है। मामले में अपहृत यूवक की मां गायत्री देवी ने शिकारपुर थाना में एफआईआर दर्ज कराई है।मामले में नरकटियागंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जय प्रकाश सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया कि अपराधियों द्वारा फिरौती के नियत से यूवक का अपहरण किया गया था। अपहरण करने के बाद अपराधियों ने अपहृत यूवक के फोन से उसके परिजनों को फोन कर 10 लाख रुपये फिरौती की मांग की थी। फिरौती की रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दिए थे। उन्होंने ने बताया कि एक पुलिस टीम का गठन किया गया। इसमें तकनीकी अनुसंधान,एफ एस एल टीम के साथ छापेमारी की गई,छापेमारी के दौरान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चारगाहा गांव से युवक को बरामद कर लिया गया है। अपराधियों ने यूवक की बेरहमी से पीटा है यूवक को इलाज के लिए भेजा गया है। घटना में 8 अपराधी शामिल है दो को गिरफ्तार किया गया है,अन्य अपराधियों की पहचान कर ली गई है उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार पप्पू पटेल का अन्य थानों में भी अपराधिक मामला दर्ज है।वही बेतिया एसपी डॉ. शौर्य सुमन ने बताया कि आदित्य मेहता की मां सतवरिया गांव निवासी गायत्री देवी ने शिकारपुर थाना में रविवार को एफआईआर दर्ज कराई. उन्होंने बताया कि उसके पुत्र का अपहरण कर लिया गया है.अपहरण करने के बाद अपराधी फोन कर 10 लाख रुपए की मांग कर रहे है।

☞ **पुरानी बाजार से कार में बिठा कर आदित्य मेहता को ले गए थे अपराधी :-** प्रोपर्टी डीलर आदित्य का अपहरण उस वक्त कर लिया गया जब वो अपनी पत्नी का इलाज कराने नरकटियरगंज के पुरानी बाजार अवस्थित एक क्लीनिक में पहुंचा था. आदित्य के परिजनों ने बताया कि रात में एक नेक्शन कार में सवार 4 लोग आएं और आदित्य को अस्पताल में से बुलाकर कार में बैठाकर लेकर चलते बने. शनिवार की रात में ही लगभग 12 बजे के बाद अपराधियों ने फोन कर 10 लाख की रंगदारी मांगी. रंगदारी की रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी. इस तरह शनिवार रात से लेकर रविवार सुबह तक लगभग 12 फोन कॉल अपराधियों ने कर धमकाया. रविवार की सुबह अपहृत की मां ने शिकारपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत दर्ज होते ही पुलिस सक्रिय हुई और आदित्य बरामद कर लिया गया.

☞ **आदित्य की मां गायत्री देवी ने शिकारपुर पुलिस को दिया धन्यवाद :-** आदित्य का अपहरण कर रुपये मांगने का सिलसिला अपराध कर्मियों द्वारा लगातार जारी रहा. रविवार को गायत्री देवी से फोन कर लगातार रूपये मांगा जाता रहा और आने को बोला जाता रहा. पुलिस अपहृत युवक की मां के साथ टेंपो में सादे लिबास में बैठ गई और सभी रंगदार को फिरौती की रकम देने चले गए. गायत्री देवी को पहले लौरिया बुलाया. वहां से पटजिरवा माई स्थान बुलाया और वहां से लोकेशन बदल कर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चारगांहा गांव बुलाया गया. वहां पहुंचने पर आदित्य के साथ दो अपराधी कार में थें. पुलिस ने पहुंचकर सभी को दबोच लिया. घरवालों ने यह भी बताया कि आदित्य की बुरी तरह से पिटाई की गई है. पुलिस अभिरक्षा में उसका इलाज बेतिया गर्वमेंट मेडिकल अस्पताल में जारी है. घरवालों एवं आदित्य की मां ने सकुशल बरामदगी पर पुलिस को धन्यवाद दिया है. गायत्री देवी ने बताया कि अगर पुलिस सक्रिय नहीं होती तो आज मेरा बेटा जिन्दा नहीं होता।●

ढ़ाई करोड़ की लागत से बनेगा रमना मैदान में स्वास्थ्य संवर्द्धन : गरिमा

● डी. एन. शुक्ला

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के ऐतिहासिक बड़ा रमना मैदान में ढाई करोड़ की लागत से एक स्वास्थ्य संवर्द्धन पार्क का निर्माण होगा। नगर विकास एवं आवास विभाग से जारी कार्यादेश के आलोक में 'ग्रीन डिजाइन एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज' नामक अनुभवी आउट सोर्सिंग एजेंसी ने योजना के डीपीआर सौंप दिया है। उक्त एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर मोहम्मद शराफत हुसैन के हवाले से महापौर गरिमा सिकारिया ने योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बड़ा रमना मैदान में निर्मित ऑडोटोरियम के दक्षिण और रमना मैदान के पश्चिमी छोर पर बनने को स्वीकृत इस विशेष पार्क का विस्तार एक लाख वर्ग फीट से ज्यादा में प्रस्तावित है। इस पार्क के अंदर सुव्यवस्थित 'योगा कुटीर' के अलावा स्ट्रीट लाइट के साथ वॉकिंग ट्रैक, रंगीन फव्वारा के साथ साथ उच्च शक्ति के वेपर हाईमास्त लाइट पोस्ट भी बनाए जाएंगे। महापौर गरिमा सिकारिया ने यह भी बताया कि एक लाख वर्गफीट से

ज्यादा में फैले इस पार्क के बन कर तैयार हो जाने के बाद से नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र की लाखों की आबादी के लिए आवश्यक स्वास्थ्य संवर्द्धन पार्क के समीपवर्ती गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज के रोगियों और उनके सहयोगियों को भी मॉर्निंग, इवनिंग वॉक की सुव्यवस्थित सुविधा के साथ स्वास्थ्य लाभ पाने के लिए दर्जनों पेड़ पौधों के बीच रंगीन फव्वारा के साथ स्वास्थ्य संवर्द्धन में सहायक शुद्ध वातावरण मिलेगा। इसके साथ ही महापौर ने बताया विभागीय आदेश के आलोक में इस पार्क में आने वाले लोगों से मामूली शुल्क लेकर उसी राशि से इस स्वास्थ्य संवर्द्धन पार्क के रख रखाव, साफ सफाई और सुरक्षा प्रबंध किए जाएंगे। इसके लिए भी गार्ड रूम, टिकट घर के साथ चहारदिवारी का निर्माण किया जाना डीपीआर में संधारित है। इसके अलावा चारों तरफ पेड़-पौधे, महिला पुरुष टॉयलेट, बच्चों को खेलने के लिए झूले, बैठने के लिए बेंच, डस्टबिन, ड्रिंकिंग वॉटर पॉइंट, समरसेबल इत्यादि लगाए जा रहे हैँ। महापौर ने बताया कि डीपीआर के आधार पर इसके निर्माण की निविदा प्रक्रिया सरकार द्वारा जल्द ही शुरू की जाएगी। ●

ऐतिहासिक कालीबाग के मंदिरों का होगा जीर्णोद्धार : गरिमा

● डी. एन. शुक्ला

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में अवस्थित आध्यात्मिक और पर्यटनिक महत्व वाले लाखों के आस्था के केंद्र ऐतिहासिक कालीबाग मंदिर परिसर के छोटे बड़े सभी मंदिरों का अब जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराने की अनुमति राजस्व पर्षद से मिल गयी है। इसको लेकर बीते पांच साल से भी अधिक से लगातार जारी महापौर के भागीरथ प्रयासों के बदौलत यह सफलता मिली है। श्रीमती सिकारिया ने बताया कि उनके वर्षो के अथक प्रयास का उल्लेख राजस्व पर्षद, बिहार के संबंधित पत्र में भी है। पर्षद के अध्यक्ष मान्यवर केके पाठक जी के निर्देश पर पर्षद के उप सचिव संजीव कुमार ने जिलाधिकारी महोदय को एक विशेष पत्र भेजा है। जिसमें नगर निगम महापौर के कुल पांच अनुरोध पत्रों का उल्लेख भी किया गया है। पत्र में के के पाठक के निर्देशानुसार महापौर द्वारा प्रस्तावित जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य की अनुमति के साथ तीन शर्तों का उल्लेख भी किया है। जिसमें कहा गया है कि -सभी कार्य जिलाधिकारी पश्चिम चंपारण के मार्गदर्शन और निरीक्षण में कराया जाएगा। जीर्णोद्धार/सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया में मंदिर के

ऐतिहासिक संरचना के मूल स्वरूप को संरक्षित रखते हुए किया जाएगा। अर्थात मंदिर में प्रयुक्त किसी पार्ट एवं द्रव्य को निकाला नहीं जाएगा। मंदिर की भूमि और परिसंपत्तियों पर बेतिया राज का मालिकाना हक पूर्ववत बरकरार रहेगा। महापौर सिकारिया ने बताया कि उनके प्रयास और नगर निगम बोर्ड की स्वीकृति के आधार पर अतिक्रमण का शिकार हो रहे ऐतिहासिक कालीबाग मंदिर के संपूर्ण परिसर की चहारदिवारी करीब 1 करोड़ की लागत से योजना पहले ही पूरी की जा चुकी है। अब पौराणिक मान्यता के आध्यात्मिक महत्व के आधार पर प्राचीन काल में निर्मित कालीबाग परिसर से सभी धरोहर मंदिरों के जर्जर और बरसात भर टपकती प्राय: सभी छतों के कारण इनको ध्वस्त होने से बचाया जा सकेगा। महापौर ने बताया कि बेतिया नगर निगम क्षेत्र की प्रबुद्ध जनता जनार्दन विशेष कर सैकड़ों महिलाओं की श्रद्धापूर्ण मांग के आधार पर उन्होंने भी बेतिया-राज कालीन ष्कालीबाग मंदिरष् के बुनियादी स्वरूप को सुरक्षित, संरक्षित रखने के साथ बेतिया राज प्रबंधन के मालिकाना हक बरकरार रहने की शर्त के साथ मंदिर परिसर के संपूर्ण भवनों एवं मैदान का जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण के साथ मूलभूत सुविधाओं का विस्तार नगर निगम, बेतिया की निधि से कराने की अनुमति मांगी थी। गरिमा सिकारिया ने यह भी बताया कि यह मंदिर दशकों से लाखों श्रद्धालु जन के लिए लोक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र व प्रतीक रहा है। इसके साथ ही पुरातात्विक, दुर्लभ वास्तुकला और पर्यटनिक महत्व वाले इस धरोहर को सुव्यवस्थित रूप में संरक्षित कर देने से अपने नगर निगम क्षेत्र के साथ सम्पूर्ण पश्चिम चंपारण जिला का भी महत्व बरकरार रह सकेगा। ●

जाम की समस्या को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी की बैठक

● डी. एन. शुक्ला

बगहा के अनुमंडल पदाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में 18/10/2024 को 2:00 बजे अपराह्न से गन्ना मिल प्रारंभ होने के पूर्व जाम की समस्या को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बगहा, रामनगर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी यातायात स्टेशन प्रबंधक बगहा, बाल्मीकि नगर थाना अध्यक्ष पटखौली, बगहा, चीनी मिल प्रबंधक नारईपुर, चीनी मिल प्रबंधक हरी नगर अंचल अधिकारी बगहा। बगहा 2, रामनगर, अवर प्रमंडल पदाधिकारी तिरहुत नहर बगहा,कनीय अभियंता एन एच बगहा भाग लिए। जिसमें गन्ना के ओवरलोडिंग की समस्या, जाम की समस्या,मिल प्रारंभ होने के पश्चात धूल की समस्या आदि विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा किया गया। मिल प्रबंधन नारईपुर को निर्देश दिया गया की मिल प्रारंभ होने पर दिन में पांच बार पानी का छिड़काव बगहा सेमरा रोड मुख्य सड़क पर मिल प्रारंभ होने से महिला थाना के आगे 500 मी तक प्रतिदिन करेंगे। गन्ना लदे वाहनों पर ओवरलोडिंग की समस्या नहीं किया जाना है एक ट्रैक्टर के साथ दो ट्रॉली जोड़कर मिल में नहीं लाना है। सड़क के किनारे लोगों को ठेला, फल दुकान नहीं लगाना है सड़क को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए नगर पालिका के पदाधिकारी पुलिस पदाधिकारी के साथ निरंतर सड़क को अतिक्रमण मुक्त रखना सुनिश्चित करेंगे।आर ओ बी के दोनों तरफ एन एच के कनीय अभियंता को रोड मरम्मत कर देने का नीड्स दिया गया।●

टी.बी. मरीजों को बांटा गया पोषण पोटली

● डी. एन. शुक्ला

बगहा अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ अशोक कुमार तिवारी के द्वारा 20ध अक्टूबर 2024 को 12 टी बी के मरीजों को अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी -सह-जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ रमेश चन्द्र की उपस्थिति में पोषण पोटली बांटा गया और इसी प्रकार आगामी पांच माह तक बांटा जायेगा। इन पोषण पोटली में उच्च प्रोटीनयुक्त खाद्यान्न दिये जाते हैं। हम आपको बता दे की केंद्र सरकार की निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों को छह महीने तक पौष्टिक आहार दिया जाता है. इस योजना के तहत, मरीजों को भुना चना, सत्तू, सोयाबीन, गुड़, मूंगफली, बिस्किट जैसे खाद्य पदार्थ दिए जाते हैं. जिन्हें खाने पर टी बी के रोगियों की बीमारी के जीवाणु से लड़ने की शक्ति बढ़ती है और वे साथ में दवाएं लेने के बाद जल्द नीरोग हो जाते हैं। इस प्रकार डा तिवारी निक्षय मित्र बने हैं। कोई भी सक्षम सरकारी या गैरसरकारी व्यक्ति निक्षय मित्र बनकर छह महीने तक कम से कम 600 रु का पोषण पोटली बांट सकता है। प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 2025 तक टी बी के उन्मूलन की दिशा में 'निक्षय मित्र योजना' बिहार के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा अति प्रोत्साहित योजना है। डॉ अशोक कुमार तिवारी ने एक सराहनीय पहल करते हुए 10 टीबी मरीजों को गोद लिया है। उन्होंने अगले छह महीनों तक इन मरीजों को पौष्टिक आहार की पोटली उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। ताकि उनके सेहत में तेजी से सुधार हो सके। इस सामाजिक प्रयास के लिए उन्हें निक्षय मित्र की उपाधि दी गई है। डॉ तिवारी ने मरीजों की मदद के लिए भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीकरण भी कराया है।●

पुराने बांध के पुनरुत्थान के लिए जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

● डी. एन. शुक्ला

पश्चिम चम्पारण के मझौलिया अन्तर्गत ग्राम सेमरा घाट से बथना, गढवा, भोगाड़ी, बढैया टोला, बकुलिया टोला, महनवा होते हुए डुमरी तक प्रस्तावित नए बाँध पर जनहित एवं न्यायहित में रोक लगाते हुए पुराने जमीनदारी बाँध को ही उचीकरण, चौड़ीकरण एवं पक्कीकरण कराने एवं आवश्यकतानुसार जगह-जगह ठोकर निर्माण कराया जाए। उक्त बातें मो ज्याउद्दीन, सचिव, निर्वाह विकास संघर्ष समिति ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देने के बाद पत्रकार मुलाकात के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि हम सभी क्षेत्रवासियों के आग्रह पर पूर्व विधायक चनपटिया चन्द्रमोहन राय ने अपने पत्रांक 210 दिनांक 10.02.2011 द्वारा इसी जमीनदारी बांध का चौड़ीकरण उच्चीकरण एवं पक्कीकरण तथा आवश्यकतानुसार जगह जगह ठोकर निर्माण का अनुशंसा जल संसाधन विभाग से किया गया था। किन्तु वर्तमान में यह सूचना प्राप्त हो रहा है कि सेमरा से डुमरी तक उपरोक्त वर्णित सभी गाँवों के दक्षिण दिशा में एक नया बाँध निर्माण प्रस्तावित है। जिसका काम बरसात बाद शुरू होने वाला है। विदित हो कि सेमरा से डुमरी तक उपरोक्त वर्णित सभी गाँवों के दक्षिण दिशा में नया बाँध निर्माण होने से सभी गाँव नदी के चपेट में आ जाएगा और बरसात में सभी गाँव पानी में डुब जाएगा। जिससे जनमानस का काफी नुकसान होगा और क्षेत्र वासीयों का जान माल बरसात के दिनों में हमेशा खतरे में रहेगा तथा यह बाँध क्षेत्रवासीयों के लिए श्राप सिद्ध होगा। नया प्रस्तावित बाँध निर्माण होने से कोई व्यक्ति विशेष ही नहीं बल्कि सभी गाँव ही पानी में बह जाएगा। इस प्रस्तावित नया बाँध निर्माण पर तत्काल रोक लगाना, जनहित में आवश्यक है। ताकि क्षेत्रवासी बाढ़ में नदी के पानी के साथ घर सहित बहने से बच सके। आगे उन्होंने कि उपरोक्त वर्णित तथ्यों एवं परिस्थितियों के आलोक में नए प्रस्तावित बाँध निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की कृपा किया जाए।●

पीएचईडी विभाग द्वारा किया गया योजनाओं का निरीक्षण

● डी. एन. शुक्ला

लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बेतिया अन्तर्गत 'जीरो ऑफिस डे' के तहत सभी अभियंताओं द्वारा 48 योजनाओं का निरीक्षण किया गया है। जिसमें विभिन्न प्रखण्डों के विभिन्न पंचायतों में 03 कनीय अभियंता द्वारा 27 योजना, 02 सहायक अभियंता द्वारा 15 योजना एवं 01 कार्यपालक अभियंता द्वारा 06 योजना का जाँच किया गया।कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी, दीपक कुमार ने बताया कि जाँच के क्रम में मात्र एक योजना बन्द पाया गया। ग्राम पंचायत राज, बरदाहा के मुखिया द्वारा नाली निर्माण के क्रम में कई जगह पर पाईप लाईन क्षतिग्रस्त कर दिया गया है, जिसके कारण जलापूर्ति बाधित है। उन्होंने बताया कि बाधित जलापूर्ति को अविलंब चालू करा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार द्वारा दिनांक-04.08.2024 से जीरो ऑफिस डे लागू किया गया है, जिसके तहत विभागीय निदेश के आलोक में अमूमन प्रत्येक शनिवार को पत्र के माध्यम से विभागीय पदाधिकारी को सूचित किया जाता है। जिसमें निरीक्षण के दौरान प्राप्त त्रुटियों का निराकरण हेतु एक सप्ताह के अन्दर एक्शन टेकेन रिपोर्ट (एटीआर) विभागीय एमआईएस पोर्टल पर अपलोड करना होता है। उन्होंने बताया कि पीएचईडी विभाग द्वारा जिले में कार्यान्वित योजनाओं का सतत अनुश्रवण एवं निरीक्षण किया जा रहा है ताकि लाभुकों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।●

दारोगा का घूस मांगते ऑडियो वायरल

क्या थानाध्यक्ष के जानकारी में हो रहीं थीं पैसा लेकर केस मैनेज की बात?

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिला में गीधा थाने का एक दारोगा का ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें केस को रफा-दफा करने के लिए थाने का एक एएसआई युवक से पैसे की मांग फोन पर कर रहा है। इस वायरल ऑडियो में साफ तौर से सुना जा सकता है कि कैसे केस को मैनेज करने के लिए पैसे की डिमांड की गयी। जिसमें दारोगा यह स्वीकारते हुए युवक से कह रहा है कि तुमने मुझे बहुत जींस पहनाया है। तुम्हारे लिए हम इतना बड़ा रिस्क लिए है। तुम हमको फंसाएगा नहीं ना। तो वहीं फोन पर बात करने वाले युवक ने कहा कि मैं वैसा व्यक्ति नहीं हूं सर जो आपको फंसा दूंगा। हालांकि इस वायरल ऑडियो की पुष्टि भारत लाइव नहीं करता है। इस मामले में पैसे के लेन-देन के बीच दारोगा ने अपने दूसरे साथी का भी नाम लिया है। वायरल ऑडियो में थानाध्यक्ष उमूस सलमा का भी आवाज सुनाई दे रहा है। दारोगा और युवक आफताब के बीच बातचीत का 3 ऑडियो क्लिप सामने आया है। पहले क्लिप में दारोगा उमाशंकर सहनी कहता है कि क्या आफताब आ गये.. युवक कहता है कि आ रहे हैं सर अभी बहन के यहां पैसे के उपाय करने आए है.. फिर दारोगा कहता है- इधरे आ जाइएगा प्रेम जी डेरा के तरफ, तब युवक ने कहा कि मैडम से पैसा कम करवाइये. .जिसके बाद दारोगा कहता है सब बात फोने पर बतियाइएगा.

अब सवाल उठता है की यह युवक किस मैडम से पैसा कम करवाने की बात कह रहा है। क्या थानाध्यक्ष की मिलीभगत से पैसा लेकर केस मैनेज करने की बात चल रही थी। वहीं सोशल मीडिया पर दारोगा का ऑडियो वायरल होने के बाद जब पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी रंजीत कुमार

से बात की गई तो उन्होंने बताया की मामला संज्ञान में आया है। जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आने से पहले इस संबंध में कुछ भी बोलना मुनासिब नहीं होगा। वही दुशरी तरफ भोजपुर जिला में गीधा थाने का दारोगा का एक दूसरा ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें केस को रफा-दफा करने के लिए थाने का एक एएसआई युवक से पैसे की मांग फोन पर कर रहा है। इस वायरल ऑडियो में साफ तौर से सुना जा सकता है कि कैसे केस को मैनेज करने के लिए पैसे की डिमांड की गयी।

आपको बता दे की एक दिन पहले इसी थाने के दूसरे पदाधिकारी का ऑडियो क्लिप वायरल हुआ था। और अब एक दूसरे पदाधिकारी का दूसरा ऑडियो क्लिप वायरल हो रहा है। जिस आडियो क्लिप में एक व्यक्ति गीधा थाना के एक एसएसआइ से केस मैनेज करने को बातचीत कर रहा है।

ऑडियो की बातें :-

हमारा दिल जीत लिया।

आफताब- 10 गो स्पारकी का जिंस भेजवा दे का सर..

उमाशंकर सहनी-इसीलिए हम ज्यादा व्यक्तिगत लगाव नहीं रखते हैं यार..

आफताब- एक चीज आप लोग से सीख मिल गया कि मेरा एक पैर थाना में रहता है और एक पैर घर में रहता है। हर मैडम का काम करते थे। हम गुनाह नहीं किये है।

उमाशंकर सहनी- आज वही देन है कि आज तू पार हो रहा है। थाना पर आएंगे तो फांसी पर भी चढा देंगे तब कहेंगी कि हम गुनाह नहीं किये है। तु आयो समझाते है..नाम दे दिया तो क्या करोंगे तुमको कुछ होने नहीं ना दिये। आयो जल्द हम डेरा पर जा रहे हैं।

गीधा थाना से संबंधित वायरल ऑडियो की जॉच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-02 सदर से करायी गयी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-02 सदर के जॉच प्रतिवेदन के आलोक में गिधा थाना के स०अ०नि० उमाशंकर सहनी एवं स०अ०नि० सुबोध पासवान गीधा थाना को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उक्त दोनों पुलिस पदाधिकारियों का मुख्यालय पुलिस केन्द्र, आरा किया गया है। ●

आरा-बक्सर हाइवे पर मौत के बाद बवाल

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के भोजपुर जिले में आरा-बक्सर नेशनल हाइवे 922 पर बिहिया थाना क्षेत्र के अमराई नवादा गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्यलोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. यह सड़क हादसा मंगलवार की शाम हुआ है जब एक मिनी बस ने बाइक को टक्कर मार दी, इस हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने बस में आग लगा दी है, साथ ही हाइवे पूरी तरह जाम कर दिया है, जिससे इलाके में तनाव का माहौल है ,घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंच चुकी है, हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ नेशनल हाइवे 922 को पूरी तरह से जाम कर दिया है, जिससे हाइवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है, जाम के कारण यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है और यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा,घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर कई थानों की पुलिस और दमकल की 5 गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाया, पुलिस प्रशासन जाम को हटाने और स्थिति को

नियंत्रित करने के प्रयास के बाद हटाया, स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई थी।●

गुम हुए मोबाइल बरामद कर पुलिस ने लोगों की लौटाइ मुस्कान

● गुड्डू कुमार सिंह

ऑपरेशन मुस्कान' के तहत बिहार पुलिस राज्यभर में चोरी या गुम हुए मोबाइल को लगातार बरामद कर लोगों की मुस्कान लौटा रही है। इसी कड़ी में भोजपुर के विभिन्न थाना क्षेत्र में भी मोबाईल खोने/चोरी होने/गिरने की घटनाओं से संबंधित दर्ज सनहा के बाद दर्जनों लोगों को उनका मोबाइल वापस किया गया। पुलिस अधीक्षक भोजपुर के नेतृत्व में चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्र में मोबाईल खोने/चोरी होने/गिरने की घटनाओं से संबंधित दर्ज सनहा के आलोक में DIU के साथ एक स्पेशल टीम का गठन करते हुए उसका वैज्ञानिक अनुसंधान कर मोबाईल की बरामदगी एवं अपराधियों की गिरफ्तारी कर हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस संदर्भ में ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत विभिन्न थाना क्षेत्रों में गुम हुए कुल-75 मोबाईल जिसकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपए से ज्यादा है। पुलिस अधीक्षक, भोजपुर के द्वारा उसके वास्तविक धारकों को मोबाईल देकर उनके चेहरे की मुस्कान लौटाने का प्रयास किया गया है। साथ ही पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाईल चोरी करने वाले / चोरी का मोबाईल रखने वाले अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। दिनांक-06.10.2024 को कुल 75 मोबाईल जिसकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये से ज्यादा का मोबाईल बरामद कर उनके वास्तविक धारक को वापस किया गया है।●

थानावार मोबाइल की बरामदगी

थाना का नाम	–	बरामद मोबाइल	बड़हरा	–	06
पीरो	–	02	कृष्णागढ़	–	01
सिकरहट्टा	–	01	सिन्हा	–	01
तरारी	–	03	ख्वासपुर	–	02
अगिआँव बाजार	–	03	बहोरनपुर	–	04
चरपोखरी	–	04	शाहपुर	–	05
संदेश	–	06	करनामेपुर	–	02
चौरी	–	02	आरा नगर	–	07
उदवंतनगर	–	02	आरा नवादा	–	10
गजराजगंज	–	05	मुफस्सिल	–	01
कोईलवर	–	07	गीथा	–	01
			कुल	–	75

बाढ़ से आफत, घर छोड़ने को मजबूर लोग

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार में गंगा अपने रौद्र रूप में है. गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है, गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण दर्जनों गांवों के लोगों ने पलायन शुरू कर दिया है,भोजपुर जिले की बात करे तो गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। जिसको देखते हुए जिलाधिकारी तनया सुल्तानिया के द्वारा बाढ़ में फसे लोगों को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ की दो टीम को बड़हरा में और एसडीआरएफ की एक टीम एवं एनडीआरएफ की एक टीम को शाहपुर में प्रतिनियुक किया गया है ,आपको बताते चले की जिले में एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लोगो को रेस्क्यू करने में अहम भूमिका निभा रही है, एसडीआरएफ टीम के पास कार्यरत बल की कुल संख्या 27 है, वर्तमान में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए एक एनडीआरफ की टीम भी भेजी गई है, जिसमे कुल 30 लोग कार्यरत हैं। एसडीआरएफ के पास 7 मोटर बोट है जिसके माध्यम से रेस्क्यू किया जा रहा है,बता दें की एसडीआरएफ का मुख्य कार्य आपदा की

स्थिति में सूचना प्राप्त होते ही उस जगह से सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन करना होता है। इस कार्य में लगे एसडीआरएफ की टीम के द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया जा रहा है, प्राथमिकता के आधार पर गर्भवती महिलाएं, छोटे शिशु, दिव्यांग, वृद्धजन को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया जा रहा है। साथ ही एसडीआरएफ के द्वारा मेडिकल टीम को ले जाकर बाढ़ ग्रस्त सुदूर इलाके में बाढ़ पीड़ितों का ईलाज किया जा रहा है। एसडीआरएफ के द्वारा अब तक कुल 7 गर्भवती महिलाओं को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।●

अवैध संबंध में उप मुखिया को मारी गई थी गोली

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर में 15 सितंबर को उप मुखिया दीपक कुमार साह को गोली मारी गई थी। भोजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सहार थाना क्षेत्र के बागीपुल से 3 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों के पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान पप्पू कुमार पिता वेद प्रकाश यादव,सतीश कुमार पिता अनिल कुमार ठाकुर नारायणपुर थाना सोनू कुमार पिता बिंदेश्वरी यादव के रूप में हुई है ये सभी भोजपुर के ही रहने वाले हैं। इस मामले में पुलिस का कहना है कि दीपक की हत्या की साजिश सऊदी अरब से रची गई थी। मामले का खुलासा करते हुए भोजपुर एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी मुन्ना यादव की पत्नी का दीपक से अवैध संबंध था, जिसकी भनक मुन्ना को लग गई थी। मुन्ना यादव के लाख समझाने के बाद भी दीपक अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। सऊदी अरब में रहकर मुन्ना यादव ने हत्या करने की योजना

बनाई। बदमाश पप्पू कुमार और सुनील कुमार को हत्या करने के लिए ऑनलाइन पेमेंट से डेढ़ लाख रुपए की सुपारी दी। घटना के बाद मुन्ना ने 70 हजार रुपए तीसरे आरोपी सोनू को ऑनलाइन लाइन पेमेंट किया और उसे भोजपुर भेजा। एसपी राज ने बताया कि पकड़े गए शूटर पप्पू व सतीश कुमार पूर्व के लूट के कांडों में रोहतास के बिक्रमगंज और पिरो थाना से जेल भेजा गया है। इन सभी के आपराधिक इतिहास का पता किया जा रहा है। दीपक कुमार साह खंडोल पंचायत के वार्ड नंबर-14 के वार्ड पार्षद सह उप मुखिया है। दीपक गांव में किराना दुकान चलाते हैं।●

बिहार के 11 डीएसपी का तबादला

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार में तबादलों का दौर जारी है। आईएएस आईपीएस के बाद अब 11 डीएसपी इधर से उधर हुए हैं। गृह विभाग ने 11 पुलिस उपाधीक्षकों का तबादला किया है। भोजपुर, गया, नालंदा और कैमूर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बदल गए हैं। सीआईडी के डीएसपी कृष्ण कुमार सिंह को पीरो भेजा गया है। पीरो के एसडीपीओ रहे राहुल सिंह को एसटीएफ डीएसपी बनाया गया है। प्रदीप कुमार को मोहनिया एसडीपीओ की जिम्मेदारी दी गई है। खुर्शीद आलम को नालंदा ट्रैफिक डीएसपी बनाया गया है। सीआईडी में कार्यरत डीएसपी कृष्ण कुमार सिंह को पीरो का नया एसडीपीओ बनाया गया है। बिहार पुलिस अकादमी के डीएसपी अमित कुमार को इमामगंज का और नालंदा के

ट्रैफिक डीएसपी सुनील कुमार सिंह को नालंदा का नया एसडीपीओ नियुक्त किया गया है। नालंदा के मौजूदा एसडीपीओ प्रदीप कुमार को मोहनिया का एसडीपीओ बनाया गया है। पीरो के एसडीपीओ रहे राहुल सिंह को एसटीएफ डीएसपी और इमामगंज के एसडीपीओ अमित कुमार को पटना का नया ट्रैफिक डीएसपी बनाया गया है। गया के डीएसपी विधि-व्यवस्था खुर्शीद आलम को नालंदा का ट्रैफिक डीएसपी और पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे फिरोज आलम को डायल-112 का डीएसपी बनाया गया है। मोहनिया एसडीपीओ दिलीप कुमार को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-16, पटना का डीएसपी नियुक्त किया गया है। सीआईडी के डीएसपी रहे रविप्रकाश सिंह को गया का डीएसपी विधि-व्यवस्था बनाया गया है। हाल ही में डीएसपी पद का प्रभार पाने वाले वीरेंद्र प्रसाद महतो को विशेष निगरानी इकाई का डीएसपी बनाया गया है। बता दें नीतीश सरकार कुछ दिनों से लगातार प्रशासनिक अधिकारियों को ट्रांसफर कर रही है। इसी क्रम में डीएसपी का भी तबादला हुआ है।●

161 किलोग्राम गांजा के साथ पूर्व मुखिया गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के भोजपुर में भोजपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है,भोजपुर पुलिस लगातार मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, इसी कड़ी में नवादा थाना क्षेत्र अंतर्गत 161 किलोग्राम गांजा के साथ 4 गांजा तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक पूर्व मुखिया को अरेस्ट किया है। जिसकी जानकारी भोजपुर पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी है। मिस्टर राज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि नवादा थानाध्यक्ष को एक गुप्त सूचना मिली। एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में मादक पदार्थ (गांजा) आरा आ रही है। जो चंदवा के रास्ते फोरलेन की तरफ जाने वाली है। इसके साथ ही पुलिस को यह भी सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन के आगे-आगे लाइनर के रूप में स्कॉर्पियो वाहन चल रहा है। एसपी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सत्यापन किया। आवश्यक कार्रवाई के लिए दंडाधिकारी के

साथ दोनों वाहन के आने का इंतजार किया। इसके बाद दोनों वाहन को दोपहर में करीब 2 बजे बाजार समिति होते हुए पश्चिमी रेलवे ओवर ब्रिज के रास्ते चंदवा की ओर पुल से करीब 200 मीटर आगे घेराबंदी कर रोका गया ,पिकअप वाहन की तलाशी के दौरान पिकअप वाहन के डल्ला के नीचे तहखाना बना हुआ पाया गया। इसमें 153 पैकेट यानी कुल 161 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ पाया गया। जिसकी मार्केट रेट करीब 15 लाख रुपए की बताई जा रही है। इस संबंध में नवादा थाना में मामला दर्ज कर पूर्व मुखिया समेत 4 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।●

स्मार्ट मीटर को लेकर भ्रम ना फैलाएं : डीएम भोजपुर

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर डीएम तनया सुल्तानिया ने जिले में लगातार हो रही बिजली की समस्याओं और स्मार्ट मीटर को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर जिले वासियों को कई जानकारियां दी, इस दौरान बिजली विभाग के कई अधिकारी भी मौजूदगी रहे , जिले में बिजली विभाग और स्मार्ट मीटर के विरोध में हो रहे प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि बिजली की सप्लाई में कई गुना तक वृद्धि हुई है ,उन्होंने कहा कि अगर कोई उपभोक्ता एक किलो वाट का बिजली खपत करता था और अब अगर 2 किलो वाट का खपत कर रहा है, तो उसे 6 महीने तक फाइन से छूट मिलती है, इसी क्रम में उसे रिमाइंडर मिलता रहेगा , इससे लोगो के बीच स्मार्ट मीटर को लेकर भ्रांतिया न फैलाए। जहां दोनों मीटर पैरेलल चलेगा, वही अगर स्मार्ट मीटर में बैलेंस खत्म हो जाती है तो पहले 3 दिनों के अंदर बिजली काट दी जाती थी, इसे बढ़ाकर अब 6 दिन किया गया है। उसमे भी बिजली इन 6 दिनों के बाद सिर्फ सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर के 2 बजे तक ही काटी जाएगी।●

आरा में होमगार्ड बहाली की आपबीती

● गुड्डू कुमार सिंह

आरा के पुलिस लाइन में पिछले तीन दिनों से सैकड़ों लोगों की भीड़ दिख रही है। तकरीबन सभी लोगों के सिर के बाल सफेद हो चुके हैं या फिर आधे उड़ चुके हैं। झुलसा देने वाली धूप में इनमें से कुछ लोग ट्रैक सूट में तो कुछ बनियान और हाफ पैंट में नजर आ रहे हैं। यह नजारा है होमगार्ड भर्ती का ,अभ्यर्थियों में से ज्यादातर की उम्र अब रिटायरमेंट तक जा पहुंची है पर वो जॉब की तलाश में होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा में दौड़ लगाने पहुंच रहे हैं ,दरअसल, 2006 में होमगार्ड में कॉन्स्टेबल पद की जॉब के लिए आवेदन भरने वाले अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा 18 साल बाद अब ली जा रही है। 21 हजार 724 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। ऐसे में जो अभ्यर्थी आवेदन भरते वक्त 30 साल के थे वो अब 48 के हो चुके हैं। कई के नाती-पोते तक अब जॉब की तैयारी में जुटे हैं। ऐसे अभ्यर्थियों से दौड़ना भी मुश्किल हो रहा है। आज आरा सदर प्रखंड का दौड़ आज कराया जा रहा है जिसमें कई खेती बड़ी करने वाले किसान शामिल हुए हैं, वो कहते हैं कि जब 2006 में इस होमगार्ड भर्ती के लिए आवेदन भरा था तो 39 साल का था, अब दो बेटा, और बेटी है और नाती-पोते हैं, बसंतपुर पंचायत के मनोज ओझा कहते हैं कि श्नौकरी मिल भी गई तो कुछ ही साल कर पाऊंगा। हालांकि, चिंता यह सता रही है कि ढाई मिनट में 800 मीटर की दौड़ कैसे पूरा करूंगा। इनके साथ ही अभ्यर्थी कृष्ण कुमार सिंह 46 साल के हैं। इन्हें दो बेटे ग्रेजुएशन कर चुके हैं।●

वायरल हर्ष फायरिंग वीडियो में पुलिस की कार्रवाई

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के बिहिया थाना अंतर्गत एक अवैध सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान हुई हर्ष फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के उपरांत पुलिस ने त्वरित संज्ञान लिया। यह घटना 13 सितंबर 2024 की रात की है, जब कार्यक्रम में एक गायक की प्रस्तुति के दौरान कुछ व्यक्तियों द्वारा खतरनाक तरीके से अवैध फायरिंग की गई, जिससे जान-माल को गंभीर नुकसान होने की संभावना थी। भोजपुर पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए कार्यक्रम के आयोजनकर्ता तथा फायरिंग में शामिल अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम, लाउडस्पीकर अधिनियम समेत अन्य धाराओं के तहत बिहिया थाना कांड संख्या०-285/24 दर्ज किया गया था। इस संबंध में बिहिया थाना कांड संख्या०-285/24, दिनांक-17.09.2024, धारा- 109(1)/292/223/

3(5) BNS एवं 27 आर्म्स एक्ट एवं 25(9) आर्म्स एक्ट 2019,3/4 लाऊड स्पीकर एक्ट दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम/पत्ता :-

☞ अशोक यादव, पिता-स्व० जामलाल यादव, ग्राम भीमपट्टी, थाना-बिहिया, जिला- भोजपुर।

☞ श्याम बाबू यादव उर्फ पुतुल यादव, पिता-सिद्धनाथ यादव, ग्राम रंडाडीह, थाना- शाहपुर।

☞ पुन्नु यादव, पिता-स्व० जगबल्ली यादव, ग्राम-भीमपट्टी, थाना-बिहिया। ●

जीविका दीदियों ने ऑफिस में जड़ा ताला, लगाया नारा

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के भोजपुर जिले के उदवंतनगर नगर प्रखंड अंतर्गत बामपाली स्थित जीविका कार्यालय में मानदेय में वृद्धि सहित 10 सूत्री मांगों को लेकर जीविका दीदियों ने कार्यालय में ताला जड़ धरना-प्रदर्शन किया, जीविका दीदियों का कहना है कि उन्हें कम मानदेय दिया जा रहा है। विभाग मनमानी कर रहा है। यदि उनकी मांगें नहीं मानी जाती हैं तो वे चरणबद्ध आंदोलन करेंगी। इस दौरान उन्होंने दो हजार में दम नहीं, 25 हजार से कम नहीं सहित कई तरह की मांगों को लेकर नारेबाजी की। जीविका दीदियों ने बताया कि जीविका परियोजना में कार्यरत कर्मियों की मानदेय प्रणाली ठीक नहीं है और बहुत कम मानदेय दिया जा रहा है। वे जमीनी स्तर पर रात-दिन काम करती हैं, लेकिन सरकार भी ध्यान नहीं दे रही है। उनका शोषण हो रहा है। कम मानदेय के कारण परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। यह विभाग की

मनमानी है। यदि इसी तरह से विभाग मनमानी करता रहा तो आंदोलन तेज किया जाएगा। जीविका दीदियों ने 60 वर्ष की उम्र तक कैडर की नौकरी पक्की करने की मांग की। ●

कर्तव्यनिष्ठ जिलाधिकारी असफल क्यों?

● बिन्ध्याचल सिंह

जिलाधिकारी बक्सर श्री अंशुल अग्रवाल के कार्यकाल में जिले का चौतारफा विकास हो रहा है इसको नकारा नही जा सकता है, यही वजह है कि सितम्बर–2024 तक बक्सर जिला को रैंकिग में अधिकतर योजनाओ में बक्सर जिला का प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त हो रहा है। जो कर्तव्यनिष्ठ जिलाधिकारी के सतत अनुश्रवण, औचक निरिक्षण व समीक्षा बैठक की मुख्य भूमिका है। जिससे जिले को बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त हो रहा है। बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी पटना द्वारा निर्धारित रैंकिग में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत दायर परिवादों के सफलतापूर्वक निष्पादन में बक्सर जिला को अगस्त माह में संपूर्ण बिहार मे द्वितीय स्थान पर एवं जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय को संपूर्ण बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। विदित हो कि बक्सर जिला को माह जुलाई एवं जून में द्वितीय स्थान,माह मई एवं अप्रैल में तृतीय स्थान एवं मार्च में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ था।संपूर्ण बिहार में बक्सर जिला को जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय,बक्सर को माह जुलाई में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। प्राप्त रैंकिग के अनुसार बक्सर जिला में दिनांक 01 अप्रैल 2022 से अबतक कुल 12880 परिवाद दायर किये गये। जिनमें कुल 12687 परिवादों का निष्पादन कर दिया गया है। साथ ही अगस्त माह में कुल 417 परिवादो का निष्पादन किया गया व निष्पादित सभी परिवाद तय सीमा अवधि के अंतर्गत निष्पादित किए गए। उपरोक्त आंकडे प्रेस विज्ञप्ति 20 सितम्बर 2024 के आलोक में सूचीबद्ध की गई। परन्तु यक्ष प्रश्न यह है कि बिहार सरकार के विभित्र योजनाओ में बक्सर जिला प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त कर रहा है तो अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश चतुर्थ बक्सर के आदेश का पालन क्यो नही की जा रही हैं। जानकारी के लिए बता दूँ कि अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश चतुर्थ बक्सर ने 24/03/2023 को आदेश अनुमंण्डलाधिकारी, बक्सर श्री धीरेन्द्र कुमार मिश्रा को प्राप्त हुआ जिसपर श्री मिश्रा ने त्वारित कारवाई करते हुए कमरे में ताला बंद किये जैसा कि आदेश था, परन्तु वही दुसरा आदेश दिनांक 18/07/2023 को प्राप्त हुआ परन्तु खबर लिखे जाने तक किसी भी तरह की कारवाई कि जानकारी नही है, हालाकि अनुमण्डलाधिकारी से मिलने के लिये प्रतिनिधि मोबाईल से कॉल किये परन्तु कॉल प्राप्त नही हुआ, साथ ही व्हास्टएप के माध्यम से पदाधिकारी महोदय को दिनांक 23/09/2024 को पूर्वाहन दस बजकर चौवालिस मिनट पर मुलकात के लिये संदेश भेजी गई परन्तु खबर लिखे जाने तक पदाधिकारी महोदय के द्वारा कोई जबाव नही आया। अुनमंण्डल पदाधिकारी से केवल सच प्रतिनिधि को इस बात की जानकारी लेनी थी कि जिस व्यक्ति के संबध में चतुर्थ अपर एवं सत्र न्यायधीश बक्सर के आदेश के आलोक मे कार्यवाई की गई थी वही व्यक्ति लगभग प्रत्येक कार्य दिवस में अनुमंण्डल कार्यालय बक्सर में दिखाई देता रहता है। दुसरी बात यह है कि यदि कोई आवेदक उसके खिलाफ आवेदन देता है तो अनुमंण्डल पदाधिकारी बक्सर के टेबल पर पहुँचने के पहले उस व्यक्ति के पास आवेदन पहुँच जाता है। जिसमें अनुमण्डल नजारत कर्मी की भूमिका रहती है। अनुमण्डल पदाधिकारी बक्सर के द्वारा महर्षि विश्वामित्र बडी मठिया रामरेखा घाट बक्सर में जिस कमरे में ताला बंदकर दिया गया था वही महज आठ दिन के बाद कमरे का ताला तोडकर आज भी केदारनाथ सिंह रह रहा है। जरा सोचिये, जिस व्यक्ति के खिलाफ चतुर्थ अपर एवं सत्र न्यायधीश, बक्सर का आदेश है वही व्यक्ति अनुमंण्डल पदाधिकारी के कार्यालय और आवास पर लगभग प्रत्येक दिन दस्तक देता रहता है। आखिर वो कौन सी मजबुरी है बक्सर जिला के उच्चपदाधिकारी अर्थात जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अनुमंण्डल पदाधिकारी बक्सर को जो उस व्यक्ति यानि

केदारनाथ सिंह से डरते है। जबकि उसके पास दो वोटर आई कार्ड है पेशा से अधिवक्ता के बावजूद भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेता है, मठिया के अधिकतर कागजात पर मंहत का फर्जी हस्ताक्षर बनाने वाले केदारनाथ सिंह से। उपरोक्त सभी बिन्दुओ पर गहन से जॉच किया जाय तो स्पष्ट हो जायेगा कि क्यो जिला के उच्चपदाधिकारी चतुर्थ अपर एवं सत्र न्यायधीश, बक्सर के आदेश अनुपालन करने में असमर्थ है। उपरोक्त सभी जानकारी केवल सच को याचिका कर्ताओ के द्वारा दी गई है जिसके आलोक में सूचीबद्ध की गई है। प्रिय पाठकगण अगर खबर की गहन से अर्थ निकाला जाय तो, दो कहावत निकलकर आती है। पहला–''बाहर के हीरो घर में जीरो'' और दुसरा –''रक्षक ही भक्षक''।●

एस.पी. शुभम आर्य के कुशल नेतृत्व में जिला की सुरक्षा-व्यवस्था

● **बिन्ध्याचल सिंह**

बक्सर जिले की विधि-व्यवस्था जब उथल-पुथल थी अपराधी एक के बाद एक बडे अपराध की घटना को अंजाम दे रहे थे। हत्या, अपहरण, लूट जैसे जघन्य अपराध की घटना आए दिन सामने आ रही थी। जिले की विधि -व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई थी। उस समय पुलिस के लिए जिले में विधि-व्यवस्था को स्थापित करना एक बडी चुनौती साबित हो रही थी। जिले की विधि-व्यवस्था को सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी उस समय एसपी शुभम आर्य को मिली। बक्सर जिले की जिम्मेदारी मिलने के बाद एसपी ने तत्काल जिले के सभी पदाधिकारी के साथ सर्वप्रथम जिले के आम जनमानस के बीच पुलिस मैत्री सम्बन्ध स्थापित करने की दिशा में काम किया गया। जिसका असर दिनांक 30/10/2024 को इटाढी थाना परिसर में देखने को मिला। जनमानस और पुलिस मैत्री सम्बन्ध के बाद अपराधियों एवं माफियाओ पर नकेल कसने की रणनीति तैयार की, उस रणनीति के तहत उन्होंने पूर्व में हुए कई बडे अपराध की घटनाओ, जिसकी गुत्थी अनसुलझी थी उन सभी घटनाओ

का एक के बाद एक कर उद्भेदन किया। जिले के लगभग सभी मोस्टवांटेड अपराधियों को गिरफतार कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजने का काम किया। शराब एवं बालू माफियाओ पर भी उन्होंने एक अभियान के तहत नकेल कसने का काम किया। वर्तमान में जिले में उनके कुशल नेतृत्व के कारण जिले में विधि व्यवस्था स्थापित हुई। आम जनमानस का पुलिस के प्रति जो धारणा थी वह समाप्त करने एवं पुलिस से मैत्री संबंध स्थापित करने में उन्होंने सफलता पाई। अब जिले में उनकी पुलिसिंग की कहानी आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। राज्य के सफल आईपीएस अधिकारी के नामो में उनके नामो को लोग सुमार कर रहे है। अब तक बक्सर पुलिस के इतिहास में एसपी शुभम आर्य के कार्यकाल में सबसे ज्यादा कांडो का उद्भेदन किया जा रहा है। कुशल नेतृत्व में टीम गठित कर असमाजिक तत्व को सलाखो तक पहुॅचाया जा रहा है। जिससे जिलेवासी अपने आपको सुरक्षित महसुस कर रहे है। जिले में विधि-व्यवस्था, अनुसंधान की गुणवता, कांडो का निष्पादन को लेकर एसपी ने रणनीति के तहत काम करने के लिए निर्देश के आलोक में जिला में सेवारत अनुमंण्डल पुलिस पदाधिकारी बक्सर व डुमरॉव की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। जिले के विभिन्न थाना के थानाध्यक्ष भी एसपी के निर्देश के आलोक में कांडो का उद्भेदन के साथ जिले की विधि-व्यवस्था कायम रखने में अहम योगदान दे रहे है। उपरोक्त सभी जानकारी, पदाधिकारी, आम जनता, समाजसेवी, इत्यादि की जानकारी के आलोक में सूचीबध्द की गई है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

19 अक्टूबर 2024 को मुख्यमंत्री ने सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले मैं मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम का जो आज शुभारंभ किया गया है उसके लिए केंद्र सरकार और यहां उपस्थित केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को बधाई देता हूं। वर्ष 2005 से पहले बिहार में विकास कार्यों की क्या स्थिति थी सभी को पता है। वर्ष 2005 से पहले मछली उत्पादन बहुत कम था। दूसरे राज्यों से यहां मछलियां मंगाई जाती थी। 24 नवंबर, 2005 को जब हमलोग सरकार में आए तो राज्य के विकास के लिए नीति और कार्यक्रम बनाए गए। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित सभी क्षेत्रों का विकास किया गया। लोगों की सुविधाओं के लिए कई कदम उठाए गए। साथ ही महिलाओं की तरक्की के लिए कई कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2008 से वर्ष 2012 के लिए प्रथम कृषि रोड मैप बनाया गया। वर्ष 2012 से वर्ष 2017 के लिए दूसरा कृषि रोड मैप बनाया गया जिसका शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति श्रद्धेय प्रणव मुखर्जी ने किया था। वर्ष 2017 से वर्ष 2023 के लिए तीसरा कृषि रोड मैप बनाया गया जिसका शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी ने किया था। वर्ष 2024 से चौथा कृषि रोड मैप लागू किया गया है जिसका शुभारंभ राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने किया। कृषि रोड मैप के लागू होने से सब्जी, दूध, अंडा, मीट, फल सहित अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा है। चौथे कृषि रोड मैप के लिए एक लाख 62 हजार करोड़ रुपये की राशि की स्वीकृति दी गई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में मछली का उत्पादन 2 लाख 88 हजार मीट्रिक टन था जो अब बढ़कर 8 लाख 73 हजार मीट्रिक टन हो गया है। मछली उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। पहले दूसरे राज्य की मछलियां बिहार में मंगाई जाती थीं और अब बिहार की मछलियां दूसरे राज्यों में भेजी जाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बिहार के विकास के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को बधाई देता हूं। केंद्र सरकार द्वारा राज्य में मत्स्य पालन के विकास के लिए सहायता दी गई है। राज्य सरकार मत्स्य पालन के विकास के लिए भी कई कदम उठा रही है। राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा मत्स्य पालन के क्षेत्र में विकास के लिए उठाए गए कदमों से मत्स्य पालकों को काफी लाभ हो रहा है। मत्स्य पालन के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों का मैं आभार व्यक्त करता हूं कि वे अपने कार्य से अपनी तरक्की के साथ-साथ राज्य की तरक्की में भी योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम शुरू से ही एन0डी0ए0 में थे और एन0डी0ए0 में ही रहेंगे। बीच में हम दो बार उनलोगों के साथ चले गए थे, ये हमारी गलती थी अब कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे। भाजपा के साथ हमारी पार्टी का शुरू से ही संबंध रहा है। हमलोग मिलकर राज्य और देश का विकास करते रहेंगे। इस कार्यक्रम में मुझे शामिल होने का मौका मिला है इसके लिए मैं आपलोगों का आभार व्यक्त करता हूं और आप सभी को बधाई देता हूं।

कार्यक्रम को केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ श्री ललन सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की लाभार्थी श्रीमती अंजू देवी, श्रीमती ऊषा देवी, श्रीमती मीरा देवी, श्रीमती रीता रानी एवं श्री निशांत कुमार को अनुदान राशि का डमी चेक प्रदान किया। साथ ही प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 15 मत्स्य पालकों को

0.50 लाख मत्स्य बीज वितरित किया गया जिसमें सांकेतिक रूप से श्री संजीव कुमार, श्री सुरेंद्र प्रसाद एवं श्रीमती ललिता देवी को मुख्यमंत्री ने मत्स्य बीज प्रदान किया तथा 19 मत्स्य पालकों के बीच 7 टन मत्स्य आहार वितरित किया गया जिसमें सांकेतिक रूप से श्री धर्मराज सहनी और श्रीमती रेखा देवी को मुख्यमंत्री ने मत्स्य आहार प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत में पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव डॉ0 एन0 विजयालक्ष्मी ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत के पूर्व लगाई गई ड्रोन की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री श्रीमती रेणु देवी, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्री हरी सहनी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव डॉ0 एन0 विजयालक्ष्मी, मुख्यमंत्री

के विशेष कार्यपदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, भारत सरकार में संयुक्त सचिव, (समुद्री मात्स्यिकी) सुश्री नीतू कुमारी प्रसाद, पशु विज्ञान विष्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ0 दुनियाराम सिंह, राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, हैदराबाद के मुख्य कार्यपालक डॉ0 विजय कुमार बेहरा, निदेशक, मत्स्य पालन, बिहार सरकार श्री नवदीप शुक्ला, पशु एवं मत्स्य पालन से जुड़े हुए केंद्र एवं राज्य सरकार के अधिकारीगण, मत्स्यपालक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।●

विकास आयुक्त की अध्यक्षता में योजना, विधि, वित्त, सामान्य प्रशासन तथा सूचना एवं जन-सम्पर्क विभागों की समीक्षा बैठक

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

22 अक्टूबर 2024 को विकास आयुक्त, बिहार सरकार की अध्यक्षता में मुख्य सचिव सभा कक्ष में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना विभाग और विधि विभाग के प्रधान सचिव/सचिव ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आईपीआरडी) के निदेशक और वित्त एवं सामान्य प्रशासन विभाग के प्रतिनिधि अधिकारियों की उपस्थिति रही। योजना विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य और केंद्र द्वारा आवंटित राशि और व्यय का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कृषि विभाग ने 16 अक्टूबर 2024 तक राज्य द्वारा स्वीकृत 2,42,461.12 लाख में से रू0 69,031.21 लाख का व्यय किया और केंद्र द्वारा आवंटित रू0 42,741.60 लाख का 38.79: उपयोग किया। इसी प्रकार, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने राज्य द्वारा स्वीकृत रू0 1,19,383.35 लाख में से 54,555.11 लाख का व्यय किया और केंद्र द्वारा स्वीकृत रू0 23,639.09 लाख का केवल 2.31% व्यय किया। विकास आयुक्त ने जिन विभागों का व्यय प्रतिशत कम था, उन्हें 2025 तक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। जिन विभागों को केंद्रीय निधि की रिहाई में समस्या आ रही थी, उन्हें दिल्ली जाकर इस मुद्दे का शीघ्र समाधान करने का सुझाव दिया गया।

विधि विभाग ने अपने मासिक प्रतिवेदन में पिछले माह लंबित मामलों की कुल संख्या, पिछले माह दर्ज नए मामले, निस्तारित मामले, सिविल कोर्ट या अन्य विभागों को प्रत्युत्तर हलफनामा (सी.ए.) दाखिल करने के लिए भेजे गए मामले, वर्तमान माह के अंत तक लंबित मामलों की स्थिति और पिछले माह तक प्रत्युत्तर हलफनामा लंबित मामलों की संख्या प्रस्तुत की। विकास आयुक्त ने संबंधित विभागों को लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे और प्रत्युत्तर हलफनामों की दाखिले की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आईपीआरडी) ने विभिन्न विभागों की सफलता की कहानियों के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया और समय पर प्रचार अभियान और रेडियो जिंगल्स के लिए सामग्री भेजने का अनुरोध किया। आईपीआरडी के निदेशक ने सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों के प्रचार के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग करने पर भी जोर दिया। इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों के प्रकाशन और सोशल मीडिया पर की गई गतिविधियों के आधार पर विभागों की रैंकिंग की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। विकास आयुक्त ने पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सर्वाधिक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए सराहा।

वित्त विभाग ने 2022-2025 के वर्षों के लिए विभिन्न सरकारी विभागों से राजस्व संग्रह और केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के वित्तीय आंकड़ों का अवलोकन प्रस्तुत किया। वाणिज्यिक कर, पंजीकरण और परिवहन जैसे प्रमुख विभागों में 2023 से 2024 के बीच संग्रह में विविध प्रतिशत प्ररिवर्तन दिखाया, जिसमें वाणिज्यिक कर और खनन एवं भूविज्ञान राजस्व में महत्वपूर्ण वृद्धि दिखी। रिपोर्ट में 2024-2025 के लिए कृषि, सहकारी, और पर्यावरण योजनाओं के तहत केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं के लिए निधियों का अनुमान भी शामिल किया गया। इसमें कृषि, ग्रामीण विकास और जल संसाधनों जैसे विभिन्न क्षेत्रों द्वारा प्राप्त और उपयोग की गई निधियों का विविरण था। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों के लिए सहायता अनुदान और अग्रिम बिलों के बकाया संतुलन पर चर्चा की गयी।●

कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल मैच विजेता को राज्यपाल ने किया ट्रॉफी व पुरस्कार प्रदान

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

19 अक्टूबर 2024 को माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पटना में आयोजित चांसलर ट्रॉफी अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता, 2024 के फाइनल मैच में विजेता एवं उप विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान किया। विजेता टीम को एक-एक लाख रुपये एवं उप विजेता टीमों को 50-50 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। उन्होंने सेमीफाइनल मैच के उप विजेताओं को भी ट्रॉफी प्रदान किया। इस टूर्नामेंट के महिला वर्ग के फाइनल मैच में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की टीम ने वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा की टीम को 45-29 तथा पुरूष वर्ग के फाइनल मैच में मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की टीम ने ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की टीम को 44-30 से हराकर ट्रॉफी जीता। चांसलर ट्रॉफी अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता, 2024 में विभिन्न विश्वविद्यालयों सहित 23 संस्थानों की पुरूषों की 23 एवं महिलाओं की 17 अर्थात् कुल 40 टीमों ने भाग लिया। कुल 71 मैच खेले गए, जिनमें 49 लीग मैच, 08 प्री-क्वार्टर फाइनल, 08 क्वार्टर फाइनल, 04 सेमी फाइनल एवं 02 फाइनल मैच शामिल हैं।

चांसलर ट्रॉफी अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता, 2024 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस टूर्नामेंट के आयोजन से बिहार की खेल संस्कृति में एक नया अध्याय जुड़ा है। राज्य सरकार शिक्षा के साथ-साथ खेल के विकास के लिए भी प्रयत्नशील है और इसने पृथक खेल विभाग का गठन कर इसके प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने कहा कि बिहार हर क्षेत्र में प्रगति करना चाहता है और यहाँ के विश्वविद्यालयों के पास युवा शक्ति भी है। उन्होंने एक विश्वविद्यालय में चल रहे स्वीमिंग पूल के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने को कहा ताकि बच्चों को तैराकी की सुविधा मिल सके।

समारोह को माननीय शिक्षा मंत्री श्री सुनील कुमार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल. चोंग्थू, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के खिलाड़ीगण, निर्णायक मंडल के सदस्यगण, इस प्रतियोगिता के आयोजन से जुड़े महानुभावगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।●

बिहार में निवेश को बढ़ावा देने हेतु लुधियाना में 'बिहार बिजनेस कनेक्ट-इन्वेस्टर्स मीट' का किया गया आयोजन

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

- लुधियाना, पंजाब में शबिहार बिजनेस इन्वेस्टर्स मीटश हुआ सम्पन्न।
- उद्योग विभाग, बिहार सरकार की सचिव सहित कई अधिकारियों ने लिया हिस्सा।
- उद्योग विभाग के अधिकारियों ने किया मेगा फूड पार्क का दौरा।
- बड़ी संख्या में उद्योग जगत के नामचीन लोगों ने हिस्सा लिया।

24 अक्टूबर 2024 को उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा लुधियाना में दिनांक 22.10.2024 को बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024, इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया, जो बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 - ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का हिस्सा है। इस समिट का उद्देश्य टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण और सामान्य निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बिहार की विशाल संभावनाओं को प्रदर्शित करना था। यह समिट बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (B2G) दृष्टिकोण के तहत आयोजित की गई।

उद्योग विभाग अपनी प्रगतिशील नीतियों और सुधारों के साथ राज्य में निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी दिशा में, बिहार में दिसंबर 2024 में शबिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 - ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट'का आयोजन होने जा रहा है, जिसका उद्देश्य राज्य में विदेशी और घरेलू निवेश को आकर्षित करना है। यह आयोजन विदेशी निवेशकों को बिहार में निवेश के बढ़ते अवसरों और राज्य की प्रगतिशील नीतियों से परिचित कराने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच होगा।

आयोजन के दौरान उद्योग विभाग की सचिव श्रीमती बंदना प्रेयसी द्वारा बिहार में विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए राज्य के निवेशक-अनुकूल दृष्टिकोण पर विशेष चर्चा किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता बिहार में निर्बाध निवेश प्रक्रिया को सरल बनाना है। उद्योग विभाग ने औद्योगिक नीति सुधार, भूमि अधिग्रहण और बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। लुधियाना में आयोजित समिट यह दर्शाता है कि बिहार अगला प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनने के लिए कैसे तैयार है। साथ ही, उन्होंने कहा कि हमारा दूसरा उद्देश्य यहाँ आने का यह है कि हम दिसंबर में 'बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 - ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें कई विदेशी निवेशक भाग लेंगे। सचिव महोदया ने बिहार निवेश प्रोत्साहन नीति, 2016 के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि हमारा ध्यान खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्रऔर चमड़ा जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर है। ये सभी क्षेत्र इस नीति के अंतर्गत आते हैं। इसके अलावा, हमारे पास वस्त्र और चमड़ा के लिए विशिष्ट नीतियाँ भी हैं।

- सूबे में खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा और वस्त्र उद्योग को स्थापित करने में निवेशकों ने रुचि दिखाई।
- उद्यमियों के बीच बिहार सरकार की आद्योगिक नीतियों का हुआ बखान।
- इस साल दिसंबर में होगा अगला 'बिहार बिजनेस कनेक्ट-24' का आयोजन।

हमारी नीतियों में रोजगार सृजन सब्सिडी, माल ढुलाई प्रतिपूर्ति सब्सिडी, पेटेंट पंजीकरण, कर-प्रोत्साहन, कौशल विकास सब्सिडी के अलावाकर्मचारी पंजीकरण शुल्क में 100% छूटऔर भूमि रूपांतरण शुल्क में 100% छूट जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। निर्यात प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत निर्यात सब्सिडी को 'प्रदर्शन आधारित' आधार पर 7 वर्षों तक प्रोत्साहित किया जाता है।

सचिव महोदया ने यह भी बताया कि पिछले कुछ वर्षों में कई निवेशकों ने बिहार में रुचि दिखाई है। यह हमारे दूसरे 'बिहार बिजनेस कनेक्ट' का आयोजन है। पहला आयोजन पिछले साल हुआ था, जिसके लिए हमें बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रियाएँ मिली थीं। उस दो दिवसीय बिजनेस कनेक्ट के बाद, हमने लगभग 50,000 करोड़ रुपये के 278 एमओयू पर हस्ताक्षर किए। पिछले दिसंबर में हुए आयोजन के 10 महीनों के भीतर, हमने 28,000 करोड़ रुपये को ठोस निवेश में परिवर्तित किया है। हमारे एमओयू में कुल 50,000 करोड़ रुपये का निवेश है, जिसमें से 38,000 करोड़ रुपये का निवेश बिहार में लाया गया है। यह सब संभव हुआ है क्योंकि बिहार सरकार एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार कर रही है। चाहे वह 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' हो या सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम, ये सभी पहल निवेश को बढ़ावा देने के लिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था बहुत स्थिर हो गई है, जिससे उत्पाद निर्माण के लिए अनुकूल माहौल बन गया है। एमएसएमई क्षेत्र भी बहुत मजबूत हैऔर हम इसे बड़े निर्माताओं के साथ जोड़ने के लिए प्रयासरत हैं। हमारी स्टार्ट-अप नीति के तहत, अब तक हमने विभिन्न संस्थाओं को 700 स्टार्ट-अप दिए हैं। ये स्टार्ट-अप अद्वितीय और नवोन्मेषी हैं, जिससे स्टार्ट-अप नीति से संबंधित पारिस्थितिकी तंत्र में विकास हो

रहा है। बिहार स्किल डेवलपमेंट मिशन (बीएसडीएम) के तहत, हम विभिन्न प्रकार के ऑन-जॉब प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान सचिव महोदया ने यह भी कहा कि हमने एक ऑनलाइन सिंगल विंडो मंजूरी प्रणाली लागू की है, जो हर सप्ताह काम करती है। यदि आवेदन पूरी तरह से भरा हुआ हो और सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद हों, तो इसे एक सप्ताह या उससे कम में निष्पादित किया जाता है।हमारी एसआईपीबी सिंगल विंडो की साप्ताहिक बैठकों में सभी नोडल विभाग के अधिकारी मौजूद रहते हैं, जिससे किसी भी समस्या को तुरंत हल किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई निवेशक या संभावित निवेशक को किसी विभाग से फाइल नहीं मिल रही है, तो हम तुरंत उसका समाधान करते हैं। कुछ अनिवार्य मंजूरियाँ होती हैं जो वित्तीय अनुमोदन के लिए आवश्यक होती हैं, जिनकी टाइमलाइन 21 से 30 दिनों के बीच होती है। यदि कोई व्यक्ति तेजी से अंतिम वित्तीय मंजूरी प्राप्त करना चाहता है, तो इसे पूरा करने में एक महीने से अधिक का समय नहीं लगेगा। इस अवसर पर उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औद्योगिक घरानों के प्रमुख भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित श्री भरत गोयल, प्रेसिडेंट,हीरो साइकिल ने बताया कि हीरो साइकिल भारत में साइकिलों का सबसे बड़ा निर्माता है और यह 1984 से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे बड़े साइकिल निर्माता के रूप में दर्ज है। हमने विचार किया कि पूर्वी बाजार सबसे बड़ा बाजार है, इसलिए बिहार को सबसे उपयुक्त राज्य मानते हुए, हमने 2013 में यहाँ एक यूनिट स्थापित की। इसके लिए बिहार सरकार ने बिहटा में भूमि को बहुत तेजी से आवंटित किया। इसके अतिरिक्त, हमने एनसीएलआईएस के लिए दो और प्लॉट प्राप्त किए। इस तरह, हमारी यूनिट की स्थापना वहाँ हुई। भूमि आवंटन की प्रक्रिया और सभी आवश्यक अनुमतियाँ तेजी से पूरी की गईं, जो बेहद प्रभावशाली थी। हमने 2015 में व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया और अब हमारी यूनिट बिहटा में लगभग 3,000 साइकिलों का उत्पादन कर रही है। हम बिहार सरकार के इस सहयोग के लिए वास्तव में आभारी हैं।

निवेशकों द्वारा दिये गए सुझावों को ध्यान में रखते हुये श्रीमति बंदना प्रेयसी ने बताया कि आज हमारी दो बैठकें हुई है। हमने फूड पार्क का दौरा भी किया और ओसवाल समूह की प्रभावशाली व्यवस्था देखी। हमें अपनी बी2जी बैठकों में बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। आयोजन

के दौरान सचिव महोदया ने सरकार के साथ विशेष जागरूकता जेडएलडी के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमने कुछ निश्चित क्षेत्र निर्धारित किए हैं, लेकिन एक मांग आई है। अब तक हम सीईटीपी के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन यह पहली बार है कि लुधियाना में जेडएलडी की मांग आई है। चूंकि हमारी नीति में अब तक ऐसा कोई निवेश नहीं है, इसलिए इस बात को बिहार सरकार के समक्ष रखूंगी और इसका समाधान निकालने के लिए प्रयासरत रहूँगी। सुझावों को ध्यान में रखते हुये सचिव महोदया ने कहा कि ऐसी जगहों के लिए वहां एक एकीकृत फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा, जिससे कभी-कभी जाम से होने वाली परेशानियों से छुटकारा भी मिलेगा। चूंकि बिहटा अचानक एक बड़ा औद्योगिक इकाई बन चुका है। वहां एक ड्राई पोर्ट है, इसलिए हम वहां बड़े कंटेनरों को स्थानांतरित करेंगे। बिहार सरकार की यह कदम हमारे निर्यातकों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग इस दिशा में काम कर रहा है, लेकिन अन्य विभाग भी काम कर रहे हैं। पर्यटन हमारी सबसे बड़ी संभावना हैऔर हमारे पास एक नई पर्यटन नीति है जिसमें हम बड़े होटलों को आमंत्रित कर रहे हैं। हमारे पास एक इको-टूरिज्म नीति भी है, जिसमें जंगल में वाटर पार्क और मनोरंजन पार्क स्थापित करने की अनुमति है। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए बिहार सरकार द्वारा एक नीति भीबनाई जा रही है, जिसका अंतिम चरण चल रहा है। यदि आपके पास एक बड़ा निवेशक है, तो हमें हरित ऊर्जा की ओर बढ़ना चाहिए। हम उद्योग को नवीकरणीय ऊर्जा में सब्सिडी देने के लिए जोर दे रहे हैं। हमारे शिक्षा क्षेत्र में कई निजी विश्वविद्यालय हैं, और यदि आप यहां कुछ निजी विश्वविद्यालय स्थापित करना चाहते हैं, तो हम सभी समर्थन देने के लिए तैयार हैं। हमारी फिल्म नीति भी बहुत महत्वपूर्ण है। हम फिल्म उद्योग को भी नवीनीकृत करने के लिए प्रयासरत हैं।

अंत में श्री बंदना प्रेयसी, सचिव, उद्योग विभाग ने निवेशकों को धन्यवाद ज्ञपित करते हुये बिहार आने और यहाँ उद्योग स्थापित करने हेतु अनुरोध किया और कहा किहमारी नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उद्योग विभाग और अन्य विभागों की नीतियों का एकीकृत माहौल बने ताकि आप किसी भी क्षेत्र में आना चाहें, तो आपका स्वागत हो सके। हम एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली लागू कर रहे हैं, जिससे व्यापार करने में आसानी होगी। इस अवसर पर उद्योग विभाग की सचिव श्रीमती बंदना प्रेयसी, उद्योग निदेशक आलोक रंजन घोष, खाद्य प्रसंस्करण निदेशक रवि प्रकाश के साथ अन्य संबन्धित अधिकारियों ने मेगा फूड पार्क का दौरा भी किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षण किया कि मेगा फूड पार्क किस प्रकार से स्थानीय किसानों, उद्यमियों और उद्योगों को एक साथ लाकर कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहा है। साथ ही, वहां की कार्य इकाईयों और पंजाब सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं का अवलोकन भी किया। पंजाब एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन द्वारा विकसित यह पार्क खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों के लिए एक प्रमुख केन्द्र है, जो प्लॉटेड एरिया, एमएसएमई शेड और कोर प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी अनेक सुविधाएँ प्रदान करता है। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य बिहार में निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना और यह समझना था कि मेगा फूड पार्क के इस मॉडल को राज्य में कैसे सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है।●

पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 24 अक्टूबर 2024 को 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में रिमोट का बटन दबाकर पंचायती राज विभाग के अंतर्गत 7160 करोड़ रुपये की लागत की 2615 पंचायत सरकार भवन एवं राज्य पंचायत संसाधन केंद्र, सोनपुर के भवन का शिलान्यास किया। साथ ही 13 जिला पंचायत संसाधन केंद्रों, 65 पंचायत सरकार भवन, ई-ग्राम कचहरी कोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम तथा जिला परिषद् पोर्टल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि 2615 पंचायत सरकार भवनों का शिलान्यास किया गया है। हमारा शुरू से ही 'पंचायत सरकार भवन' बनाने पर जोर है। हमारा कॉन्सेप्ट (विचार) है कि पंचायती राज संस्थाओं में वैसी व्यवस्था हो जो राज्य सरकार की होती है, इसलिए हमने इन भवनों को पंचायत भवन न कहकर 'पंचायत सरकार भवन' कहा है। हमने प्रत्येक ग्राम पंचायत में 'पंचायत सरकार भवन' बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि शुरू में 330 'पंचायत सरकार भवन' बनाये गये। आज 'पंचायत सरकार भवन' के शिलान्यास के बाद राज्य के 8053 पंचायत भवनों में से 6858 भवन स्वीकृत कर दिये गए हैं। इनमें से 1548 पूर्ण हो गये हैं एवं शेष निर्माणाधीन हैं। आज के कार्यक्रम में 65 पंचायत सरकार भवनों का उद्घाटन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि अब बचे हुए 1195 पंचायत सरकार भवनों के लिए उपयुक्त भूमि की तलाश की जा रही है। जिला पदाधिकारियों को आदेश दिया गया है कि संबंधित ग्राम पंचायत के किसी भी गांव में उपयुक्त भूमि चिन्हित कराकर वहां पंचायत सरकार भवन का निर्माण तुरंत शुरू करायें। पंचायत सरकार भवन में केवल पंचायत से जुड़ा काम ही नहीं होता है बल्कि दूसरे विभागों का भी काम होता है। पंचायत सरकार भवन बन जाने से लोगों को काफी सहूलियत होगी। पंचायत सरकार भवनों की छत पर सोलर प्लेट लगवाएं इससे बिजली के खर्च में बहुत बचत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जून, 2025 तक सभी पंचायतों में 'पंचायत सरकार भवनों' का निर्माण पूर्ण करायें। सभी पंचायत सरकार भवन का रख-रखाव बेहतर ढंग से किया जाए। जिला स्तर पर भी आज 13 जिला पंचायत संसाधन केन्द्रों का उद्घाटन किया गया है। सोनपुर में राज्य स्तरीय संसाधन केन्द्र का शिलान्यास भी किया गया है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-2 के तहत अनेक योजनाओं का काम जारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाईट लगाने का काम वर्ष 2021 से ही तेजी से चल रहा है। अनेक वार्डों में सोलर स्ट्रीट लाईट लग गई है। हर वार्ड में औसतन 10-10 सोलर स्ट्रीट लाईट लगाई जा रही है। बड़े वार्ड एवं सार्वजनिक स्थलों हेतु आवश्यकता होने पर हर पंचायत में 10 के अतिरिक्त सोलर लाईट लगाने की व्यवस्था की गयी है। सोलर स्ट्रीट लाईट से गाँव में रातभर रोशनी मिलती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में 109321 वार्ड है जिसमें 1175740 स्ट्रीट लाईट लगाने का लक्ष्य है। आज 3 लाख 75 हजार सोलर स्ट्रीट लाईटों का लोकार्पण किया जा रहा है। अब शेष बचे 8,00,740 स्ट्रीट लाईट लगाने का काम किया जा रहा है जिसे मार्च, 2025 तक पूरा करें। पहले की सरकार में कुछ नहीं किया गया। हमने बिजली के क्षेत्र में काफी काम कराया है। हर घर तक बिजली पहुंचा दी गई है और लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत जिला परिषद् के तहत जिला परिषद अध्यक्ष एवं जिला परिषद के सदस्यों द्वारा तथा प्रखंड स्तर पर, पंचायत समिति के तहत प्रखंड प्रमुख एवं पंचायत समिति सदस्यों द्वारा एवं पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत के तहत मुखिया एवं वार्ड सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रकार के सुझाव एवं समस्याओं के बारे में सूचना हमारे पास पहुंची है। इन सुझावों एवं समस्याओं की समीक्षा कर आवश्यक कार्य करने का निर्देश दिया गया है। आज सभी पंचायत प्रतिनिधियों से अनुरोध करता हूँ कि सभी पंचायत सरकार भवन एवं

सोलर स्ट्रीट लाईट को मार्च, 2025 तक पूरा करने में आप सहयोग देंगे। सभी पंचायत प्रतिनिधियों को राज्य सरकार का पूरा सहयोग मिलता रहेगा। आपकी समस्याओं एवं सुझावों पर राज्य सरकार गौर करेगी। आज के इस अवसर पर पंचायती राज विभाग को विशेष तौर पर बधाई देता हूं।

कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज विभाग के कार्यों पर आधारित एक लघु वृत्त चित्र प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मिहिर कुमार सिंह ने हरित पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, पंचायती राज मंत्री श्री केदार प्रसाद गुप्ता, भवन निर्माण मंत्री श्री जयंत राज एवं पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मिहिर कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव श्री अनुपम कुमार, भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री

गोपाल सिंह, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव श्री दिवेश सेहरा, पंचायती राज विभाग के निदेशक श्री आनंद शर्मा, पंचायती राज विभाग की अपर सचिव श्रीमती प्रीति तोगड़िया उपस्थित थीं जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सांसदगण, विधायकगण, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न जिलों से जुड़े हुए जिलाधिकारीगण, अन्य पदाधिकारीगण एवं गणमान्य व्यक्ति जुड़े हुए थे।●

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना पर कार्यशाला का आयोजन

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

दिनांक 22 अक्टूबर 2024 को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के सबंध में बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के द्वारा इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना के निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक, आयुष्मान नोडल पदाधिकारी, सभी विभागाध्यक्षों एवं चिकित्सकों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री शशांक शेखर सिन्हा, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति ने उपस्थित विभागाध्यक्षों एवं चिकित्सकों से आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजनाके अंतर्गत जरूरतमंद लाभार्थियों को सुगमता पूर्वक गुणवत्तापूर्ण नि:शुल्क इलाज प्रदान करने हेतु अनुरोध किया। साथ ही श्री सिन्हा ने इस बात पर जोर दिया कि इलाज के दौरान किसी भी पात्र लाभार्थी द्वारा आउट ऑफ पॉकेट खर्च ना हो। बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के पदाधिकारियों एवं चिकित्सकों की टीम ने इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना के चिकित्सकों को हेल्थ बेनिफिट पैकेज, स्टैण्डर्ड ट्रिटमेंट गाइडलाइन्स, अन स्पेसिफाइड पैकेज, आउट ऑफ पॉकेट खर्च एवं हेल्थ बेनिफिट पैकेज के अंतर्गत रिजर्वेशन पॉलिसी के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण एवं जानकारी दी। साथ ही संस्थान में योजना के क्रियान्वयन के दौरान आ रहे प्रक्रियात्मक चुनौतियों एवं बाधाओं को दूर करने के भी उपायों पर विस्तृति चर्चा की गयी। इस अवसर पर डॉ. बिंदे, निदेशक, इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान ने कहा कि संस्थान में योजना के अंतर्गत इलाज प्रदान करने में प्रक्रियात्मक बाधाओं को दूर करने हेतु भविष्य में भी दोनों संस्थानों के बीच समन्वय बैठक का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर डॉ. बिंदे, निदेशक, इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, श्री मनीष मंडल, चिकित्सा अधीक्षक, इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, डॉ. जिउत राम केसरी, आयुष्मान नोडल पदाधिकारी, इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान,श्री शैलेश चन्द्र दिवाकर, प्रशासी पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति, डॉ. आलोक रंजन, डायरेक्टर ऑपरेशन,बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति, डॉ. अरशद अयूब, वरीय चिकित्सा पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति एवं इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार, डॉ. ओम कुमार, डॉ. समरेन्द्र कुमार, डॉ. प्रेम प्रकाश तथा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय उपस्थित थे। ज्ञात हो कि राज्य में योजना का क्रियान्वयन स्वास्थ्य अभिकरण के रूप में स्वास्थ्य विभाग, बिहार के अंतर्गत "बिहारस्वास्थ्य सुरक्षा समिति" द्वारा किया जा रहा है। अब तक लगभग1 करोड़ 50 लाखपरिवारों एवं 3 करोड़ 57 लाख व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड निर्गत किया जा चुका है। राज्य में इस योजना अंतर्गत 586 सरकारी एवं 435गैर सरकारी अस्पताल (कुल 1021अस्पताल) सूचीबद्ध किए जा चुके हैं। राज्य अंतर्गत एवं देश के अन्य सूचीबद्व सरकारी एवं निजी अस्पतालों के माध्यम से इस योजना के अन्तर्गत इलाज के लिए अब तक लगभग 13.95 लाख हॉस्पिटल एडमिशन हुए हैं। बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति द्वारा योजना के लाभार्थियों को बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए सूचीबद्ध अस्पतालों के नेटवर्क को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।●

दिव्यांगजन को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करें : राज्यपाल

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

'सभी दिव्यांगजन के साथ मानवीय व्यवहार होना चाहिए। हमें उनके साथ आत्मीय संबंध स्थापित करना चाहिए। उनमें भी कुछ-न-कुछ अतिरिक्त विशेषताएँ हैं। दिव्यांगजन के प्रति हमारी मानसिकता बदलने की जरूरत है। वे दया के पात्र नही हैं, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है और यह दायित्व हम सबका है।' यह बातें माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने 19 अक्टूबर 2024 को ऊर्जा स्टेडियम, पटना में इंडियन डीफ क्रिकेट एसोसियेशन द्वारा आयोजित 8वें टी-20 राष्ट्रीय क्रिकेट चौम्पियनशिप के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही। राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं

जिनका लाभ उन्हें मिलना चाहिए। इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। दिव्यांग बच्चों को अवसर मिलने पर वे नई ऊँचाइयाँ हासिल करेंगे। राज्यपाल ने बिहार के नामचीन क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ-साथ इस टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने विजेता एवं उप विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान किया।

कार्यक्रम को माननीय समाज कल्याण मंत्री श्री मदन सहनी, माननीय सूचना एवं जन-सम्पर्क मंत्री श्री महेश्वर हजारी, माननीय राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल एवं समाज कल्याण विभाग के निदेशक श्री विजय प्रकाश मीना ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर निदेशक, संग्रहालय श्री राहुल कुमार, इंडियन डीफ क्रिकेट एसोसियेशन के निदेशक श्री संतोष कुमार राय, अध्यक्ष श्री सुमित जैन, देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ीगण, इस प्रतियोगिता के आयोजन से जुड़े महानुभावगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

निर्माणाधीन मल्टीलेवल हब एवं सब-वे का कार्य तेजी से करें : मुख्यमंत्री

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 18 अक्टूबर 2024 को पटना जंक्शन के समीप निर्माणाधीन मल्टीलेवल हब एवं भूमिगत मार्ग (सब-वे) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री निर्माणाधीन तीन मंजिला मल्टीलेवल हब के सबसे ऊपरी तल पर पहुंचे। नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को साइट प्लान के द्वारा निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मल्टीलेवल पार्किंग में 32 बस एवं 225 कार पार्किंग की व्यवस्था है। इस पार्किंग का सीधा सम्पर्क बुद्धस्मृति पार्क के पास बने हुये पार्किंग एवं पटना रेलवे जंक्शन से सब-वे के माध्यम से होगा। लोगों को गाड़ी पार्क करने के बाद पटना जंक्शन जाने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। इसके बन जाने से पटना जंक्शन के आस-पास लगनेवाले जाम से लोगों को निजात मिलेगी। लोगों को हनुमान मंदिर जाने में भी सुविधा होगी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य को तेजी से पूर्ण करें। मल्टीलेवल पार्किंग की छत पर सोलर प्लेट भी लगाएं ताकि यहां की बिजली की आवष्यकता को पूर्ण किया जा सके। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने मल्टीलेवल पार्किंग से पटना जंक्शन के निर्माणाधीन सब-वे का निरीक्षण किया। ज्ञातव्य है कि इस परियोजना का उद्देश्य पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन परिक्षेत्र अन्तर्गत यातायात व्यवस्था को विकसित किया जाना है। पटना जी०पी०ओ० गोलम्बर के समीप मल्टीलेवल पार्किंग (हब) का निर्माण किया जा रहा है, जो यातायात के विभिन्न स्त्रोतों को जोड़ने वाला एक प्रमुख केन्द्र है। यहां सिटी बस, ऑटो, टैक्सी एवं निजी कार पार्किंग की व्यवस्था है, जहाँ से पटना रेलवे स्टेशन तथा महावीर मंदिर, बुद्धा पार्क को जोड़ने हेतु सब-वे का निर्माण किया गया है। यात्रियों के लिए मल्टीलेवल पार्किंग से पटना जंक्शन तक की सब-वे की कुल लम्बाई 440 मीटर है। इसमें ट्रैवलेटर की संख्या-04 होगी, जिनकी लम्बाई क्रमशः 18 मीटर, 30 मीटर, 45 मीटर एवं 55 मीटर अर्थात कुल 148 मीटर है। एस्केलेटर की संख्या-02 तथा अंडर ग्राउंड बॉक्स एरिया लिफ्ट की संख्या-02 (महावीर मंदिर निकास के पास एवं मल्टी-लेवल पार्किंग के पास) होगी। भूमिगत लम्बाई में हेल्थ वेन्टिलेशन एयर कंडिशनिंग की व्यवस्था होगी। इसमें 03 जगहों- मल्टीलेवल पार्किंग के निकट, बुद्धा स्मृति पार्क तथा पटना जंक्शन के निकट हनुमान मंदिर के बगल से प्रवेश/ निकास की व्यवस्था होगी। इस सब-वे के निर्माण से ट्रेन यात्रियों को आवागमन में सहूलियत होगी और उन्हें कहीं भी जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। पैदल यात्री रेलवे स्टेशन के ट्रैफिक जाम से बचते हुए सब-वे का उपयोग कर मल्टी-लेवल पार्किंग तक पहुंच सकेंगे और विभिन्न जगहों पर आवागमन कर सकेंगे।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना जंक्शन के समीप ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए इस सब-वे का निर्माण कराया जा रहा है। इस स्थान पर काफी भीड़-भाड़ रहती है, जिसके कारण रोड क्रॉस करना कठिन होता है साथ ही दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है। इस कारण सब-वे की परिकल्पना की गई। उन्होंने कहा कि इसका निर्माण कार्य बेहतर ढंग से करते हुए जल्द पूरा करें ताकि यात्रियों को आवागमन में सहूलित हो और जाम की परेशानी से उन्हें निजात मिले। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री नितिन नवीन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, पटना प्रमण्डल के आयुक्त श्री मयंक बरवड़े, पटना के जिलाधिकारी डॉ0 चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष श्री शीर्षत कपिल अशोक, नगर आयुक्त श्री अनिमेष पराशर सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।●

सीएम नीतीश ने कटिहार जिले में विभिन्न योजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 16 अक्टूबर 2024 को कटिहार जिला अंतर्गत बरारी प्रखंड के लक्ष्मीपुर पंचायत स्थित भगवती मंदिर इंटर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 405.53 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विभागों के 183 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट का अनावरण कर किया। इनमें 107.87 करोड़ रुपये की लागत से 52 योजनाओं का उद्घाटन एवं 297.66 करोड़ रुपये की लागत से 131 योजनाओं का शिलान्यास कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री ने गंगा/कोसी नदी के कटाव से विस्थापित एवं गरीब भूमिहीन परिवारों को दिए जानेवाले आवासीय भूमि का बंदोबस्ती पर्चा की सूची का डिजिटल माध्यम से एवं भौतिक रूप से पुस्तिका का विमोचन किया। कटिहार जिला के बरारी अंचल अंतर्गत 5279 तथा कुर्सेला अंचल के 353 विस्थापित एवं भूमिहीन गरीब परिवारों को आवासीय भूमि का बंदोबस्ती पर्चा का लाभ दिया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से गंगा/कोसी के कटाव से विस्थापित एवं भूमिहीन गरीब परिवारों के 10 लाभुकों को आवासीय भूमि का बंदोबस्ती पर्चा प्रदान किया। राज्य संपोषित मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना के तहत आवास निर्माण हेतु वित्तीय सहायता, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, कृषि यांत्रिकरण योजना, जैविक कॉरिडोर योजना, मुख्यमंत्री अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना, मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा, कार्यक्रम के लाभुकों को मुख्यमंत्री ने सांकेतिक चेक एवं स्वीकृति पत्र प्रदान किया। जीविका द्वारा संपोषित 996 स्वयं सहायता समूहों को 10.60 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक, विभिन्न बैंकों द्वारा 17,702 स्वयं सहायता समूहों को 143.92 करोड़ रुपये की राशि का सांकेतिक चेक एवं सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत 889 परिवारों को स्वरोजगार हेतु 3.87 करोड़ रुपये की राशि का सांकेतिक चेक मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों को प्रदान किया। इसके पूर्व बी0एम0 इंटर कॉलेज प्रांगण में जीविका, उद्योग विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम संसाधन विभाग, जिला निबंधन सह परामर्श केंद्र, कृषि विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रदर्शित स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस

कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आप सभी इतनी बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं। आज इस कार्यक्रम के माध्यम से कटिहार जिले के 5 हजार से भी ज्यादा कटाव पीड़ित विस्थापित एवं भूमिहीन गरीब परिवारों को आवासीय भूमि का बंदोबस्ती का पर्चा दिया जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न विभागों की योजनाओं के लाभ का वितरण लाभुकों के बीच किया जा रहा है। विभिन्न बैंकों द्वारा 150 करोड़ रुपये की राशि का वितरण स्वयं सहायता समूहों के बीच आज किया गया है। सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत 900 परिवारों को अपना रोजगार शुरू करने के लिए करीब 4 करोड़ रुपये की राशि आज दी जा रही है। यह देखकर मुझे काफी प्रसन्नता हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 400 करोड़ रुपये से अधिक कुल 183 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया है। इससे लोगों को काफी फायदा मिलेगा। हम अनेक बार कटिहार जिले में जगह-जगह जाकर लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनते हैं और उसका तत्काल निदान करने की दिशा में काम करने हेतु अधिकारियों को निर्देश देते हैं। 6 दिसंबर 2022 को मनिहारी अनुमंडल के देवड़ा घाट को गंगा नदी के कटाव से हुए नुकसान को हम देखने आए थे। 5 जनवरी 2023 को समाधान यात्रा के क्रम में मैं यहां आकर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुआ था। उस समय तक कोसी और गंगा नदी के कटाव से विस्थापित हुए परिवारों को आवासीय भूमि उपलब्ध कराने हेतु जमीन चिन्हित नहीं की गई थी लेकिन आज इस कार्यक्रम के माध्यम से विस्थापित एवं भूमिहीन गरीब परिवारों को आवासीय भूमि का बंदोबस्ती का पर्चा प्रदान कर मुझे बेहद सुखद अनुभूति हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के अगस्त महीने में भी आई बाढ़ से भी काफी लोग प्रभावित हुए, इन्हें सरकार की तरफ से हरसंभव मदद पहुंचाई गई। बाढ़ प्रभावित इलाकों में सामुदायिक किचन, पशुओं के लिए चारा आदि का प्रबंध किया गया। वर्ष 2005 से जब हमें काम करने का मौका मिला तब से हमलोग आपदा प्रभावित इलाकों में लोगों को मदद पहुंचाने का काम कर रहे हैं। आपदा से जो भी नुकसान होता है उसका आकलन कराकर हर प्रकार की सहायता लोगों को दी जाती है। प्रारंभ से ही हम यह कहते रहे हैं कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। हमलोगों ने इस वर्ष हुए बाढ़ से नुकसान को देखते हुए साढ़े सात लाख से भी अधिक प्रभावित परिवारों को प्रति परिवार 7 हजार रुपये की आर्थिक मदद से सीधे उनके बैंक खाता में भेजा है। अन्य प्रकार से भी प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाई जा रही है। हमने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बाढ़ से हुई फसल क्षति का जल्द से जल्द आकलन कर दीपावली के पहले फसल क्षति का मुआवजा किसानों को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि यहां की जरूरतों और लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए बरारी, कुर्सेला और समेली में नए प्रखंड सह अंचल कार्यालय स्थापित करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। यहां के लोगों ने बताया है कि बरारी प्रखंड के देवड़ा घाट के नजदीक पुल की आवश्यकता है। इसके लिए भी हमने अधिकारियों को निर्देश दे दिया है। आज आपके बीच आकर मुझे बहुत खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा बिहार के

हर क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। यह हमलोगों का फर्ज है कि विकास कार्य इस प्रकार से किया जाए कि लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो। वर्ष 2005 में जब हमने बिहार की कमान संभाली, उसके बाद ही वर्ष 2007 में 22 जिलों में आपदा से काफी नुकसान हुआ था। प्रभावित लोगों को हर प्रकार से मदद पहुंचाई गई। हमलोग हर प्रकार से बिना किसी भेदभाव के बिहार की तरक्की के लिए प्रारंभ से ही काम कर रहे हैं। वर्ष 2005 के पहले जिनको मौका मिला वे बिहार के विकास के लिए कोई काम नहीं किये। वर्ष 2004-05 में बिहार का बजट जहां करीब 24 हजार करोड़ रुपये था। वहीं अब बढ़कर 2 लाख 82 हजार करोड़ रुपये हो गया है। हमलोगों ने पूरे बिहार में बड़ी संख्या में विद्यालय भवन बनाया। महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक काम किए गए। बच्चे-बच्चियों को पढ़ाने एवं उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हर प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है। दलित-महादलित, पिछड़ा-अति पिछड़ा, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति, हिन्दू-मुस्लिम सहित सबके विकास के लिए निरंतर काम किए जा रहे हैं। वर्ष 2005 से पहले बिहार में हिन्दू-मुस्लिम विवाद की खबरें अक्सर मिलती थी। अब चारों तरफ शांति और सौहार्द्र का वातावरण है। हमारी सरकार सबके हित में काम करती है, यह उसी का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो बार गलती से हमलोग उधर चले गये लेकिन अब यह गलती कभी दोबारा नहीं करेंगे। हम लोग पूरी मजबूती के साथ एकजुट रहकर बिहार की तरक्की और जनता की भलाई के लिए काम करते रहेंगे। आप सभी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। पुनः मैं आपका अभिनंदन करता हूं और आप सबके प्रति आभार प्रकट करता हूं।

कार्यक्रम को जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण सह बिहार जिला के प्रभारी मंत्री श्री नीरज कुमार बबलू, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्रीमती लेशी सिंह, विधायक श्री तारकिशोर प्रसाद एवं विधायक श्री विजय सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्री मनेश कुमार मीना, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं ने मुख्यमंत्री को पौधा, पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र तथा मखाना का माला पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण एवं कटिहार जिला के प्रभारी मंत्री श्री नीरज कुमार बबलू, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्रीमती लेषी सिंह, विधायक श्री तारकिशोर प्रसाद, विधायक श्री विजय सिंह, विधायक श्रीमती कविता देवी, विधायक श्रीमती निशा सिंह, विधायक श्री महबूब आलम, विधान पार्षद श्री अशोक कुमार अग्रवाल, पूर्व मंत्री श्री हेमराज सिंह, पूर्व सांसद श्री दुलाल चंद्र गोस्वामी, पूर्व सांसद श्री अशफाक करीम, जदयू जिला अध्यक्ष श्री सूरज प्रकाश राय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री मनोज राय, लोजपा (रामविलास) जिलाध्यक्ष श्रीमती संगीता देवी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, आयुक्त पूर्णिया प्रमंडल श्री संजय दूबे, पूर्णिया के पुलिस महानिरीक्षक श्री राकेश राठी, जिलाधिकारी श्री मनेष कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। ●

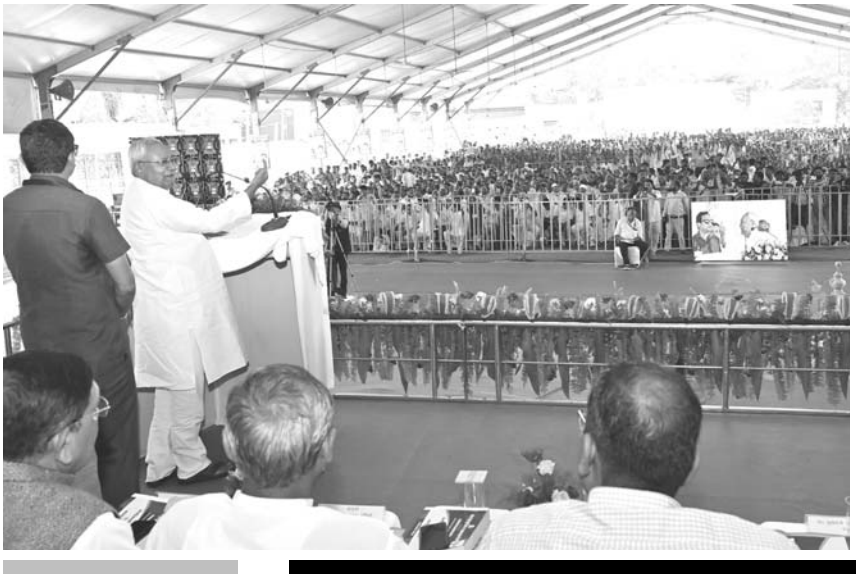

पांच महीनों में अपने अंतिम स्वरूप में आ जायेगा स्मार्ट सिटी : नितिन नवीन

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहयोग से 08 अक्टूबर 2024 को सूचना भवन के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को माननीय मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, श्री नितिन नवीन द्वारा संबोधित किया गया। इस अवसर पर विभाग के सचिव, श्री अभय कुमार सिंह सहित विभिन्न योजनाओं के राज्य नोडल पदाधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर मंत्री ने बताया कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 74 स्कीम का काम पूरा हो गया है और 55 स्कीम में 70 प्रतिशत काम पूर्ण है। उन्होंने कहा कि ठोस कचरा प्रबंधन को सरकार काफी महत्व दे रही है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही इसके प्रबंधन पर क्लब किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम को निदेशित है कि सेग्रीगेशन के मॉडल को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि सौलिड बेस्ड ग्रीन फ्यूनरल सिस्टम शुरू किया गया है। भागलपुर में यह प्रारंभ है और आने वाले समय में हर जिले में इसकी एक यूनिट बनाई जायेगी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी में आई. सी.सी. में कंट्रोल एंड कमांड सेंटर है जिससे शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने में मदद मिलती है। विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह ने कहा कि सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है। बक्सर से लेकर कटिहार तक गंगा किनारे निकायों की संख्या 141 से बढ़कर 261 हो गई है जो दिखाता है सरकार शहरों में बेहतर व्यवस्था देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे विभाग की अन्य गतिविधियों की जानकारी दी जो निम्नवत् है:-

☞ **मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना** :- राज्य के शहरी क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु एक ऐसी योजना प्रारंभ की गयी है. जिसमें जल निकास सहित चौड़ी, सुदृढ, गुणवता युक्त सड़कों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार तथा पार्को, घाटों, जलाशयों इत्यादि का एक साथ प्रावधान हो, ताकि राज्य के सभी शहरी क्षेत्रों में विकास की गति त्वरित हो सके। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 से एक नई योजना मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के नाम से प्रवर्तित एवं कार्यान्वित की गयी है। इस योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 तथा वर्ष 2025-26 के लिए प्रत्येक वर्ष 500.00 रू० करोड रूपये (पाँच सौ करोड़ रूपये) की राशि कर्णाकित की जायेगी। उक्त राशि के 3 गुणा राशि (BOS3) तक की योजनाएँ ली जायेगी। ये योजनाएँ चिन्हित की जा रही हैं।

☞ **ठोस एवं तरल अपशिष्ट का प्रबंधन** :- सूखे एवं गीले कचरे को मशीन के माध्यम से प्रसंस्करण एवं निष्पादन हेतु पटना में 100 TPd का Bio-Methanation एवं Waste to Energy Plant तथा अन्य निकायों में Sanitary Landfill, कम्पोस्ट एवं Material Recovery Facility (MRF) plant लगाया जाना प्रस्तावित है। उपयोग किये गये जल के प्रबंधन हेतु STp Cum Faecal Sludge Plant लगाया जाना प्रस्तावित है। निकायों को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से 286 सहायक लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी का पद सृजित किया गया है। उक्त पद पर वर्तमान में 232 सहायक लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी कार्यरत है तथा 54 पदों पर बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से बहाली हेतु अधियाचना सामान्य विभाग को भेज दी गई है। राज्य में ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन एवं निस्तारण किये जाने हेतु Integrated Solid Waste Management (ISWM) योजना प्रस्तावित है। उक्त योजना अन्तर्गत कुल 24 क्लस्टर में 161 नगर निकायों तथा शेष 100 निकायों में Standalone विधि से प्रबंधन किया जाना है। ISWM अन्तर्गत प्रसंस्करण सुविधा में सूखे कचरे के प्रबंधन हेतु Material Recovery Facility (MRF) और Refused Derived Fuel (RDF) और गीले कचरे के प्रबंधन हेतु Bio Methanation संयंत्र तथा कम्पोस्ट प्लांट तथा बचे हुए Insert कचरे के निस्तारण हेतु वैज्ञानिक लैंडफिल सुविधाएं प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त पटना क्लस्टर के लिए 15 मेगावाट का अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र भी प्रस्तावित है।

☞ **मुख्यमंत्री शहरी पेयजल निश्चय योजना** :- राज्य के शहरी क्षेत्रों में वासित प्रत्येक परिवार को नल का शुद्ध जल उपलब्ध कराने हेतु मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना लागू है। इस योजनान्तर्गत नगर निकायों में प्रत्येक परिवार को नल का जल उपलब्ध कराया जाना है। इस क्रम में कुल 261 नगर निकायों के कुल लक्षित 26,66,277 घरों के विरुद्ध 26,06,212 घरों में नल का शुद्ध जल उपलब्ध कराया जा रहा है। शीघ्र ही शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त कर ली जायेगी। अमृत योजना एवं गंगाजल आपूर्ति योजना के माध्यम से भी पेयजल आपूर्ति का कार्य किया जा रहा है। आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय-02 योजना अंतर्गत राज्य के शहरी क्षेत्रों में जल जमाव की समस्या के समाधान हेतु स्ट्रॉर्म वाटर ड्रेनेज योजना का निर्माण कराया जाना है। इस योजना अंतर्गत पटना सहित कुल 20 शहरों के लिये कुल 2863.9542 करोड़ रूपये की योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत योजनाओं की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

☞ **नमामि गंगे कार्यक्रम** :- नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत राज्य में गंगा नदी को प्रदूषण से मुक्त कराने हेतु गंगा नदी एवं गंगा की सहायक नदियों के तट पर अवस्थित 27 शहरों में 37 परियोजनायें स्वीकृत हैं। इन 37 परियोजनाओं में से 14 सीवरेज परियोजनायें यथा बेउर, करमलीचक, सैदपुर एवं पहाड़ी एस.टी.पी., बेउर सैदपुर, पहाड़ी जोन IV । (S) एवं पहाडी जोन V सीवरेज नेटवर्क का कार्य पूर्ण है। चालू 15 सीवरेज परियोजनाओं में से 8 परियोजनाओं यथा करमलीचक

सीवरेज नेटवर्क, मोकामा बख्तियारपुर, छपरा, फुलवारीशरीफ आई. एण्ड डी. एवं एस.टी.पी. तथा बेगूसराय एवं हाजीपुर एस.टी.पी. एवं सीवरेज नेटवर्क में 90% से अधिक कार्य हो चुका है तथा शेष चालू 8 परियोजनाओं का कार्य प्रगति में है।

☞ **स्मार्ट सिटी मिशन :-** भागलपुर, मुजफ्फरपुर, पटना एवं बिहारशरीफ शहर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने हेतु SPV का गठन कर लिया गया है तथा योजना के अधीन पटना, भागलपुर मजुफ्फरपुर एवं बिहारशरीफ के ैच्ट के सफल कार्यान्वयन के लिए संविदा आधारित पदों का सृजन किया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन योजना में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की भागीदारी 50रू50 अनुपात में है। प्रत्येक स्मार्ट सिटी शहर को पाँच वर्षा तक 100.00 करोड़ रूपये (एक सौ करोड़ रूपये) केन्द्र सरकार द्वारा तथा 100.00 करोड़ रूपये (एक सौ करोड़ रूपये) राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जाना है। भागलपुर स्मार्ट सिटी को केन्द्रांश एवं राज्यांश मिलाकर कुल राशि रू० 980.00 करोड़ रूपये (नौ सौ अस्सी करोड़ रूपये), पटना स्मार्ट सिटी को 733.50 करोड़ रूपये (सात सौ तैतीस करोड़ पचास लाख रूपये), मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी को 854.47 करोड़ रूपये (आठ सौ चौवन करोड़, सैतालिस लाख रूपये) एवं बिहारशरीफ स्मार्ट सिटी को 755.25 करोड़ रूपये (सात सौ पचपन करोड़ पच्चीस लाख रूपये) विमुक्त किया गया है।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत कई परियोजनाएँ चल रही हैं, जैसे, ICCc परियोजना के तहत यातायात एवं अन्य गतिविधियों की निगरानी हेतु कैमरा का अधिष्ठापन कार्य, पार्कों का जीर्णोद्वार कार्य, River Front Development, झीलों एवं तलाबों का सौंदर्गीकरण कार्य, सड़क एवं नालों का निर्माण कार्य, Multilevel Car Parking का निर्माण, Road Over Bridge एवं Foot over Bridge का निर्माण कार्य।

स्मार्ट सिटी मिशन अन्तर्गत चारों स्मार्ट सिटी में कुल 129 परियोजनाएँ स्वीकृत है, जिसमें से 74 परियोजनाओं का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 55 परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है।

☞ **सम्राट अशोक भवन निर्माण :-** राज्य के शहरी क्षेत्रों में जगह के अभाव के कारण विभिन्न आयोजन आदि करने में कठिनाई होती थी, इसे देखते हुए राज्य के सभी नगर निकायों में बहुउद्देशीय नगर भवन के रूप में सम्राट अशोक भवन निर्माण कराये जाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है। इसके अंतर्गत दक्षिणी बिहार क्षेत्र में 1. 35 करोड रूपये (एक करोड़ पैंतीस लाख रूपये) एवं उत्तरी बिहार क्षेत्र में 1.39 करोड़ रूपये (एक करोड़ उनतालीस लाख रूपये) की लागत से अब तक 121 नगर निकायों में सम्म्राट अशोक भवन निर्माण की योजना स्वीकृत की जा चुकी है। शेष नगर निकायों में योजना के स्वीकृति की कार्रवाई की जा रही है।

☞ **मोक्षधाम योजना :-** शवों के अंतिम संस्कार हेतु पर्यावरण की स्वच्छता एवं आम नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए सुशासन के कार्यक्रम, 2020-25 के अंतर्गत आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्यच-02 के अंतर्गत राज्य के 39 शहरों महत्वपूर्ण नदी घाटों पर कुल 234.15 करोड़ रू० (दो सौ चौंतीस करोड़ पन्द्रह लाख रूपये) की लागत से शवदाहगृह निर्माण योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन योजनाओं के पूर्ण होने की अवधि दिसम्बर, 2024 निर्धारित की गई है।

☞ **वृद्धजनों हेतु आश्रय स्थल का निर्माण :-** आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्यच-02 अंतर्गत राज्य के शहरी क्षेत्रों में निराश्रित, उपेक्षित, बेसहारा एवं अन्य वरिष्ठ नागरिकों को आश्रय सहित सहित अन्य सुविधाओं के माध्यम से उनके स्वास्थ्य एवं गरिमापूर्ण जीवन यापन यापन हेतु राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री वृद्धजन आश्रय स्थल योजना की शुरूआत की गई है। इसके अंतर्गत प्रत्येक जिला मुख्यालय (पटना को छोड़कर) में अवस्थित 37 नगर निकायों में एक युनिट (50 बेड) वृद्ध आश्रय स्थल के संचालन हेत कुल 19.67 करोड़ रू0 की राशि आवंटित की गई है। जिला मुख्यालय के बाद द्वितीय चरण में अनुमंडल मुख्यालय में वृद्धजन आश्रय स्थल खोलने पर विचार किया जाएगा।

☞ **राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NULM):-** शहरी गरीबी के उन्मूलन हेतु प्रदेश के सभी नगर निकायों में, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन का कियान्वयन किया जा रहा है। राज्य में अब तक कुल 1,83,296 फुटपाथ विक्रेताओं की पहचान कर इन्हें विकय प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जा चुका है। साथ ही अबतक कुल 1,66,790 फुटपाथ विकेताओं को च्ड स्वनिधि योजना अन्तर्गत बैंकों के माध्यम से ऋण प्रदान हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी है। आगामी एक वर्ष में राज्य के शहरी क्षेत्रों में 20,000 गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसको ध्यान में रखते हुए योजना के प्रभावी कियान्वयन हेतु विभाग द्वारा जीविका के साथ एकरानामा किया गया है।

☞ **पटना मेट्रो रेल परियोजना :-** सार्वजनिक यातायात को सुलभ बनाने एवं सस्ती यातायात की सुविधा आम नागरिकों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा पटना मेट्रो रेल परिचालन का निर्णय लिया गया, जिसकी कुल लम्बाई 32.5 कि०मी० है। इसमें कुल 25 स्टेशन प्रस्तावित (12 Elevated, 12 Under Ground एवं At Grate Transite Station) है। इसकी अनुमानित लागत 13365.77 करोड़ रू० है। प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत वर्तमान में पटना मेट्रो रेल के दो कोरिडोर का चयन किया गया है। कॉरिडोर-1, जो दानापुर से प्रारंभ होकर जवाहर लाल नेहरू मार्ग (बेली रोड), पटना रेलवे स्टेशन, मीठापुर से गुजरते हुए खेमनीचक तक जाती है. इसकी कुल लंबाई 17. 93 कि०मी० है। कॉरिडोर-Ii जो पटना रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर आकाशवाणी, गाँधी मैदान, आशोक राज पथ, मोइनुलहक स्टेडियम, मलाही पकड़ी, खेमनीचक, जीरोमाईल होते हुए पाटलीपुत्रा बस टर्मिनल तक जाती है, इसकी कुल लंबाई 14.57 कि०मी० है। योजना के तहत अब तक कुल राशि लगभग रू० 4286 करोड़ रू० (चार हजार दो सौ छियासी करोड़ रूपये) उपलब्ध करायी जा चुकी है।

वर्तमान में पटना मेट्रो का Priority Corridor पर कार्य किया जा रहा है, जो पाटलीपुत्रा बस टर्मिनल से शुरू होकर मलाही पकड़ी तक प्रस्तावित है। इसकी कुल लम्बाई 6. 5 कि०मी० है और इसमें कुल 5 स्टेशन होंगे, जो निम्नांकित हैं:-

1. पाटलीपुत्रा बस टर्मिनल।
2 जीरोमाईल ।
3 भूतनाथ।
4. खेमनीचक।
5. मलाही पकड़ी।

☞ **मेट्रो रेल परियोजना मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा एवं भागलपुर :-** बिहार के चार महत्वपूर्ण घनी आबादी वाले शहरों यथा मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा एवं भागलपुर व्यापारिक एवं ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन इत्यादी का महत्वपूर्ण केन्द्र होने का कारण यहाँ की यातायात व्यवस्था पर काफी दबाव रहता है। यातायात व्यवस्था को सुगम करने, पर्यावरण को संरक्षित रखने एवं सुलभ यातायात की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिनांक- 21.06. 2024 द्वारा इन शहरों में मेट्रो रेल परिचालन की स्वीकृति प्रदान की गई है। नगर विकास एवं आवास विभाग तथा RITES Ltd. के बीच दिनांक-25.07.2024 को ।हतममउमदज किया गया। इन चार शहरों में मेट्रों रेल के परिचालन की संभाव्यता हेतु Feasibility Study एवं Compresensive Mobility Plan, Alternative Analysis Report द्वारा किया जा रहा है।

☞ **बिहार संग्रहालय से पटना संग्रहालय तक सब वे निर्माण योजना :-** राज्य में पर्यटन के अवसरों में वृद्धि करने तथा ऐतिहासिक घटनाओं-परिद्रश्यों से नई पीढी को अवगत कराने हेतु निर्मित बिहार संग्रहालय को पूर्व से निर्मित पटना संग्रहालय से जोड़ने हेतु कुल 542.00 करोड रू० (पाँच सौ बयालीस करोड़ रूपये) की

सब-वे निर्माण योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसका कार्यान्वयन दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा कराया जा रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को काम करने के लिए फिलहाल 75 करोड रूपये हस्तांतरित किया गया है।

☞ **रोजगार सृजन :-** नगर विकास एवं आवास विभाग में अगले एक वर्ष में स्वीकृत विभिन्न कोटि के पदों पर नियमित नियुक्ति हेतु 3956 पदों की अधियाचना आयोग को प्रेषित की गई है, जिस पर शीघ्र ही नियमित नियुक्ति होने की संभावना है। सहायक अभियंता (असैनिक) के 168 एवं सहायक अभियंता (यांत्रिक) के 58 पदों पर नियमित नियुक्ति की गई है। नगर निकायों को स्वच्छ रखने के साथ-साथ ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (Solid and wet waste Management) के उद्देश्य से 272 सहायक लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है। नगर निकायों में स्थापित नियमों एवं अधिनियमों के अनुरूप निर्माण एवं नक्शा स्वीकृति तथा शहरों के सुव्यवस्थित बसाने के उद्देश्य से 80 सहायक नगर योजना (टाउन प्लानिंग) पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई है। नगर निकायों के सुचारू संचालन के उद्देश्य से 110 नगर कार्यपालक पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है।●

पीएम गति शक्ति पूर्वी क्षेत्र जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा बिहार सरकार के सहयोग से पीएम गति शक्ति जिला स्तरीय कार्यशाला ष् दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ 17 अक्टूबर, 2024 को किया गया। पटना के होटल मौर्य में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में बिहार, ओडिशा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के 44 जिलों से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य जिला स्तर पर 'पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' (पीएम जीएस-एनएमपी) को बढ़ावा देना है, जो बुनियादी ढांचे और क्षेत्र विकास योजना पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम में जिला अधिकारियों, केंद्रीय मंत्रालयों और अन्य प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाकर पीएम गति शक्ति प्लेटफार्म का समग्र और एकीकृत योजना में उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के माननीय उद्योग एवं पर्यटन मंत्री श्री नीतीश मिश्रा, उद्योग विभाग की सचिव श्रीमती बंदना प्रेयशी, डी पी आई आई टी के संयुक्त सचिव श्री ई० श्रीनिवास, उद्योग विभाग बिहार के निदेशक श्री आलोक रंजन घोष और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। इसमें केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ योजनाए उद्योग, शिक्षा, वन, जिला परिषद, आकांक्षी ब्लॉक, पंचायत, राजस्व, जल और भूमि से संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बिहार सरकार के माननीय मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने 2047 के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने राज्य विभागों और जिलों के अधिकारियों से ष्पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' का उपयोग परियोजना और डेटा-आधारित निर्णय लेने के लिए करने का आग्रह किया। डी पी आई आई टी के संयुक्त सचिव श्री ई० श्रीनिवास ने बताया कि 'पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' राष्ट्र की विकास यात्रा का मुख्य आधार बन चुका है और यह 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से संरेखित है। इस योजना के तहत अब तक 213 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया है, जिनमें से 17 परियोजनाए कमो आरटीएच की 8ए मोआर की 7ए एनआईसीडीसी की 1 और एमओसीए की 1 या तो बिहार में होंगी या राज्य से हो कर गुजरेंगी। इसके अतिरिक्त, 'अमृतसर कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (AKIC) परियोजना' के तहत 'गया में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (IMC)' का मूल्यांकन किया गया है, जिससे गया के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होने की उम्मीद है।

उद्योग विभागए बिहार सरकार की सचिव श्रीमती बंदना प्रेयशी ने 'पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस पोर्टल में वन और भूमि जैसी मंजूरी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की क्षमता है, जिससे व्यापार सुगमता (ईओडीबी) और जीवन सुगमता (ईओएल) में सुधार होगा। कार्यशाला के दौरान 'बीआईएसएजी-एन' और विभिन्न मंत्रालयोंध्वि भागों द्वारा पीएमजीएस की सर्वोत्तम प्रथाओं और उपयोग के मामलों का प्रदर्शन किया गया। साथ हीए 'पीएमजीएसएनएमपी' प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए जिला कलेक्टरों ने बुनियादी ढांचा और सामाजिक क्षेत्र विकास की संभावित योजनाओं प रप्रकाश डाला। कार्यशाला ने विभिन्न राज्यों और जिलों के अधिकारियों के बीच सीखने और सहयोग का अवसर प्रदान किया, जिससे 'पीएम गति शक्ति' को जिला स्तर पर अपनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।●

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्तों को सौंपा नियुक्ति पत्र

● गुड्डी साव

मुख्यमंत्री ने नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर चाईबासा के खूँटपानी, बोकारो के नवाडीह और दुमका के मसलिया में तीन विद्यालयों का किया ऑनलाइन शिलान्यास मुख्यमंत्री ने जैक, सीबीएसई, आईसीएसई के 10 वीं तथा 12 वीं बोर्ड परीक्षा एवं झारखंड ओलंपियाड के टॉपर्स को किया सम्मानित । मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा झारखंड मंत्रालय में आयोजित समारोह में एक बार फिर एक साथ कई सौगातें दी। उन्होंने समरोह में 76 नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इनमे झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में 35 लॉ एग्जीक्यूटिव, 4 एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, 21 अस्सिटेंट इंजीनियर और 10 स्कूल मैनेजर तथा झारखंड भवन नई दिल्ली तथा मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग में 6 को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उन्हें सरकार के अभिन्न अंग के रूप में जुड़ने के लिए शुभकामनाएं दी। वहीं, नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर चाईबासा के खूंटपानी, बोकारो के नवाडीह और दुमका के मसलिया में विद्यालय भवन का ऑनलाइन शिलान्यास कर झारखंड को उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करने का संकल्प दोहराया। समारोह उस वक्त और विशेष बन गया, जब मुख्यमंत्री ने विद्यालय प्रमाणीकरण में स्वर्ण स्थान प्राप्त करने वाले 60 विद्यालयों, जैक, सीबीएसई, आईसीएसई के वर्ष 2023 एवं वर्ष 2024 में 10 वीं तथा 12 वीं बोर्ड परीक्षा और झारखंड ओलंपियाड – 2023 के टॉपर्स को सम्मानित कर उनके हौसले, उत्साह और मनोबल को बढ़ाते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों से कहा कि आज से आप सरकार के एक अभिन्न अंग के रूप में जुड़ रहे हैं। राज्य के सर्वांगीण विकास का पहिया आप बन रहे है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप अपने कार्यों से राज्य को बेहतर दिशा देने में अहम भूमिका निभाएंगे । मुख्यमंत्री ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि आपको आज पुरस्कार नहीं प्रोत्साहन राशि मिल रहा है। ताकि, आप आगे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें पहले इसका दायरा काफी सीमित था। लेकिन, अब इसमें जैक के अलावा सभी अन्य सभी बोर्ड के टॉपर्स को भी शामिल कर उन्हें पुरस्कृत किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य अपने मेधावी विद्यार्थियों की शिक्षा को नई दिशा देना है। उन्होने कहा कि झारखंड की पहचान सामान्य तौर पर अपने खनिज संसाधनों के लिए होती है। लेकिन, हम इस उद्देश्य के साथ काम कर रहे हैं कि प्रतिभा संपन्न राज्य के रूप में झारखंड की अलग पहचान बने, चाहे वह शिक्षा हो या खेल या कोई और क्षेत्र।सरकार शिक्षा के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

☞ **पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाने पर सरकार जल्द लेगी नीतिगत निर्णय :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत सरकार यहां के विद्यार्थियों को विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दे रही है । अभी इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों की संख्या सीमित है। लेकिन, विद्यार्थियों के आग्रह को देखते हुए इस योजना का दायरा बढ़ाने पर सरकार जल्दी नीतिगत निर्णय लेगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके । इस अवसर पर मंत्री श्री रामेश्वर उरांव, मंत्री श्री बैद्यनाथ राम, मुख्य सचिव श्री एल खियांग्ते, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के प्रभारी सचिव श्री उमा शंकर सिंह एवं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के एसपीडी श्री शशि रंजन मौजूद थे ।●

सीएमपीडीआई द्वारा 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024' में 5जी तकनीक का प्रदर्शन

● गुड्डी साव

15 अक्टूबर को टाइडल वेव प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से सीएमपीडीआई 15-18 अक्टूबर, 2024 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में चल रहे इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 (आईएमसी 2024) में विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से 'कैसे 5जी तकनीक खनन उद्योग में क्रांति ला रही है' का प्रदर्शन किया । प्रत्येक 'यूज केस' खनन में सुरक्षा, दक्षता और परिचालन परिशुद्धता में सुधार करने में 5जी की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर करता है। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 15 अक्टूबर को इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 का उद्घाटन किया। कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री पी. एम. प्रसाद, आईएमसी 2024 में सीएमपीडीआई के स्टॉल पर पहले आगंतुक थे। इस अवसर पर श्री मनोज कुमार, सीएमडी, सीएमपीडीआई; श्री शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) एवं निदेशक (टी/पीएंडपी), बीसीसीएल; श्री तारिक सज्जाद, जीएम (एमई), सीएमपीडीआई और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सीएमपीडीआई आईएमसी 2024 में कुल 13 ष्यूज केसष् प्रदर्शित कर रहा है, जो इस प्रकार हैं :-

☞ 5जी नेटवर्क इंफ्रा
☞ मिशन क्रिटिकल कम्युनिकेशन (एमसीएक्स)
☞ 5जी सक्षम रिमोट ड्रोन ऑपरेशन
☞ एआई सक्षम वीडियो एनालिटिक्स के साथ 5जी कैमरा
☞ 5जी आईओटी पर्यावरण सेंसर।
☞ 5जी आईओटी मशीनरी सेंसर।
☞ सीपीई का उपयोग करके लीगेसी डिवाइस के साथ बैकवर्ड कम्पैटिबिलिटी
☞ 5जी सक्षम स्वचालित ड्रिलिंग ऑपरेशन।
☞ एआई सक्षम ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम
☞ 5जी सक्षम ढलान स्थिरता रडार सिस्टम
☞ 5जी सक्षम रिमोट मेंटेनेंस सपोर्ट के साथ एआर।
☞ 5G C-V2X आधारित टकराव से बचाव प्रणाली
☞ लोड हॉल डम संचालन का डिजिटल ट्विन 5जी रियल टाइम संचार को सक्षम बनाता है, वाई-फाई और टेट्रा जैसी पारंपरिक वायरलेस तकनीकों से सबसे चुनौतीपूर्ण वातावरण में दूरस्थ निगरानी और नियंत्रण की अनुमति देता है। यह निर्बाध स्वचालन भी सुनिश्चित करता है, जोखिम को कम करता है और भविष्य के लिए तैयार संचालन को सक्षम करता है, जिससे यह खनन के डिजिटल भविष्य के लिए अपरिहार्य हो जाता है। कोयला मंत्रालय, भारत सरकार ने प्ड॰ 2023 के दौरान नई दिल्ली से नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की अमलोरी ओपन कास्ट खदान (OCP) में 5G तकनीक (5G सक्षम ड्रोन, AI संचालित कैमरा, वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (VTS), मिशन क्रिटिकल वॉयस और वीडियो संचार) का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया था। यह उल्लेख करना उचित है कि CMPDI ने अमलोरी ओपन कास्ट खदान में कोयला खनन में भारत के पहले निजी 5G नेटवर्क की अवधारणा बनाई और इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।●

केन्द्रीय मंत्री ने किया नेशनल सेंटर फॉर कोल एंड इनर्जी रिसर्च का उद्घाटन

● गुड्डी साव

केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी0 किशन रेड्डी ने आज डब्ल्यूसीएल (मुख्यालय), नागपुर से वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से सीएमपीडीआई (मुख्यालय)-रांची में स्थापित अत्याधुनिक ''नेशनल सेंटर फॉर कोल एंड इनर्जी रिसर्च (NaCCER-नासेर) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कोल इंडिया के अध्यक्ष श्री पी0एम0 प्रसाद, कोयला मंत्रालय की अपर सचिव सुश्री रूपिंदर बरार, सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार, डब्ल्यूसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे0पी0 त्रिवेदी, केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री के आप्त सचिव श्री ई0वी0 भास्कर, श्री बी0 कार्तिकेयन एवं श्री ए0वी0 रेड्डी, सीएमपीडीआई एवं डब्ल्यूसीएल निदेशकगण एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री रेड्डी ने कहा आज हमने नेशनल सेंटर फॉर कोल एंड इनर्जी रिसर्च (NaCCER-नासेर) की स्थापना के साथ एक छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम के साथ कोयला और ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और स्थिरता की दिशा में अपनी यात्रा शुरू की है। आगे उन्होंने कहा कि (NaCCER-नासेर) को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग के सहयोग से भविष्य की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए नवाचारों पर जोर देना चाहिए। (छंब्ब्म्-नासेर) केवल एक अनुसंधान केन्द्र नहीं होना चाहिए, यह हमारे देश की सतत् ऊर्जा भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता की आधारशिला होगी। लक्ष्य नई तकनीकों को विकसित करने तक ही सीमित नहीं होगा बल्कि उन्हें प्रयोगशाला से क्षेत्र तक लाना होगा-वास्तविक दुनिया पर प्रभाव डालना जो उद्योग के विकास और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों को संचालित करता है। क्षेत्रवार जोर क्षेत्र के अनुरूप केन्द्र से केवल उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं को शुरू करने की उम्मीद की जाती है जिनमें व्यावसायीकरण की संभावना होगी। निधि का बड़ा हिस्सा ऐसी सभी परियोजना के लिए निर्धारित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, केन्द्र की क्षमता निर्माण की महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए भी वित पोषण किया जाएगा।

सनद रहे कि कोयला मंत्रालय ने अक्टूबर, 2023 में एक अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया था। सेंटर को कोयला मंत्रालय की ओर से कोल इंडिया द्वारा वित पोषित और प्रशासित किया जाना है। तत्पश्चात् सेंटर का नाम ''नेशनल सेंटर फॉर कोल एंड इनर्जी रिसर्च (NaCCER-नासेर)'' रखा गया और सेंटर की स्थापना का काम दो चरणों में किया गया। वर्तमान अनुसंधान एवं विकास प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए सीएमपीडीआई में मौजूदा सुविधाओं के तहत (NaCCER-नासेर) का चरण-1 सीएमपीडीआई (मुख्यालय)-रांची में स्थापित किया गया है। चरण-2, स्थायी सेंटर बाद के चरण में स्थापित किया जाएगा और यह एक विश्व स्तरीय अत्याधुनिक सुविधायुक्त होगी। अधिकांश अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया द्वारा शुरू की जाती हैं तो मुख्य रूप से नैसर्गिक प्रकृति की हैं जो प्रयोगशाला पैमाने (टीआरएल 4) तक सीमित हैं। (NaCCER-नासेर) प्रयोगशाला स्तर से परे परियोजनाएं शुरू करेगा जो पायलट स्तर और वाणिज्यिक स्तर की होगी।

उल्लेखनीय है कि प्रमुख तकनीकी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया चल रही है। आईआईटी-आईएसएम, धनबाद के साथ पहले ही एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। (NaCCER-नासेर) के कामकाज के लिए मानक प्रक्रिया (एसओपी) को औपचारिक रूप दिया गया है और सलाहकार विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है जिसमें उद्योग, प्रमुख संगठन और संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हैं। ज्ञात रहे कि (NaCCER-नासेर) का दृष्टिकोण देश की कोयला और ऊर्जा की मांग को पूरा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को एक नया आयाम देना है।●

सीसीएल में मनाई गई महात्मा गांधी जी की जयंती

● गुड्डी साव

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया । अवसर विशेष पर सीसीएल मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए । इस अवसर पर निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री हरीश दुहान, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, कर्मी एवं बड़ी संख्या में सफाई मित्र उपस्थित थे। उपस्थित सभी बापू को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

सीएमडी श्री सिंह ने राष्ट्रपिता को स्मरण करते हुए कहा कि महात्मा गांधी का जीवन एक प्रेरणा है। उनके विचारों और कार्यों से हम सभी को सीखना चाहिए। । उनके बताए हुए मूल्य ;सादगी ,सत्य एवं अहिंसा को सभी को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। साथ ही उन्होने सादगी और करुणा के प्रतीक लाल बहादुर शास्त्री जी को याद करते हुए कहा कि हम सभी उनके "जय जवान, जय किसान" के नारा को सार्थक बनाये और राष्ट्र सेवा की शपथ लेते हुए उनके सपनों को साकार करें। इस कार्यक्रम के दौरान सीसीएल के स्वच्छता मित्र भी उपस्थित थे। उनके बीच जूट बैग, जूते, टी-शर्ट, दस्ताने, सैनिटाइजर और मिठाई वितरित की गई। श्री सिंह ने सीसीएल परिसर को साफ-सुथरा रखने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञपित भी किया।

भारत सरकार द्वारा संचालित स्वच्छता ही सेवा अभियान का अंतिम दिवस भी था। यह स्वच्छता पखवाड़ा 17 सितंबर 2024 से आरंभ हुआ था, जिसका 2 अक्टूबर 2024 को अंतिम दिन था। इस दौरान मुख्यालय एवं सहित सभी क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाकर विभिन्न सिटिजन सेंट्रिक जगह की सफाई की गई । इसी के अंतर्गत कई विद्यालयों एवं सार्वजनिक जलाशयों की साफ सफाई भी की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कचरा, अपशिष्ट पदार्थों का निस्तारण एवं स्वच्छ परिवेश के लिए लोगों को जागरूक करना था। इस अभियान के दौरान ही स्वच्छता मित्रों के स्वास्थ्य के जांच हेतु कई निशुल्क शिविर भी लगाए गए एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित 'एक पेड़ मां' पहल के तहत पौधा रोपण भी किया गया। इस कार्यक्रम के अंत में, सभी ने महात्मा गांधी के आदर्शों को अपनाने और एक स्वच्छ और स्वस्थ राष्ट्र बनाने के लिए संकल्प लिया। ●

झारखण्ड विधानसभा चुनाव की हुई घोषणा

● गुड्डी साव

भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड श्री के. रवि कुमार ने बताया है कि चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे। मतगणना 23 नवंबर को होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता होगी। शहरी क्षोत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाना भी हमारी प्रथमिकता सूची में है। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में मीडिया से मुखातिब थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पहले चरण में 43 विधानसभा क्षेत्रों में तथा दूसरे चरण में 38 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होंगे। उन्होंने बताया कि पूरी चुनावी प्रक्रिया 25 नवंबर को समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को मतदान को लेकर कोई असुविधा नहीं हो, इसे लेकर व्यापक तैयारी की गयी है। चुनाव कर्मियों को इसे लेकर प्रशिक्षित भी किया गया है। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का इंतजार कम हो, इसकी भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक एप्प भी जारी करेगा, जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केंद्रों की स्थिति, मसलन मतदान केंद्र पर कितने लोग मतदान के लिए कतार में हैं, यह जानकारी घर बैठे ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह एप्प बुजुर्ग मतदाताओं के लिए काफी लाभदायक होगा। वहीं 85 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं को घर से मतदान की भी सुविधा रहेगी। इसके लिए उन्हें फार्म 12 डी भरना होगा। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार में उम्मीदवार अधिकतम 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकते हैं। ●

भाजपा के पंच प्रण कार्यक्रम में जारी हुई महत्वपूर्ण घोषणाएं

● गुड्डी साव

हरमू स्थित द काव्स में 05 अक्टूबर को भाजपा ने पंचप्रण कार्यक्रम का आयोजन कर विधानसभा चुनाव को लेकर पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं जारी की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी जी की उपस्थिति में पंचप्रण जारी किए गए। इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने कहा कि नवरात्र में हम सब नव दिनों तक आराधना करते हैं। भाजपा भी मां दुर्गा और शक्ति की आराधना के साथ देश की आराधना में लगी हुई है। भाजपा मां बहनों के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। भाजपा और पीएम मोदी सरकार में मां बहनों के लिए 33 प्रश आरक्षण दिया। इससे महिलाओं के लिए विधानसभा और लोकसभा में सीटें आरक्षित हुई। बीजेपी ने सुकन्या समृद्धि योजना शुरू की। महिलाओं को मुफ्त में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया। भाजपा ने स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत अभियान चलाया। गरीबों को पीएम आवास का घर दिलाया। पीएम मातृ गरीब योजना, लखपति दीदी योजना और जनधन योजना के तहत 30 करोड़ खाता खोला गया। बीजेपी ने छात्रों को साइकिल देना प्रारंभ किया। ऐसी कई योजनाओं से भाजपा ने देश और राज्य का विकास किया है। इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इन योजनाओं का उदाहरण सिर्फ इसलिए रखा गया ताकि लोगों को न लगे कि हेमंत सोरेन जो अभी योजनाएं ला रहे हैं उसको देखकर भाजपा ये योजनाएं लागू कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल जी ने पंचप्रण जारी करते पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए कहा कि :-

☞ भाजपा गोगो दीदी योजना शुरू करेगी, जिसके तहत झारखंड की हर महिला के बैंक खाते में हर महीने की 11 तारीख को 2,100 रुपये तक की वित्तीय सहायता हस्तांतरित की जाएगी।

☞ भाजपा राज्य में लक्ष्मी जोहार शुरू करेगी, जिसके तहत सभी घरों में 500 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर और साल में दो मुफ्त सिलेंडर उपलब्ध कराएगी।

☞ भाजपा राज्य में सुनिश्चित रोजगार शुरू करेगी, जिसके तहत झारखंड में युवाओं के लिए 5 साल में 5 लाख स्वरोजगार के अवसर पैदा करेगी। इसके अलावा, 2.87 लाख खाली सरकारी पदों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती की जाएगी। इसे सुनिश्चित करने के लिए, पहली कैबिनेट बैठक में ही भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे नवंबर 2025 तक 1.5 लाख भर्तियां पूरी हो जाएंगी। इसके अलावा, एक वार्षिक कैलेंडर पेश किया जाएगा, जिसमें सभी मौजूदा परीक्षाओं को एक ही परीक्षा में शामिल किया जाएगा।

☞ भाजपा उन युवाओं की चुनौतियों का समाधान करेगी जो अपना करियर शुरू करने में संघर्ष कर रहे हैं। इसके लिए हम हर स्नातक और स्नातकोत्तर युवा को दो साल के लिए 2,000 रुपये प्रति माह का युवा साथी भत्ता देगी। इससे उन्हें अपनी पढ़ाई और करियर के खर्चों जैसे की किताबें और कोचिंग फीस को पूरा करने में मदद मिलेगी।

☞ भाजपा राज्य में घर साकार शुरू करेगी, जिसके तहत झामुमो सरकार के कुशासन को सुधारने और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित करने के लिए घरों के निर्माण के लिए मुफ्त बालू उपलब्ध कराएंगी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना को पूर्ण रूप से लागू करके 21 लाख घरों का निर्माण और प्रत्येक को 1 लाख रूपये की बढ़ी हुई सहायता प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, 2027 तक जल जीवन मिशन के माध्यम से 59 लाख घरों को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एवम प्रदेश चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान,प्रदेश चुनाव सह प्रभारी एवम असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शरमा,प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई,केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी,पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा,नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ,प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक उपस्थित थे।●

हैकथान के विजेताओं को कोयला एवं खान राज्यमंत्री ने किया सम्मानित

● गुड्डी साव

माननीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने सीएमपीडीआई का दौरा किया। सीएमपीडीआई के ''मयूरी प्रेक्षागृह'' में संस्थान द्वारा ''कोयला गैसीकरण'' पर आयोजित हैकथान के विजेताओं को माननीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने सम्मानित किया। कोयला मंत्रालय के निर्देशानुसार, सीएमपीडीआई ने राष्ट्र की ऊर्जा और रासायनिक जरूरतों को पूरा करने, आर्थिक स्वतंत्रता/आजादी और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन का दोहन करने के लिए 6 समस्या विवरणों पर कोयला गैसीकरण पर हैकथान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार, बीसीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री समीरन दत्ता, सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री निलेन्दु कुमार सिंह, सीएमपीडीआई/सीसीएल/बीसीसीएल के कार्यकारिणी निदेशकगण, आईआईसीएम के कार्यपालक निदेशक तथा महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, अन्य कर्मी उपस्थित थे। श्री दुबे ने सीएमपीडीआई के क्रियाकलापों की सराहना करते हुए कहा कि सीएमपीडीआई न केवल लोगों के विकास में बल्कि देश को तकनीक के बल पर आगे ले जाने में भी अहम भूमिका निभाती है। इनके कार्यों/सेवाओं में ''सबका साथ, सबका विकास'' सन्निहित है। श्री दुबे ने वर्तमान में चल रहे ''विशेष अभियान 4.0'' के तहत सीएमपीडीआई परिसर में स्थापित 3 सौर वृक्ष और वेस्ट टू वेल्थ (स्क्रैप टू आर्ट) थीम के तहत स्क्रैपन से बनी ''हिरण संरचना'' का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर श्री दुबे ने स्वच्छता ही सेवा के तहत ''सफाई कर्मचारियों'' को सम्मानित और ''एक पेड़ मां के नाम'' पहल के तहत कल्पतरू के पौधे भी लगाए। इसके अलावा, श्री दुबे ने सीएमपीडीआई परिसर स्थित नवनिर्मित बैडमिंटन कोर्ट, नवीनीकृत व्यायामशाला और संस्थान के खेल मैदान में 4 हाई मास्ट लाइटें का भी उद्घाटन किया। इन गतिविधियों को भारत सरकार के ''खेलो इंडिया'' कार्यक्रम के साथ जोड़ा गया है, जिसका उद्देश्य भारत में खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करना और भारत की फिटनेस और स्वास्थ्य में सुधार करना है। इसके बाद श्री दुबे ने आज सीएमपीडीआई की समीक्षा की। सीएमपीडीआई की समीक्षा के दौरान उन्हें संस्थान के कार्य-कलापों की विस्तृत जानकारी उनके समक्ष एक प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर उन्होंने कोयला एवं खनन उद्योग के विकास के साथ-साथ सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यों में रूचि लेने हेतु सीएमपीडीआई के योगदान की सराहना की और भविष्य में और बेहतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। ●

सीएम सोरेन ने किया कांटाटोली फ्लाईओवर का उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने कई परियोजनाओं का किया शिलान्यास

● ओम प्रकाश

नवरात्रि में मुख्यमंत्री ने झारखंड की राजधानी राँची के वासियों को कांटाटोली फ्लाईओवर की सौगात दी। इससे जाम से त्रस्त राजधानी को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने राँची के 4 लेन स्मार्ट पथ और धनबाद के 8 लेन पथ का भी उद्घाटन किया।इस खास मौके पर सीएम ने कांके रोड फ्लाईओवर की आधारशिला समेत 31 परियोजनाओं का तोहफा दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राँची के संत पॉल्स कैथेड्रल मैदान में आयोजित समारोह में कांटाटोली फ्लाईओवर, बिरसा चौक-धुर्वा गोल चक्कर 4 लेन स्मार्ट पथ और धनबाद में कांको चौक-विनोद बिहारी चौक-गोल बिल्डिंग-8 लेन पथ का उद्घाटन किया।सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि कांटाटोली फ्लाईओवर तीन साल के रिकॉर्ड समय में तैयार हो गया है और आम लोगों को समर्पित कर दिया गया है। सीएम ने राँची में सिरमटोली-कांटाटोली कनेक्टिंग फ्लाईओवर एवं सहजानंद चौक-जज कॉलोनी, कांके रोड फ्लाईओवर की आधारशिला रखने समेत 31 परियोजनाओं की सौगात दी। झारखण्ड की राजधानी राँची

लंबे समय से जाम से कराह रही थी। कांटाटोली फ्लाईओवर से लोगों को जाम से राहत मिलेगी।अब ट्रैफिक जाम की समस्या राजधानी में काफी हद तक कम हो जाएगी।

☞ **कांटाटोली फ्लाईओवर :** 224.94 करोड़ रुपए की लागत, 02 किलोमीटर 240 मीटर लंबा, चौड़ाई 16.6 मीटर है। (योगदा सत्संग आश्रम, बहुबाजार से कांटाटोली होते हुए शांति नगर तक) पर आवागमन शुरू हो गया, इसके बनने से हर दिन के जाम से भी मुक्ति मिलेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चार अक्टूबर दिन शुक्रवार को बहुबाजार स्थित संत पॉल कैथेड्रल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में राज्यवासियों को यह सौगात दी। नगर विकास विभाग अंतर्गत जुडको ने इस योजना को 224.94 करोड़ की लागत से बनवाया है। सीएम ने इस फ्लाईओवर के साथ-साथ 3264 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया, इसमें 792.10 करोड़ की कुल चार योजनाओं का उद्घाटन व 247 1.90 करोड़ की 27 योजनाओं का शिलान्यास किया गया, इसमें पथ निर्माण विभाग की परियोजना सहजानंद चौक से जज कॉलोनी कांके रोड तक 3.5 किमी लंबा हरमू एलिवेटेड भी शामिल हैं। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, नगर विकास मंत्री हफीजुल हसन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, विधायक राजेश कच्छप, नगर विकास सचिव सुनील कुमार, सूडा निदेशक अमित कुमार, डीसी रांची मंजूनाथ भजन्त्री, नगर प्रशासक संदीप सिंह, निदेशक एडमिन अरविंद कुमार मिश्र, चीफ एनएच अभिनेंद्र सिंह, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, अपर सचिव पथ निर्माण विभाग अखौरी शशांक, सीआईएन चर्च के फादर कुजूर, योगदा मठ से स्वामी ईश्चरानंद इत्यादि उपस्थित थे।

☞ **सीएम ने फ्लाईओवर में चलाई अपनी कार :-** फ्लाईओवर के उद्घाटन के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने फ्लाईओवर पर अपनी कार खुद ड्राइव की। उनकी बगल की सीट पर उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन बैठी हुई थीं।

☞ **कानून भी हम ही बनाते हैं और कानून हम ही तोड़ते हैं, इसे स्वीकारने की जरूरत :-** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांटाटोली फ्लाईओवर उद्घाटन के शुभ अवसर पर कहा कि शहर के यातायात की चुनौती के लिए सड़कों-पुलों का

जाल बिछाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कानून भी हम ही बनाते हं और कानून भी हम ही तोड़ते हैं और हमें इसे स्पष्ट रूप से स्वीकारना चाहिए। चाहे साफ-सफाई, आवागमन, गली-मुहल्ले के विकास की बात हो ऐसे कई विषय हैं जहां सभी की सहभागिता से चीजों को सुधार सकते हैं, मंदिर, स्टेशन बनना है अच्छी बात है लेकिन पहाड़ी मंदिर में झंडा गाड़ने का गुनाह किया है, जिसका परमिशन सरकार ने ही दिया है। आज इससे मंदिर को नुकसान हो रहा है। झंडा भी नहीं फहर रहा, इंसलिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक है। कांटाटोली पुल बना है ऐसे में, इसमें लगाये गये स्ट्रीट लाइट, पेड़-पौधा इत्यादि का मेंटेनेंस होना चाहिए, नहीं तो चोरी बढ़ती है, सरकार की संपति को देखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आनेवाले दिनों में 2.50 किमी लंबा कांटाटोली फ्लाईओवर पांच किमी लंबा होनेवाला है जो सिरमटोली फ्लाईओवर तक जुड़ेगा। रेलवे क्रासिंग के पास दो-तीन महीने में बन जायेगा। डेढ़ साल में कनेक्टिंग ब्रिज के साथ सारा जुड़ जायेगा सुजाता चौक के सामानांतरण कोई पुल बनाने की कोई सोच भी नहीं थी, लेकिन हमारी सरकार ने ऐसा किया। रांची शहर में एक-एक इंच महत्वपूर्ण है। ऐसे में सभी का सहयोग आवश्यक है। आम लोगों की जमीन कम लेने की कोशिश हुई, इस फ्लाईओवर निर्माण में। इसमें कुछ हिस्सा योगदा मठ का भी है। कई शहर के लोग ऑनलाइन भी इस कार्यक्रम को देखा है। इस चर्च और स्कूल परिसर में कार्यक्रम होने से यह पता चल रहा है कि कितना अभाव है शहर में स्थलों का। सीएम ने कहा कि रांची व झारखंड का क्षेत्रफल सीमित है, इसे बढ़ा नहीं घटा सकते हैं। शहर में नीम-पीपल के पेड़ लगायें। शहर में पेड़-पौधे कट रहे हैं लेकिन आज बिना एसी के रात गुजारना मुश्किल है., इसलिए हमलोगों ने एक पेड लगाने की

योजना बनाई। सिर्फ गेंदा-गुलाब फुल लगाने से पर्यावरण नहीं सुधरेगा। नीम-पीपल का पेड़ लगाने की जरूरत है। इसलिए इस कार्यक्रम में सभी को गमले-पेड़-पौधे दिए गये। आम, बरगद, पीपल इत्यादि के पेड़ लगाने की आवश्यकता है। बुके देने की परंपरा सही नहीं है, इससे सिर्फ बर्बादी है। सीएम ने कहा कि झिरी में प्लांट बैठाया गया है। लेकिन अब गांव में कुड़े-करकट फेंकने की अनुमति ग्रामीण नहीं देंगे। बहुत मारेंगे ऐसे में राज्य सरकार जल्द ही सभी भवनों, अपार्टमेंट में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट योजना लगाने का आदेश देगी। पर्यावरण की रक्षा जरूरी है।

☞ **रांची-धनबाद-जमशेदपुर सहित पूरे राज्य में विकास के लिए काम** :- इस अवसर पर पथ निर्माण व नगर विकास विभाग सचिव सुनील कुमार ने कहा कि यह लगभग 3260 करोड़ की योजना है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण योजना कांटाटोली फ्लाईओवर है। इसमें 3000 करोड़ की योजना का शिलान्यास होगा। चार नये फ्लाईओवर का शिलान्यास हुआ। सिरमटोली-कांटाटोली कनेक्टिंग फ्लाईओवर, हरमू फ्लाईओवर, मटकुरिया फ्लाईओवर, जमशेदपुर फ्लाईओवर, धनबाद में एडीबी द्वारा 459 करोड़ की योजना का उद्घाटन किया गया। जमशेदपुर-धनबाद व रांची को औद्योगिक शहर के रूप में विकसित किए जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सीएम के निर्देश पर ही कांटाटोली फ्लाईओवर का काम समय पर पूरा हो सका। भारत सरकार की ओर से भी कई योजनाओं को लेने पर काम चल रहा है। सचिव ने इंजीनियर-संवेदकों के प्रति भी आभार जताया।

☞ **रांची एयरपोर्ट को इंटरनेशनल बनाने के लिए 70 एकड़ सेना की भूमि प्रशासन को जल्द मिलेगी** :- इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि शहर के 18 लाख लोग लगातार बाट जोह रहे हैं कि रांची की तकदीर व तस्वीर बदलनी चाहिए और इसके लिए प्रयास हो रहा कि आदर्श राजधानी बनायी जाये। रांची रेलवे, हटिया व पिस्का नगड़ी स्टेशन आधुनिक बनाया जा रहा है। झिरी में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का भी उद्घाटन हुआ है। अभी 150 मीट्रिक टन का बना है और 150 मीट्रिक टन जल्द बन जायेगा। रांची के अलावा अन्य बड़े शहरों के कूड़ों को निस्तारण के लिए इस तरह के प्लांट बनने की आवश्यकता है। पहाड़ी मंदिर व जगन्नाथपुर मंदिर का सौंदर्यीकरण आवश्यक है, जिसका काम जल्द शुरू होने वाला है। रांची हवाई अड्डा को भी इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की आवश्यकता है। सेना की 70 एकड़ जमीन जल्द ही एयरपोर्ट को दी जायेगी ताकि रांची एयरपोर्ट भी बड़ा बने और पार्किंग समस्या कम हो। मोरहाबादी मैदान में सेना की जो जमीन है उतना ही शहर के दूसरी ओर अगर राज्य सरकार

सेना को उपलब्ध कराये तो इसे झारखंड सरकार को हस्तांतरित किया जायेगा।

☞ **ऐसा होगा हरमू एलिवेटेड रोड :-** सहजानंद चौक से रातू रोड चौराह होते हुए जज कॉलोनी कांके रोड तक हरमू एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कराया जायेगा, कैबिनेट से इसकी स्वीकृति 28 जून को ही मिल गयी है। इसका टेंडर अंतिम चरण में है। करीब 3.53 किमी लंबा यह फ्लाईओवर होगा। 470 करोड़ की लागत से इसे बनाया जायेगा। निर्माण लागत 355 करोड़ रुपये होगी। वहीं, शेष राशि जमीन अधिग्रहण, बिजली उपकरणों की शिफ्टिंग, पाइप लाइन की शिफ्टिंग, कंसलटेंसी चार्ज, आदि में खर्च की जायेगी। भू अर्जन में काफी राशि खर्च होनी है।

☞ **कई जगह बनेंगे रैंप :-** प्रस्तावित फोरलेन फ्लाईओवर मौजूदा हरमू रोड के साथ चलेगा। इस पर चढ़ने-उतरने के लिए एसीबी ऑफिस स्टार्ट प्वाइंट और हरमू चौक के पास इंड प्वाइंट होगा। दोनों जगह पर रैंप बनाये जायेंगे इसके अलावा सहजानंद चौक के पास बायीं ओर भी रेंप बनाया जायेगा। जिसके जरिये लोग कडरू आदि इलाके में आना-जाना शुरू कर सकेंगे। वही रातू रोड चौराहा के पहले गौशाला के पास भी रैंप की योजना है।

☞ **रातू रोड जंक्शन के पास जमीन से 18 मीटर उंचा होगा फ्लाईओवर :-** वर्तमान में रातू रोड फ्लाईओवर का काम चल रहा है। हरमू रोड फ्लाईओवर का निर्माण रातूरोड फ्लाईओवर को भी क्रास करेगा। विभाग ने जो डीपीआर बनाया हुआ उसके अनुसार करीब 18 मीटर रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर से ऊंचा हरमू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर होगा। ऐसे में हरमू रोड से आनेवाले वाहन ऊपर ही ऊपर पार होंगे। इसमें राजभवन की भी सुरक्षा को ध्यान में रखा गया है।

☞ **यातायात होगा सुगम, जाम से मिलेगी निजात :-** कांटाटोली फ्लाईओवर पर आवागमन शुरू हो गया। सिरमटोली-मेकन फ्लाईओवर पर काम चल रहा है रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का भी काम तेजी से हो रहा है। वहीं, हरमू फ्लाईओवर निर्माण की नींव रखने से एक और ब्रिज का रास्ता खुला है। इसके बनने से किशोरगंज चौक, रातू रोड चौराह में रोजाना जाम से निजात मिलेगी आवागमन सुगम होगा। राजपथ होने की वजह से सचिवालय, हाईकोर्ट, विधानसभा व एचईसी जाना आसान होगा।

☞ **इन योजनाओं का हुआ उद्घाटन :-**

1. कांटाटोली फ्लाईओवर- 224.94 करोड़ लंबाई 2240 मीटर और चौड़ाई 16.6 मीटर।
2. कांको चौक-विनोद बिहारी चौक-गोल बिल्डिंग, आठ लेन रोड- 461.90 करोड़।
3. अनगड़ा- हाहे-राहे पथ चौड़ीकरण- 57.95 करोड़।
4. बिरसा चौक से धुर्वा गोल चक्कर रोड का फोरलेन व सुंदरीकरण योजना- 47.33 करोड़।

☞ **इन योजनाओं का हुआ शिलान्यास :-**

1. सहजानंद चौक से जज कॉलोनी तक फोरलेन हरमू एलिवेटेड रोड- 430.7 5 करोड़।
2. धनबाद में मटकुरिया फ्लाईओवर का निर्माण- 256.17 करोड़।
3. गोला-मुरी पथ फोरलेन योजना- 333.17 करोड़।
4. सिरमटोली-कांटाटोली फ्लाईओवर का कनेक्टिंग फ्लाईओवर- 213.35 करोड।
5. डीएवी पुंदांग से डीएवी हेहल फोर सड़क।
6. केंद्रीय विवि पथ निर्माण का शिलान्यास।
7. अनगड़ा-हाहे राहे पथ।
8. केतारी बगान में आरओबी निर्माण

शिलान्यास।

9. नामकुम-खेलगांव सड़क।
10. भूइयांडीह लिटी चौक से भी लाई पहाड़ी पथ में स्वणरिखा नदी पर फोरलेन पुल- 77.77 करोड़।
11. राजधानी सहित अन्य जगहों के 25 पथें व आरओबी का निर्माण- 1635 करोड़। . केतारी बगान में आरओबी निर्माण शिलान्यास।

☞ **ये है खासियत कांटाटोली फ्लाईओवर की, मिलेगी जाम से मुक्ति :-** पूर्वोत्तर भारत का पहला प्रीकास्ट सेगमेंट्ल बाक्स गडर प्रणाली का फ्लाईओवर है। यही नहीं राज्य का यह प्रथम फ्लाईओवर भी है। इसमें 486 प्रीकास्ट सेगमेंट्ल बाक्स लगे हैं। 42 स्पैन (पीलर) पर सेगमेंट्ल बॉक्स टिके हैं। लंबाई 2.4 किलोमीटर और लागत लगभग 224 करोड़ रुपये। ब्रिज पर लगभग 125 बिजली के खंभे हैं। इसे जुडको के क्रियान्वयन मे मेसर्स दिनेशचन्द्र अग्रवाल एसोसिएट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने रिकॉर्ड 2 वर्ष में पूरा किया है।

☞ **खादगढ़ा, नामकुम बस स्टैंड व लालपुर जाने लिए पेट्रोल पंप के पास बनेगा रैंप :-** शांतिनगर कोकर के पास माइनर ब्रिज को चौड़ा करने का काम किया गया है। फ्लाईओवर के नीचे भी एलइडी बल्ब लगाये गये हैं। मुख्य फ्लाईओवर पर यातायात शुरू कराने के बाद खादगढ़ा बस स्टैड के प्रवेश द्वार के पास नामकुम एवं बस स्टेंड की ओर जाने के लिए रेंप बनेगा। इसी तरह लालपुर की ओर जाने के लिए पेट्रोल पंप के पास एक रैंप बनेगा।

☞ **40 करोड़ की यह योजना 224 करोड़ में पूरी हुई :-** 2016 में इस फ्लाईओवर को बनाने की स्वीकृति दी गयी थी। शुरुआती लागत 40 करोड़ रुपये रखी गयी थी, जो अब 224 करोड़ तक पहुंच गयी। वर्ष 2017 में कांटाटोली फ्लाईओवर का काम मोदी कंस्ट्रक्शन को आवंटित किया गया। इस बीच लागत बढ़ कर 84 करोड़ रुपये तक पहुंच गयी। फिर इसे बढ़ा कर 187 करोड़ तक किया गया। तब फ्लाइरओवर की लंबाई 1250 मीटर थी। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद 2018 में फ्लाईओवर का निर्माण कार्य शुरू किया गया। लेकिन समय पर काम पूरा नहीं हुआ, कंपनी ने काम भी बंद कर दिया। बाद में इस कंपनी को हटाया गया। नये सिरे से निविदा जारी की गयी और गुजरात की कंपनी मेसर्स अग्रलवाल को काम सौंपा गया, जिसने दो वर्ष में काम पूरा किया।●

सोने की चेन छीनने वाला मास्टरमाइंड, सोनार समेत तीन स्नैचर गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में महिलाओं से सोने की चेन झपटने वाले गिरोह का रांची पुलिस ने खुलासा किया है। कोतवाली थाना की पुलिस ने इस गिरोह के तीन गुर्गों को पकड़ा है, जिसमें मास्टरमाइंड जफर खान उर्फ शाहिद और एक सोनार आनंद कुमार उर्फ गोल्डी भी शामिल हैं। वहीं, गिरोह के सक्रिय सदस्य पंकज कुमार महतो और दीपक महतो को भी पुलिस ने धर दबोचा है। इन लोगों के पास से पुलिस ने पल्सर बाइक, मोबाइल और 14 ग्राम सोना बरामद किया है। पिठौरिया इलाके के ये तीनों युवक अगर नहीं पकड़े जाते तो ना जाने और कितने महिलाएं और पुरुषों से चेन की छिनतई हो जाती। जैसे ही कोई महिला अपने घरों से निकलती थी तो पहले से ही घात लगाए ये चौन स्नैचर्स उनके गले से चौन छीन कर रफूचक्कर हो जाते थे। लाख कोशिश के बावजूद चौन स्नैचर पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रही थी रांची पुलिस। शातिर अपराधी चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देने के लिए ज्यादातर हेलमेट के साथ बिना नंबर वाली बाइक और आधी नंबर लिखी हई नंबरप्लेट का उपयोग कर रहे थे। अपराधी हेलमेट पहनकर महिलाओं से चौन झपटने की घटना को अंजाम देते थे। हेलमेट की वजह से अपराधियों का चेहरा ढक जाता था, जिससे अपराधियों को पहचानने में पुलिस को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। जिस रफ्तार से इन तीनों ने शहर में चेन छिनतई की घटना को अंजाम दे रखा था। तीनों की गिरफ्तारी के बाद शहर में चेन छिनतई की घटना पर कुछ विराम लगा है। लोगों ने राहत की सांस ली है और महिलाएं अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रही है। हालांकि शहर में और कई गैंग अभी भी सक्रिय है, जिनकी पुलिस को बेसब्री से तलाश है। बता दे कि हाल के दिनों में शहर में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर महिलाओं और पुरुषों से सोने की चेन की छिनतई करने वाले तीनों आरोपी को दबोचा गया है। इस गिरोह के तीन सदस्यों के साथ पुलिस ने एक सोनार को भी गिरफ्तार किया है।

☞ **रांची के सीनियर एसपी ने किया एसआईटी टीम का गठन :-** रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया जिसमें कोतवाली इंस्पेक्टर रंजीत कुमार सिन्हा के अलावा कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। टीम ने सूचना एकत्रित कर तत्काल करवाई करते हुए तीन चैन स्नैचर्स पंकज, जफर और दीपक को घर दबोचा, पुलिस ने उन तीनों के पास से महिलाओं से छीन हुए तीन चैन को बरामद किया है, साथ ही चैन लूटने में इस्तेमाल पल्सर बाइक और हेलमेट को भी रांची पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक सोनार भी है, जो छिनतई के गहनों को खपाने का काम किया करता था।

☞ **जांच में हुआ कई वारदातों का खलासा :-** कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए और रंजीत कुमार सिंह के द्वारा जब अपराधियों से पूछताछ शुरू हुई तब उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और यह भी बताया कि महिलाओं से छीने हुए चैन को वह कहां बेचता है। जानकारी मिलने के बाद कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिन्हा ने बिना देर किए ज्वेलर्स दुकान के मालिक आंनद कुमार उर्फ गोल्डी को दुकान से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गिरफ्त में आए तीनों अपराधियों ने यह भी बताया कि वह शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 15 चैन छीनतई की वारदात को अंजाम दे चुका है, वहीं छीनतई किए हुए सभी चौन को ज्वेलर्स दुकान के मालिक गोल्डी ने खरीदने की बात कही है।

☞ **सिटी एसपी ने दी जानकारी :-** राँची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि पूरा गिरोह राँची के पिठोरिया इलाके का रहने वाला है, वहीं से आकर यह गिरोह शहर में छिनतई की वारदातों को अंजाम देता था। गिरफ्तार आरोपियों में पंकज कुमार महतो, दीपक महतो, जफर खान और सोनार आनंद कुमार उर्फ गोल्डी शामिल है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से बाइक और छीनी हुई कई सोने की चेन बरामद की गई है। पुलिस के द्वारा गिरफ्तार इन अपराधियों ने ही पुलिस मुख्यालय के सामने एक आरक्षी से सोने की चेन छीन ली थी। एसपी ने बताया कि पिछले तीन महीनों के दौरान इस गिरोह के द्वारा एक दर्जन छिनतई की वारदातों को अंजाम दिया गया था, उन सभी कांडों का खुलासा कर लिया गया है।

☞ **कुख्यात चेन स्नैचर जफर के खिलाफ 16 मामले है दर्ज :-** सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि तीनों अपराधियों ने राजधानी में 15 जगहों पर बीते दिनों हुई छिनतई की घटना में अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया है। इन अपराधियों का पहले से अपराधिक इतिहास रहा है। सबसे ज्यादा गिरोह का मास्टरमाइंड जफर खान के खिलाफ मामले दर्ज हैं। जफर के खिलाफ राँची के अलग-अलग थानों में कुल 16 मामले दर्ज हैं। जफर के द्वारा राँची के बरियातू, सदर, गोंदा, कांके और जगन्नाथपुर में कई बार सोने की चेन की छिनतई की गई थी। जफर कई बार जेल भी जा चुका है। लेकिन अपनी आदत से मजबूर वह जेल से निकलने के बाद दोबारा स्नेचिंग का काम ही किया करता था। जफर के खिलाफ बरियातू, कांके, सदर, गोंदा, कांके, जगन्नाथपुर और रामगढ़ थाना में मामले दर्ज हैं।●

स्नैचिंग से जुड़ी महिला रिसीवर गिरफ्तार

स्नैचरों के लिए करती थी चैन रिसीविंग का काम

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में पुलिस लगातार शहर में छिनतई करने वाले गिरोह को टारगेट कर रही है। गिरोह के द्वारा लगातार मोबाइल और चौन स्नैचिंग की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। इन स्नैचरों ने स्नैचिंग की घटना को लगातार अंजाम देकर पुलिस की नाक में दम कर रखा था। इसी क्रम में राँची के सदर और लालपुर इलाके से दो महिला समेत पांच स्नैचर्स को पकड़ा गया है। गिरफ्तार स्नैचर्स में अनिकेत दास, फुनो ग्वाला और झुनिया राय शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने दो सोने की चेन, मोबाइल और छिनतई के दौरान इस्तेमाल किए गए कपड़े भी बरामद किए हैं। राँची में पहली बार स्नैचिंग किए गए गहने एवं मोबाइल रिसीव कर छुपाने वाली दो महिला अपराधी भी पकड़ी गई है। गिरफ्तार दोनों महिलाएं अपने पुरुष साथी के द्वारा छिनतई किए हुए सोने की चेन अपने पास रखती थीं। पुरुष अपराधी जब किसी महिला या पुरुष से चेन की छिनतई करते थे, तब गिरोह की महिला साथी रास्ते से ही छीनी हुई चेन रिसीव कर लेती थी,इस वजह से कभी अपराधी अगर पकड़े भी जाते थे, तो खुद को निर्दोष बताकर निकल लेते थे।बता दे की यह गिरोह बंगाल से जुड़ा हुआ है और गिरफ्तार दोनो महिलाएं पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी की रहने वाली हैं।

★ **सिटी एसपी ने दी जानकारी** :- रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में अनिकेत दास, फुनो ग्वाला और झुनिया राय शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो सोने की चेन, मोबाइल और छिनतई के दौरान इस्तेमाल किए गए कपड़े भी बरामद किए गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि इसी सप्ताह गिरफ्तार अनिकेत दास के द्वारा सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में, एक महिला के घर के बाहर से दो लाख की छिनतई की गई थी।अनिकेत दास ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर उस समय इस घटना को अंजाम दिया था, जब बुजुर्ग महिला बैंक से पैसे निकालकर अपने बेटे के साथ घर वापस लौट रही थी।

★ **छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी** :-

☞ श्री संजीव बेसरा, पुलिस उपाधीक्षक, सदर, राँची

☞ श्री कुलदीप कुमार, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, सदर, राँची

☞ पु०अ०नि० गंगाधर सिंह, सदर थाना, राँची।

☞ पु०अ०नि० जमील अंसारी, सदर थाना, राँची।

☞ स०अ०नि० सत्येन्द्र सिंह, सदर थाना, राँची ।

☞ स०अ०नि० मायनो मुर्मू, सदर थाना, रॉची ।

☞ आरक्षी 3604 हेमन्त कुमार यादव।

☞ महिला आरक्षी 3617 अनीता कुमारी।

☞ महिला आरक्षी 47 प्रिया पायल।

☞ आरक्षी 75 शिवपूजन यादव।

☞ चालक आरक्षी 3525 जयराम यादव।

☞ आरक्षी 1610 संतोष कुमार यादव।

☞ आरक्षी 63 संतोष कुमार।

★ **मोबाइल स्नैचिंग मामले में दो गिरफ्तार** :- वही दूसरी ओर रांची की लालपुर पुलिस ने एसएसपी आवास के सामने एक लड़की से मोबाइल छिनतई करने वाले दो अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में मो कैफ और मो सैफ शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से छीना हुआ मोबाइल और घटना में प्रयुक्त हीरो होंडा ग्लैमर मोटरसाइकिल बरामद किया है। बताते चले कि एसएसपी आवास के पास मोबाइल से बातचीत करते जा रही एक लड़की का मोबाइल झपट्टा मार कर दो मोटरसाइकिल सवार युवक भाग गए थे। मामले में वादिनि के द्वारा लिखित आवेदन के आधार पर लालपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया था। जिसके बाद अनुसंधान टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित अनुसंधान करते हुए घटना में प्रयुक्त हीरो होंडा ग्लैमर मोटरसाइकिल को चिन्हित कर घटना में शामिल दोनों अभियुक्त को गिरफ्तार किया एवं छीने गए मोबाइल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी बरामद कर लिया। जांच के क्रम में पता चला कि रांची में इनका पूर्व का अपराधिक इतिहास रहा है। आवश्यक जांच एवं पूछताछ पूरी होने के बाद, पुलिस ने दोनों आरोपी को जेल भेज दिया है।

★ **छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी:-**

☞ पु०नि० रूपेश कु० सिंह, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी लालपुर, रॉची।

☞ पु०अ०नि० सत्य प्रकाश उपाध्याय, प्रभारी मोरहाबादी टी0ओ0पी0

☞ पु०अ०नि० पंकज कु० शर्मा, लालपुर थाना, रॉची।

☞ स०अ०नि० सुनिल मुर्मू, लालपुर थाना, रॉची।

☞ स०अ०नि० डी०एस० मुर्मू, लालपुर थाना, रॉची। ●

डकैती की योजना बना रहे अपराधी चढ़े पुलिस के हत्थे

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में एक खंडहर नुमा मकान में डकैती की योजना बना रहे छह अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अपराधी न सिर्फ डकैती की घटनाओं को अंजाम देते थे, बल्कि शहर के अलग-अलग जगह में महिलाओं के गले से चौन की छिनतई भी करते थे। गिरफ्तार अपराधियों के पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं।

☞ **डकैती की योजना बना रहे थे अपराधी :-** रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि बीआईटी मेसरा ओपी अंतर्गत ग्राम चुटू स्थित एक खंडहरनुमा मकान में कुछ अपराधी इकट्ठा होकर आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना पर सिटी एसपी राज कुमार मेहता के निर्देश में एवं सदर डीएसपी के नेतृत्व में, बीआईटी ओपी पुलिस की टीम ने मेसरा ओपी क्षेत्र के चुट्टू गांव से छह अपराधियों को गिरफ्तार किया।ये सभी अपराधी डकैती की घटना को अंजाम देने वाले थे। इससे पहले पुलिस ने उन सभी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों में मास्टरमाइंड वशी अहमद उर्फ बसी अहमद उर्फ अरमान, इमरान अंसारी उर्फ बडकू, आफताब अंसारी उर्फ रेंचो, सत्यम कुमार महतो उर्फ सतू, अरसद आलम उर्फ छोटका और सनु अंसारी शामिल है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूस, दो मोटरसाइकिल और दस हजार दो सौ बीस रुपये नकद बरामद किया हैं। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी अरमान ने स्वीकार किया कि उपरोक्त बरामद धनराशी राँची जिला अंतर्गत विभिन्न जगहों से चौन छिनतई की घटना को अंजाम देकर एवं चौन आदि को बेचकर जमा किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार वसी अहमद और इमरान अंसारी कुख्यात अपराधी हैं। इन दोनों के खिलाफ रांची के पिठोरिया, चुटिया और सदर थाने के साथ-साथ खूंटी जिले में भी मामले दर्ज हैं। बता दे कि पुलिस की गिरफ्त मे आया वशी अहमद चेन स्नेचिंग में माहिर है। वह बाइक के पीछे बैठकर बड़े ही शातिराना अंदाज में महिलाओं को अपना निशाना बनाता था एवं चौन स्नैच कर फरार हो जाता था।

☞ **छापामारी दल में शामिल पुलिसकर्मी :-** छापेमारी में सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा,बीआईटी ओपी प्रभारी संजीव कुमार, पु०अ०नि० बसंत कुमार, स०अ०नि० पिन्टु हॉसदा, स०अ०नि० संजीव सिहं कुन्तियां, आ० 1166 अगस्टिन बाड़ा और हवव 322 सम्मेलन लुगुन शामिल थे।●

कुख्यात साइको किलर राजीव रंजन सिंह गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के मोरहाबादी सब्जी बाजार के पास से पुलिस ने एक कुख्यात साइको किलर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी का नाम राजीव रंजन सिंह उम्र 41 वर्ष है। वह मूलरूप से लोहरदगा जिले के किस्को थाना क्षेत्र के अम्बा टोली का निवासी है। वर्तमान में वह अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हरमू हाउसिंग कॉलोनी में रहता है। पुलिस ने उसके पास से एक देशी पिस्टल, 6 जिंदा गोली और दो एंड्राइड मोबाइल बरामद किया है। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दुर्गापूजा को लेकर रांची पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस हर जगह पैनी नजर रखे हुए है। इसी क्रम में लालपुर पुलिस को बीते बुधवार बड़ी सफलता मिली है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मोरहाबादी सब्जी बाजार के पास एक दुर्गान्त अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। इस सूचना पर पुलिस की एक छापामारी टीम घटनास्थल पर पहुंच कर घेराबंदी करते हुए लोडेड देशी पिस्टल के साथ अपराधी राजीव रंजन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इस छापेमारी टीम का नेतृत्व लालपुर थाना प्रभारी रूपेश सिंह कर रहे थे। टिम में लालपुर थाना के कई पदाधिकारी और पुलिसकर्मी शामिल थे। इस संदर्भ में लालपुर थाना में (कांड सं0-237/2024) आर्म्स एक्ट के तहत् प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसएसपी ने आगे बताया कि गिरफ्तार राजीव रंजन सिंह ने 16 साल की उम्र से ही अपराध की दुनिया मे कदम रखा दिया था। अब तक दर्जनों से ज्यादा बार जेल जा चुका है। कई मामलों में फरार भी चल रहा है। गिरफ्तार अपराधी का पूर्व में लूट, डकैती, हत्या, रंगदारी तथा आर्म्स एक्ट आदि जैसे कई संगीन अपराध में करीब 50 से अधिक मामले दर्ज है।●

मंत्री बन्ना गुप्ता के खिलाफ रेप का एफआईआर निकला फेक

प्रेस विज्ञप्ति

विभिन्न व्हॉटसएप ग्रुप मे माननीय मंत्री, श्री बन्ना गुप्ता झारखण्ड सरकार से संबंधित झूठी प्राथमिकी अंकित किया हुआ पत्र व्हॉटसएप मे प्रसारित किया गया है। इस संदर्भ मे तथाकथित आवेदिका पूजा महतो, पति–शंकर महतो, ग्राम–सलगाडीह तमाड़ का छदम नाम का उपयोग कर नगर पुलिस अधिक्षक कार्यालय राँची को सम्बोधित एक कुटरचित आवेदन तथा कार्यालय से संबधित मिलता जुलता कुटरचित मोहर का आवेदन पत्र पर उपयोग किया गया है। माननीय मंत्री, श्री बन्ना गुप्ता झारखण्ड सरकार के विरूद्ध यौन शोशण से संबधित आरोप लगाते हुए एक कुटरचित झूठा आवेदन व्हॉटसएप मे प्रसारित किया जा रहा है। इस संदर्भ में नगर पुलिस अधिक्षक, राँची के गोपनीय प्रवाचक अमित राई के लिखित प्रतिवेदन के आधार पर तथाकथित प्रभात एवं अन्य अज्ञात के विरूद्ध प्राथमिकी कोतवाली थाना कांड संख्या–271/2024, दिनांक–06.10.2024, धारा–319(2)/318(4)/336(2)/235/61(2), भा०न्या०स० एवं 66(c)/66(d), IT Act. दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि फर्जी एवं कुटरचित आवेदन के द्वारा माननीय मंत्री, श्री बन्ना गुप्ता, झारखण्ड सरकार एवं राँची जिला पुलिस की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है।

● ओम प्रकाश

झारखण्ड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को बदनाम करने के लिए एक फेक एफआईआर कॉपी को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा वायरल किया गया है। एफआईआर कॉपी में मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामला सामने आने के बाद राँची पुलिस फेक एफआईआर वायरल करने वाले की तलाश में जुट गई है। वहीं मामले में कोतवाली थाना में मामला दर्ज कराया गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि यह मामला पूरी तरह से फर्जी है।जिस किसी के द्वारा यह कृत्य किया गया है, उसकी पहचान कर उसपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दे कि फेक एफआईआर में आवेदन राँची के सिटी एसपी के नाम से लिखा गया है, जिसमें तमाड़ की रहने वाली एक महिला पूजा महतो ने मंत्री पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। सबसे हैरान करने वाली बात तो यह है कि आवेदन में तमाम कानूनी धारा लगाकर केस भी दर्ज कर लिया गया है। जबकि एफआईआर के लिए थाना में आवेदन देना पड़ता है। लेकिन वायरल एफआईआर कॉपी में सिटी एसपी कार्यालय के नाम से कांड दर्ज किया गया।फेक एफआईआर में एक लैंड लाइन नंबर भी डाला गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि सिटी एसपी कार्यालय का फर्जी मोहर का इस्तेमाल कर एक फर्जी एफआईआर कॉपी का इस्तेमाल किया गया है। पूरा मामला ही फर्जी है। इस मामले की जांच की जा रही है। इस मामले में केस भी दर्ज कराया गया है। साथ ही आरोपी को चिन्हित करने के लिए पुलिस की छानबीन जारी है। इधर पुलिस ने फर्जी एफआईआर कॉपी वायरल मामले में जांच शुरू कर दिया है। सूत्रों से जानकारी मिली है कि फर्जी एफआइआर जिस महिला के नाम से है उसका पता भी फर्जी है। पुलिस जब उस पते पर पहुँचीं तो वहां बताया गया की इस नाम की कोई महिला है ही नहीं।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

29 अक्टूबर को मनेगा धनतेरस, 30 को हनुमान जयंती व दीप दान तथा 31 को मनेगी दीपावली

● निलेन्दु झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान, सहरसा के संस्थापक एवं कोसी क्षेत्र के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बतलाया है कि मिथिला विश्वविद्यालय पंचांग के अनुसार धनतेरस के दिन से ही दीपावली के त्योहार का शुभारंभ हो जाता है, जो की इस वर्ष 29 अक्टूबर को मनाई जाएगी। हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाते हैं। शास्त्रों मे वर्णन के अनुसार धनतेरस के दिन लोग कोई भी एक नया धातु की खरीदारी अवश्य करते हैं। धनतेरस पर माता लक्ष्मी और धन के अधिपति कुबेर की पूजा की जाती है। इसके अतिरिक्त 30 अक्टूबर को श्री श्री 108 हनुमान जयंती, दीपदान का शुभ संयोग बन रहा है तथा 31 अक्टूबर को दीपावली मनेगी। इस दिन माता काली, भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजन करने से सुख, वैभव, यश की प्राप्ति होती है।

गोवर्धन पूजा का पर्व इस बार 02 नवंबर को मनाया जायेगा। इस पर्व का संबंध भगवान श्री कृष्ण से हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को ही गोवर्धन पूजा मनाई जाती है। भाई दूज एवं भगवान चित्र गुप्त जी की पूजा 03 नवंबर को मनायी जायेगी।●

लोक आस्था का महापर्व : छठ

● अंजु झा

बिहार की चर्चित विदुषी लेखिका एवं कवियत्री श्रीमती अंजु झा जी बताती है, कि छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथी को मनाया जाने वाला हिंदुओं का एक पावन पर्व है! भगवान भास्कर के उपासना का लोकपर्व मुख्य रूप से बिहार, एवं देश और विदेश मे भी कई जगहों पर मनाया जाता है! बिहार में खासकर इस पर्व का विशेष महत्व है, छठ एकमात्र ऐसा पर्व है,जो वैदिक काल से मनाया जा रहा है! पौराणिक मान्यता के अनुसार, जब पांडव अपना सारा राजपाट जुआ मे हार गए थे तब भगवान कृष्ण के कहने पर द्रौपदी ने छठ का व्रत रखा था,तब उनकी मनोकामना पूर्ण हुई और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया! छठ मे 36 घंटे का चलने वाला व्रत बहुत ही कठोर अनुष्ठान के साथ संपन्न होता है! चार दिवसीय यह पर्व नहाए खाए से शुरू होकर खरना एवं संध्या और उदयगामी सूर्य को अर्घ देने के साथ संपन्न होता है, छठ के दौरान व्रती महिला की संस्कृति को दर्शाने के लिए बिना सिला हुआ वस्त्र,शुद्ध सूती साड़ी पहनती है, प्रकाश शक्ति और ऊर्जा के देवता भगवान भास्कर की उपासना जन कल्याण हेतु की जाती है, सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा है सूर्य के साथ-साथ दोनों शक्तियों की भी आराधना होती है,प्रातः काल में सूर्य की पहली किरण उषा और सायं काल में अंतिम किरण प्रत्युषा को अर्घ देखकर नमन किया जाता है!

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- इस माह आपको सावधानी से निवेश करना चाहिए, रियल एस्टेट, कारक खरीदना होगा या स्टॉक समेत कोई अन्य फैसला लेना हो,डॉक्यूमेंट्स और एग्रीमेंट सावधानी से पढ़ लें,सिंगल जातकों को लोगों और परिस्थितियों को स्वीकार करना चाहिए,प्रोफेशनल लाइफ में नेटवर्किंग और कम्युनिकेशन स्किल तरक्की के कई मौके लेकर आएगी।

वृषभ राशि :- इस माह के आखिर तक आपको जॉब में तरक्की के कई मौके मिलेंगे, जिन लोगों के पास जॉब है,उनके लिए यह प्रोफेशनल लाइफ में विश्वसनीयता और प्रोडक्टिविटी को प्रदर्शित करने का अच्छा समय है, इससे सुपरवाइजर देखेंगे कि आप कैसे कार्यों की जिम्मेदारी संभालते हैं।

मिथुन राशि :- इस माह आपको ऐसे प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा,जिसको लेकर आपमें काफी उत्साह है। अगर आप नया घर या कार खरीदना चाहते हैं, तो यह इस काम के लिए अच्छा समय है,अगर आप जरूरी छानबीन कर चुके हैं,इस महीने में स्टॉक मार्केट में इनवेस्ट करना थोड़ा रिस्की साबित हो सकता है,इसलिए आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा, फैमिली के साथ रिश्ते अच्छे रहेंगे,आप बच्चों और अन्य फैमिली मेंबर्स के साथ ज्यादा टाइम स्पेंड करने की इच्छा रखेंगे।

कर्क राशि :- करियर के मामले में, इस महीना थोड़ा कम प्रोडक्टिव रहने वाला है,आप पर्सनल इश्यूज में ज्यादा उलझे होंगे,ऐसे नौकरी की तलाश करें, जहां काम करना तनाव पूर्ण न हो,रिश्तों को सुधारने की कोशिश करें, टीम वर्क पर फोकस करें,अगर आप सिंगल हैं, तो यह सार्थक साथी की तलाश करने का अच्छा समय है।

सिंह राशि :- सिंह राशि वालों के लिए यह नई जॉब अप्लाई करने का टाइम है,जॉब इंटरव्यू में शामिल हों, नए कॉन्टैक्ट बनाएं, इस समय आपके जो कॉन्टैक्ट बनेंगे,वह करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे, अगर आप पहने से काम कर रहे हैं, तो यह नए ज्ञान की प्राप्ति के लिए उत्तम समय है,इस माह सिंगल लोगों की पार्टी या ऑफिस में बातचीत के दौरान साथी की तलाश पूरी हो सकती है।

कन्या राशि :- यह रणनीतियों पर सोचने, रूपरेखा तैयार करने और काम के प्रति ईमानदारी और समर्पण प्रदर्शित करने का समय है। हालांकि, खुद पर कार्यों का बोझ भी न डालें। यह बेहतर है कि आप वह काम करें,जिसमें आप अच्छे हैं। बेकार के चीजों पर पैसे खर्च न करें। निवेश के उन विकल्पों को चुनें। जिनकी कीमत लंबे समय में बढ़ेगी!

तुला राशि :- इस महीना अपनी आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने का उत्तम समय है, ऐसे निर्णय लें, जो लंबे समय के लिए लाभकारी साबित हों,अगर आप कार खरीदने या कोई बड़ा निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो कोई भी फैसला लेने से पहले अच्छे से सोच-विचार लें, जो लोग कमिटेड रिलेशनशिप में हैं, वह यह सुनिश्चित करें कि पार्टनर भी पर्सनल डेवलपमेंट गोल्स में आपके साथ है।

वृश्चिक राशि :- वृश्चिक राशि वालों के लिए यह लाइफ में नए मोटिवेशन की तलाश करने का समय है,इस महीना व्यवस्थित होकर नए प्रोजेक्ट पर फोकस करने के लिए बिना किसी का ध्यान खींचे व्यक्तिगत जीवन में तरक्की के लिए प्रयास करें,परिणाम के बजाए तैयारी पर फोकस करें,कोई भी फैसला लेने से पहले अपनी आर्थिक स्थिति का आंकलन जरूर करें,अगर आप सिंगल हैं, तो आप इश महीने नए रिश्ते की तलाश करने के लिए बहुत उत्सुक नहीं रहना चाहिए।

धनु राशि :- यह महीना आपको तरक्की के लिए चुनौती देता है, नए लोगों से मिलें, ऐसा काम करें, जो आपके लिए काफी महत्वपूर्ण हो, यह ग्रुप एक्टिविटीज में अपने विचारों को साझा करने का उत्तम समय है, आपके लिए पहली चुनौती यह होगी, कि आपको अपने गोल्स के साथ टीम गोल्स को मैनेज करना होगा।

मकर राशि :-मकर राशि वालों के लिए यह तरक्की करने का समय है, नई जिम्मेदारी लें, अपने काम के प्रति समर्पित रहें, इस माह आपको जॉब इंटरव्यू या जॉब के लिए किसी से कॉन्टैक्ट करने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेंगे,अगर आप सिंगल हैं, आप ऐसे व्यक्ति से प्रभावित होंगे, जो आपको के लिए ज्यादा सीरियस,जिम्मेदार और समझदार है।

कुंभ राशि :- इस माह आपको ऐसे कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे पूरा करने के लिए नए ज्ञान की आवश्यकता होगी, नए कोर्स या सेमिनार से सर्टिफिकेट हासिल करने का प्रयास करें,ये महीना आर्थिक मामलों में आशावादी बनकर रहने के लिए है।

मीन राशि :- यह माह यह एहसास करने के लिए है कि क्या आपके लिए लाभकारी नहीं है। जहां जरुरत हो, वहां परिवर्तनों को स्वीकार करें। अक्टूबर माह में संस्थागत राजनीति से छोटी-मोटी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, रिलेशनशिप में पार्टनर के साथ इमोशनल पहलूओं पर काम करने का प्रयास करें।

✯ क्या न्यायालय के खिलाफ पत्रिका या किसी भी मीडिया में समाचार छापना या दिखाना न्यायिक अवमानना का अपराध होता है?

न्यायालय अवमानना अधिनियम 1971 (कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट 1971) की धारा 5 के अनुसार न्यायिक कार्य की उचित आलोचना अवमानना नहीं कहलाती है ।इस धारा के अनुसार कोई व्यक्ति किसी ऐसे मामले की जिसकी सुनवाई हो चुकी हो और उसमें न्यायालय द्वारा अंतिम रूप से फैसला दिया जा चुका हो उसके गुण अवगुण पर किसी उचित आलोचना का प्रकाशन करने या प्रसारण करने पर न्यायालय अवमानना का अपराध नहीं होता है कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट के अपराध मे धारा 12 के अनुसार जो कोई व्यक्ति न्यायालय अवमानना का दोषी पाया जाएगा उसे सादे कारावास से जिसकी अवधि 6 माह तक की हो सकती है दंडित किया जा सकता है।

✯ क्या दो नपुंसको या दो पुरुषों या स्त्रियों के बीच किया गया विवाह वैध होता है?

दो नपुंसको के बीच किया गया विवाह शुन्य होता है यही बात दो पुरुषों के बीच या दो महिलाओं के बीच किया गया विवाह के ऊपर भी लागू होता है क्योंकि विवाह के लिए दो पक्ष कार होनी चाहिए जिनमें एक पक्षकार का पुरुष होना तथा दूसरे पक्षकार का स्त्री होना आवश्यक होता है इसलिए यदि दो पुरुष आपस में विवाह करते हैं तो वह विवाह शुन्य माना जाएगा या दो महिला आपस में विवाह करती है तो भी वह विवाह शुन्य होता है।

✯ क्या कोई हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी मेंटेनेंस का दावा कर सकती है ?

हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 की धारा 18 दो में उन अवस्थाओं का वर्णन है जिनमें एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण का दावा कर सकती है (1)यदि पति- पत्नी के अभित्याग का अपराधी हो अर्थात पति उचित कारण के बिना या बिना पत्नी की राय के या उसकी इच्छा के विरुद्ध उसे त्यागता है या उपेक्षा पूर्वक उसकी अवहेलना करता है (2) यदि पति ने इस प्रकार के निर्दयता का व्यवहार किया है जिससे उसकी पत्नी के दिमाग में युक्तियुक्त संदेह उत्पन्न हो जाए कि उसका पति के साथ रहना हानिकारक या घातक है(3) यदि पति कुष्ठ रोग से ग्रसित है (4) यदि पति की कोई दूसरी जीवित पत्नी है उस घर में जिसमें उसकी पत्नी रहती है उसी में रखैल रखता है या अन्यत्र कहीं उस रखैल के साथ प्राय: रहता है (5)यदि वह हिंदू धर्म त्याग कर कोई दूसरा धर्म अपना लेता है (6) यदि कोई अन्य कारण है जो उसके पृथक निवास को न्यायोचित ठहराता है। यहां त्याग तथा क्रूरता की स्थिति का निर्वचन उसी अर्थ में किया जाएगा जिस अर्थ में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 10 एवं 13 के अंतर्गत किया गया है उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्णय से यह प्रतिष्ठित हो चुका है कि अभीत्याग के लिए पृथक निवास तथा वैवाहिक संबंध समाप्त करने का स्थाई आशय आवश्यक तत्व है और क्रूरता शारीरिक एवं मानसिक दोनों हो सकती है केरल उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने एक वाद मे सामाजिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया कि जहां पति अभित्याग का दोषी है वहां यह साबित करना कि ही पर्याप्त होगा कि वह अलग रह रहा है (चारू बना क्रॉउन 1929)10 लाहौर 265) दत्तक ग्रहण अधिनियम और भरण पोषण अधिनियम ने पत्नी के पृथक निवास और भरण पोषण के अधिकार को विस्तृत कर दिया है। इस की धारा 18 (2) में ऐसी दशाओं का वर्णन किया गया है जिसके अनुसार एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण प्राप्त करने का दावा कर सकती है।

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

भरण पोषण का अधिकार व्यक्तिगत होने से पत्नी अपने पति के जीवन काल में उसके किसी अन्य संबंधी को इस उपधारा के अधीन भरण-पोषण पाने के लिए तथा अलग निवास के अधिकार के लिए रखैल और पत्नी का उसी घर में रहने की बात साबित होना जरूरी है किंतु उपर्युक्त स्थिति में जब की रखैल उसी घर में रह रही है और पत्नी अलग हो गई है तो धारा 18(2) (7)केअधीन भरण-पोषण पाने की अधिकारी हो जाएगी(भद्रा रेड्डी वनाम शानमया ए आई आर 1987 कर्नाटक 209) नरेंद्र पाल कौर चावला बनाम मनजीत सिंह चावला एआईआर 2008 दिल्ली 07 के मामले में न्यायालय ने यह कहा कि जहां पति ने अपनी पत्नी के होते हुए दूसरी पत्नी से विवाह किया है और उसकी दूसरी पत्नी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसके पति ने इस विवाह के पूर्व विवाह संपन्न किया है और और दूसरी पत्नी की है सिर्फ से वाह 14 वर्षों से लगातार उसके साथ निवास कर रही है जिसके परिणाम स्वरूप उससे उसको दो पुत्रियां उत्पन्न हुई उपरोक्त मामलों का अवलोकन करते हुए न्यायालय ने यह भी निर्धारित किया की दूसरी पत्नी हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम की धारा 18 की उप धारा 2 के अंतर्गत उसकी पहली पत्नी के जीवित रहते रहने की अवस्था में भी वह अपने पति से भरण पोषण प्राप्त कर सकती है इस संबंध में न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दूसरी पत्नी से इस विश्वास के साथ विवाह किया गया कि वह उससे पहली बार विवाह जब पत्नी की ओर से कोई वाद पृथक भरण पोषण के लिए न्यायालय में दायर किया जाता है तो न्यायालय कोई अधिकार है की पत्नी एवं पति के पारस्परिक संबंध के स्वीकृत हो जाने पर अंतरिम भरण-पोषण का प्रबंध कर दे मीना चोपड़ा बनाम दीपक चोपड़ा एआइआर 2002 दिल्ली के मामले में पति एक बहुत ही अमीर व्यक्ति था जो अनैतिक जीवन व्यतीत करता था विवाह उपरांत उसने अपनी पत्नी से विवाह विच्छेद कर लिया था पत्नी ने विवाह विच्छेद के पश्चात अपने भरण पोषण के लिए हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम के अंतर्गत एक आवेदन न्यायालय के समक्ष दिया प्रस्तुत मामले में न्यायालय ने पति की स्थिति का अवलोकन करते हुए आदमी को अधिनियम की धारा 18 के अंतर्गत 20000 रूपया प्रतिमाह भरण पोषण हेतु देने का आदेश दिया।

✯ न्यायालय में झूठी गवाही देने पर कितने वर्षों तक की सजा हो सकती है?

अगर कोई गवाह जानबूझकर किसी न्यायिक कार्यवाही के किसी चरण में झूठा साक्ष्य देता है या किसी न्यायिक कार्यवाही के किसी चरण में उपयोग में लाए जाने के प्रयोजन से मिथ्या साक्ष गढ़ता है तो वैसे व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता की धारा 193 के अनुसार 7 वर्षों तक की सजा हो सकती है साथ ही जुर्माने से भी दंडित किया जा सकता है यह एक असंगेय एवं जमानती अपराध होता है जिसका विचारण फर्स्ट क्लास जुडिशल मजिस्ट्रेट के द्वारा किया जाता है।

Ashirwad
आशीर्वाद
स्व-तंत्र अलौकिक चिकित्सालय
Badauan, Gaya (Bihar)

डायबिटीज, गठिया, चर्मरोग, पथरी,
एक्जिमा, गैस्ट्रिक, माइग्रेन,
बांझपन, ल्यूकोरीया, थायराइड,
मोटापा, श्वास, बवासीर, इत्यादि
जटिल रोगों का उपचार
करा कर थक चुके हैं, तो
सम्पर्क कर सकते हैं :-

Dr. Mantu Mishra

फोन नंबर :- 9939978397
समय :- सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008